



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-16082022-238113
CG-DL-E-16082022-238113

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]
No. 197]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 16, 2022/श्रावण 25, 1944
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 16, 2022/SHRAVANA 25, 1944

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 2022

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल अथवा वहां से निर्यातित ऑफलोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 6/12/2021-डीजीटीआर.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. मामले की पृष्ठभूमि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) को समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार मैसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड (जिसे आगे “आवेदक” या “घरेलू उद्योग भी कहा गया है) की ओर से एक आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे “संबद्ध देश” भी कहा गया) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “ऑफलोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुओं” (जिसे आगे “संबद्ध वस्तु” या विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया गया था।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना सं. 06/12/2021-डीजीटीआर, दिनांक 17 सितंबर, 2021 जारी की ताकि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।
3. प्राधिकारी ने पहले अधिसूचना सं. 14/06/2016-डीजीएडी दिनांक 22 दिसंबर, 2017 के माध्यम से चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ऑफलोक्ससिन के आयातों पर तीन वर्ष की अवधि के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की थी और वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना सं. 08/2018 दिनांक 15 मार्च, 2018 द्वारा उक्त शुल्क लगाया था। ये शुल्क 14 मार्च, 2021 तक लागू थे। पाटनरोधी शुल्क अधिसूचना सं. 14/31/2016-डीजीएडी दिनांक 19 दिसंबर, 2017 के माध्यम से चीन जन.गण. से ओ-एसिड के आयातों पर लगाने की सिफारिश भी की थी। वित्त मंत्रालय ने उक्त शुल्क को अधिसूचना सं. 06/2018-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 12 मार्च, 2018 द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए लगाया था।
4. ओ-एसिड पर शुल्क लगाने से उत्पादकों द्वारा उत्पाद के एक मध्यवर्ती स्तर ओ-ईस्टर के आयातों के माध्यम से कर-परिवंचना की गई। इसलिए प्राधिकारी ने एक परिवंचनारोधी जांच की थी और अधिसूचना सं. 7/14/2018-डीजीएडी दिनांक 24 अक्तूबर, 2018 के माध्यम से ओ-ईस्टर पर शुल्क का विस्तार करने की सिफारिश की और वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना सं. 55/2018-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 15 नवंबर, 2018 के माध्यम से शुल्क का विस्तार किया था।

ख. प्रक्रिया

5. संबद्ध जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
 - क. प्राधिकारी ने जांच शुरू करने से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।
 - ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 17 सितंबर, 2021 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
 - ग. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, अन्य भारतीय उत्पादकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और विहित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
 - घ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई थी।
 - ङ. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था। विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पतों के साथ दूतावास को भी भेजी गई थी।
 - च. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी:
 - i. मैसर्स एपेलोआ कानगुयु
 - ii. मैसर्स झेंगजियांग जिंगक्सिन फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
 - iii. मैसर्स झेंगजियांग ईस्ट फार्मास्युटिकल लिमिटेड

- iv. मैसर्स योंगनिंग फार्मा
 - v. मैसर्स जियांगसु गुओतई इन्टल. ग्रुप हुआतई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
 - vi. मैसर्स झेजियांग मेडिसंस एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लिमिटेड
 - vii. मैसर्स झेजियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट
 - viii. मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कारपोरेशन
- छ. इसके उत्तर में संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने विहित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर दिया:
- i. मैसर्स अनहुई बायो कम्पाउंड्स फार्मास्युटिकल कंपनी, लिमिटेड (उत्पादक)
 - ii. मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक)
 - iii. मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनान) कारपोरेशन (निर्यातक)
 - iv. मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मास्युटिकल कंपनी, लिमिटेड (उत्पादक)
 - v. मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कंपनी, लिमिटेड (उत्पादक)
 - vi. मैसर्स झेजियांग अपेलोआकांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी, लिमिटेड (उत्पादक)
 - vii. मैसर्स झेजियांग मेडिसंस एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी, लिमिटेड (निर्यातक)
- ज. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को भी प्रश्नावली भेजी थी:
- i. मैसर्स सिपला लिमिटेड
 - ii. मैसर्स मैकलियोड्स फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड
 - iii. मैसर्स जे.बी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल लिमिटेड
 - iv. मैसर्स अरिस्टो फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड
 - v. मैसर्स सन फार्मास्युटिकल इन्ड लिमि.
 - vi. मैसर्स मेडि फार्मा ड्रग हाउस
 - vii. मैसर्स एफडीसी लिमिटेड
 - viii. मैसर्स मेडले फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड
 - ix. मैसर्स मर्क (इंडिया) लिमिटेड
 - x. मैसर्स केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
 - xi. मैसर्स एलकेम लेबोरेट्रीज लिमिटेड
 - xii. मैसर्स एमनील फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - xiii. मैसर्स एएनएम फार्मा प्राइवेट लिमिटेड
 - xiv. मैसर्स एक्वाटिक रेमिडिज लिमिटेड
 - xv. मैसर्स बायोताविया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
 - xvi. मैसर्स जनरल इम्पोर्ट कंपनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
 - xvii. मैसर्स गोरंग इंटरनेशनल
 - xviii. मैसर्स इन्फिटी लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

- xix. मैसर्स माइक्रो लैब्स लिमिटेड
- xx. मैसर्स नियूलैंड लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- xxi. मैसर्स शाह सी जे वर्ल्ड एलएलपी
- xxii. मैसर्स सिरिनी फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxiii. मैसर्स सन राइज इंटरप्राइजेज
- xxiv. मैसर्स वीवाली इंटरनेशनल
- xxv. मैसर्स विनटेक लिमिटेड
- झ. इसके के उत्तर में, एक आयातक, अर्थात् मैसर्स इन्फिनिटी लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने प्रयोक्ता प्रश्नावली का उत्तर दिया:
- ञ. प्राधिकारी ने विभिन्न हितार्थियों के अनुरोध पर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा को पहले 12 नवंबर, 2021 तक और उसके बाद 17 नवंबर, 2021 तक बढ़ाया था।
- ट. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 01 अप्रैल 2020 से 31 मार्च, 2021 (12 महीने) (इसके बाद इसे “जांच की अवधि” अथवा “पीओआई” कहा जाएगा)। क्षति विश्लेषण अवधि में 2017-18, 2018-19 और 2019-20 और जांच की अवधि शामिल है।
- ठ. जांच की अवधि और विगत तीन वर्षों की अवधि के लिए सौदा-वार आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त हुए थे। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- ड. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक अतिरिक्त सूचना मांग गई थी। आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया था। आवश्यक सुधार, जहां लागू हो, के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है।
- ढ. प्राधिकारी ने पक्षकारों से डीजीटीआर की वेबसाइट पर प्रदर्शित सूची में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ अपने उत्तर साझा करने का निदेश दिया। हितबद्ध पक्षकारों ने ई-मेल के जरिए उत्तर के अगोपनीय अंश का आपस में आदान-प्रदान किया।
- ण. घरेलू उद्योग ने अपने चार्टर्ड/लागत लेखाकार द्वारा विधिवत् रूप से प्रमाणित वित्तीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। क्षति रहित कीमत (एनआईपी) को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) तथा नियमावली के अनुबंध -III के अनुसार इष्टतम उत्पादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है। इस क्षति रहित कीमत पर यह पता लगाने के लिए विचार किया गया है कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- त. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए 07 दिसंबर, 2021 को एक मौखिक सुनवाई आयोजित की, इसमें विभिन्न पक्षकारों ने भाग लिया। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों और उसके बाद खंडन अनुरोधों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।
- थ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और तर्कों तथा जांच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना पर उसके साक्ष्य द्वारा समर्पित होने और वर्तमान जांच से संगत होने की सीमा तक प्राधिकारी द्वारा इन अंतिम जांच परिणामों में उचित ढंग से विचार किया गया है।

- द. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया था।
- ध. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना देने से मना किया है या उसे प्रदान नहीं किया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने अंतिम जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- न. नियमावली के नियम 16 के अनुसार जांच के अनिवार्य तथ्यों का दिनांक 14 जुलाई, 2022 के प्रकटन विवरण द्वारा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक इन अंतिम जांच परिणामों में ध्यान दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन के पश्चात अधिकांश अनुरोध उनके पूर्ववर्ती अनुरोधों का केवल दोहराव है। तथापि, प्रकटन पश्चात के अनुरोधों के संगत समझे जाने पर इन अंतिम जांच परिणामों में उनकी जांच की जा रही है।
- प. इस अंतिम जांच परिणाम में *** चिन्ह किसी हितबद्ध पक्षकार/किसी अन्य पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- फ. प्राधिकारी द्वारा पीओआई के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर 75.22 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

6. जांच शुरुआत के समय विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

“5. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद ऑफ्लोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुएं अर्थात् ओ-एसिड या ऑफ्लोक्सासिन एसिड और ओ-ईस्टर या ऑफ्लोक्सासिन ईस्टर हैं। ओ-ईस्टर, ओ-एसिड के उत्पादन का अंतरिम स्तर है। ओ-ईस्टर से ओ-एसिड के स्तर की प्रक्रिया एक वृद्धिशील प्रक्रिया है। ओ-ईस्टर एसिडिक जल में हाइड्रोलाइज्ड होता है, जिसे बाद में ठंडा किया जाता है और ओ-एसिड के फ्राइड केक्स बनाने के लिए फिल्टर किया जाता है तथा ऑफ्लोक्सासिन प्राप्त करने के लिए आगे और प्रसंस्कृत किया जाता है। परिवर्तन की पूर्व प्रक्रिया पर विचार करते हुए आवेदक ने ओ-एसिड और ओ-ईस्टर को भी उत्पाद के दायरे में मिला दिया है।

6. ऑफ्लोक्सासिन का प्रयोग ब्रांचिटिस, निमोनिया सहित कतिपय संक्रमणों और त्वचा, मूत्राशय, मूत्र मार्ग, प्रजनन अंगों और प्रोस्टेट के संक्रमण के उपचार में किया जाता है। ऑफ्लोक्सासिन फ्लूओरोक्व्यूइनोलोन्स नामक प्रति-जैविकों की श्रेणी में आता है और संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है। ऑफ्लोक्सासिन एसिड का समर्पित प्रयोग ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादन में होता है।

7. ओ-एसिड ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादन के लिए समर्पित है और इसका कोई अन्य प्रयोग नहीं है। ओ-एसिड और ऑफ्लोक्सासिन का बाजार समान रहता है। वर्तमान में चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है।

8. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 और 30 के अंतर्गत आता है। ऑफ्लोक्सासिन एचएस कोड 30042034 के अंतर्गत आता है। तथापि, पीयूसी का आयात विभिन्न एचएस कोडों अर्थात् 29419030, 29419060, 29152990, 29163990, 29189900, 29411090, 29349900, 29419090, 29420090 के अंतर्गत भी किया गया है।”

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

7. विचाराधीन उत्पाद के दायरे और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:
- क. ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर एक दूसरे के प्रतिस्थापन नहीं हैं। भारत में ऑफ्लोक्सासिन के 700 से अधिक उपभोक्ता हैं, जबकि इनफिनिटी ओ-एसिड का एकमात्र प्रमुख उपभोक्ता है। क्षति संबंधी गणनाएं अलग से की जानी चाहिए।
 - ख. आरती ड्रग्स द्वारा उत्पादित ओ-एसिड की गुणवत्ता चीन के ओ-एसिड से तुलनीय नहीं है। ओ-एसिड के लिए विनिर्देशन के निर्धारण हेतु उचित तुलना अपेक्षित है। ऑफ्लोक्सासिन से अलग ओ-एसिड के परीक्षण हेतु कोई तय मापदंड नहीं हैं। आरती ने ऐसे, अशुद्धता, लॉस ऑन ड्राइंग जैसे मापदंडों का उल्लेख नहीं किया है जो ओ-एसिड की गुणवत्ता निर्धारित करने में मदद करते हैं।
 - ग. ओ-एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन लाभ को छोड़कर 40 प्रतिशत है। ओ-ईस्टर से ओ-एसिड में मूल्यवर्धन लाभ के अलावा 20 प्रतिशत है। ओ-ईस्टर से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन 50 प्रतिशत से अधिक है।
 - घ. “ऑफ्लोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुएं” नाम भ्रामक है क्योंकि अनेक अन्य मध्यवर्ती वस्तुएं जैसे (क) 2,3,4,5- टेट्रा फ्लूरो बेनजायल क्लोराइड-टीएफबीसी 4; (ख) इथाईल3-एन, एन-डाइमिथाइल एमिनो एक्रिलेट; और (ग) डीएल-एलानिनोल हैं जिन्हें केवल चीन से आपूर्ति किया जा सकता है। आवेदक ने अपनी सुविधानुसार मध्यवर्ती वस्तुओं को जोड़ दिया है। इन मध्यवर्ती वस्तुओं को केवल चीन से आपूर्ति किया जा सकता है।
 - ङ. तीन पीयूसी विभिन्न रासायनिक और भौतिक विशेषताओं वाले बिल्कुल अलग उत्पाद हैं। उनके अलग-अलग सीएस (केमिकल अबस्ट्रैक्ट सर्विस) संख्याएं हैं और ऑफ्लोक्सासिन तथा ओ-एसिड का सीमा शुल्क वर्गीकरण भी अलग-अलग है। इस प्रकार, ये उत्पाद समान वस्तुएं नहीं हैं और प्रतिस्थापनीय तथा एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग करने योग्य नहीं हैं।
 - च. ओ-एसिड और ऑफ्लोक्सासिन का बाजार समान नहीं है क्योंकि ओ-एसिड ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादकों द्वारा खरीदा जाता है, जो स्वयं ओ-एसिड का उत्पादन नहीं करते हैं। ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादक जो ओ-एसिड के उत्पादक हैं, ओ-एसिड की खरीद करने वाले नहीं हैं।
 - छ. मूल्यवर्धन ओ-ईस्टर से ऑफ्लोक्सासिन के लिए मामूली है यद्यपि ओ-ईस्टर से ओ-एसिड में इसे मामूली माना जाता है। भेषज उत्पादों में, सरल मूल्यवर्धन मापदंड पर विचार करना भ्रामक है। अगले स्तर के भेषज उत्पादों के उत्पादन में शामिल उत्पादन प्रक्रिया ज्ञात और विशेषज्ञता पर आधारित है।
 - ज. पाटनरोधी जांच में अधिकांश उत्पाद पूर्ववर्ती स्तर के उत्पाद हैं। निविष्ट या कच्ची सामग्री केवल इसलिए पीयूसी का भाग नहीं हो सकती है क्योंकि वे अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण में पूर्ववर्ती स्तर के उत्पाद हैं।
 - झ. पीओआई के दौरान भारत में ओ-ईस्टर के कोई आयात नहीं हुए थे। यदि ओ-ईस्टर को अलग पीयूसी नहीं भी माना जाए तो भी उसे पीयूसी के दायरे से बाहर रखना अपेक्षित है क्योंकि भारत में आयात नहीं किया गया उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अधीन नहीं हो सकता है।
 - ञ. ओ-एसिड, ओ-ईस्टर और ऑफ्लोक्सासिन को यूएसआईटीसी जांच के आधार पर शामिल करना सही सिद्ध करने का घरेलू उद्योग का प्रयास निराधार है क्योंकि यूएस ने घरेलू समान वस्तु के दायरे को बढ़ाया था और न कि पीयूसी के दायरे को।
 - ट. अन्य उत्पादों वाली परिवंचना जांच का उल्लेख असंगत है। परिवंचना की धारणा नहीं हो सकती है और पीयूसी का दायरा स्वयं नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क की परिवंचना का खतरा भविष्य में बना रहता है।
 - ठ. ओ-ईस्टर के विनिर्माण में ऑफ्लोक्सासिन विनिर्माण की तुलना में 20-25 प्रतिशत की सीमा तक नगण्य निवेश अपेक्षित होता है।

- ड. विभिन्न कंपनियों (फोर्मुलेटर्स) जैसे सन फार्मा, सिपला आदि ने यूएसएफडीए, ईडीक्यूएस अनुमोदन के कारण ऑफलोक्सासिन का आयात किया है, जो चीन के उत्पादकों के पास है। चूंकि घरेलू उद्योग के पास यह अनुमोदन नहीं है, इसलिए इन कंपनियों को आयात करना पड़ा। इससे पता चलता है कि आयातित ओ-एसिड घरेलू रूप से उत्पादित ओ-एसिड के समान नहीं है।

ग.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

8. उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. विचाराधीन उत्पाद ओ-एसिड या ऑफलोक्सासिन एसिड और ओ-ईस्टर या ऑफलोक्सासिन ईस्टर सहित ऑफलोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुएं हैं।
- ख. डीजीटीआर के एसओपी मैनुअल के पैरा 3.12 में व्यापक उत्पाद दायरे तथा संकीर्ण दायरे के संबंध में सावधान किया गया है। इसके कहा गया है कि “यद्यपि यदि पीयूसी का वर्णन अत्यंत संकीर्ण है तो इससे घरेलू उद्योग को राहत या संरक्षण नहीं मिलने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप लगाए गए शुल्कों की परिवर्चना भी हो सकती है”।
- ग. ओ-ईस्टर से ओ एसिड से ऑफलोक्सासिन में शामिल प्रक्रिया महत्वपूर्ण नहीं है।

ऑफलोक्सासिन ईस्टर निम्नलिखित चरणों में विनिर्मित होता है-

1. एसिलेशन
2. एमिनेशन
3. साइक्लाइजेशन

एसिलेशन – 2,3,4,5 टेट्राफ्लूरो बेनजायल क्लोराइड एन, एन-डाइमिथाइल एमिनो इथाईल एक्रीलेट से ट्राइथिलामाइन (टीईए) और टोलीन की उपस्थिति में इथाईल (2जेड)-3-(डिमिथाइल एमाइन)-2-(2,3,4,5- टेट्राफ्लूरो बेनजायल) एक्रीलेट बनाने के लिए प्रतिक्रिया करता है।

एमिनेशन - इथाईल (2जेड)-3-(डिमिथाइल एमाइन)-2- (2,3,4,5- टेट्राफ्लूरो बेनजायल) एक्रीलेट इथाईल-2(2,3, 4,5-टेट्राफ्लूरो बेनजायल)-3-(I हाइड्रॉक्सी प्रोप-2-यिलामिनो) एक्रीलेट बनाने के लिए डीएल-2-अमिनो-I-प्रोपेनोल के साथ प्रक्रिया करता है।

साइक्लाइजेशन – इथाईल-2(2,3,4,5-टेट्राफ्लूरो बेनजायल)-3-(I-हाइड्रॉक्सी प्रोप-2-यिलामिनो) एक्रीलेट को इथाईल-9,10-डाइफ्लूरो-3-मिथाईल-7-ऑक्सो-2,3-डिहाइड्रो-7एच (1,4) ऑक्साजिनो (2,3,4-आईजे) क्यूनोलीन-6-कारबोक्सीलेट (ऑफलोक्सासिन ईस्टर) बनाने के लिए उच्चतर तापमान में साइक्लाइज्ड किया जाता है।

ऑफलोक्सासिन एसिड को हाइड्रोलिसिस प्रतिक्रिया द्वारा विनिर्मित किया जाता है।

हाइड्रोलिसिस – ऑफलोक्सासिन ईस्टर को कास्टिक फ्लेक्स की उपस्थिति में हाइड्रोलाइज्ड किया जाता है और एसिटिक एसिड के साथ प्रेसिफिटेटिड होता है और यह 9,10,-डाइफ्लूरो-2,3 डिहाइड्रो-3-मिथाईल-7'ओक्सो-7एच-पाइरिडो-(1,2,3-डी)-1,4-बेनजोक्सेजाइन-6 कार्बोलेक्स एसिड (ऑफलोक्सासिन एसिड) बनाता है।

ऑफलोक्सासिन का कन्डेनसेशन प्रतिक्रिया द्वारा विनिर्माण

कन्डेनसेशन – ऑफलोक्सासिन एसिड को जल की उपस्थिति में एन-मिथाईल पाइपेरैजिन के साथ कन्डेन किया जाता है और ऑफलोक्सासिन को मेथोनोल में अलग किया जाता है।

- घ. ऑफलोक्सासिन की उत्पादन प्रक्रिया में प्रमुख विनिर्माण कार्यकलाप और मूल्यवर्धन ओ-ईस्टर स्तर पर होता है। घरेलू उद्योग का मुख्य निवेश ओ-ईस्टर में है, जो उसके कुल निवेश का लगभग 85 प्रतिशत है। ओ-ईस्टर से ओ-एसिड और ओ-एसिड से ऑफलोक्सासिन में बिल्कुल मामूली मूल्यवर्धन अपेक्षित है, जैसा पहले ही प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती परिवर्चनारोधी जांच में निर्धारित किया है। हितबद्ध पक्षकारों ने पूर्ववर्ती जांच में भी प्राधिकारी के समक्ष यह दलील दी थी।

- ड. न केवल ईस्टर से ओ-एसिड में मूल्यवर्धन कम है बल्कि एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन भी कम है। यहां तक कि हितबद्ध पक्षकारों ने भी चीन जन.गण. से ऑफ्लोक्सासिन के आयातों से संबंधित पूर्ववर्ती जांच में प्राधिकारी के समक्ष यह बात कही है। जब यह तर्क दिया गया था कि ओ-एसिड की लागत ऑफ्लोक्सासिन की कुल लागत का लगभग 85 प्रतिशत है।
- च. पूर्व में जब ओ-एसिड पर एडीडी लगाया गया था तो चीन के उत्पादकों ने चीन जन.गण. से ओ-एसिड के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की परिवंचना की थी, जैसाकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना सं. 7/14/2018-डीजीएडी के माध्यम से चीन जन.गण. से ओ-ईस्टर के आयातों से संबंधित परिवंचनारोधी जांच में अंतिम जांच परिणाम में निर्धारित किया गया था।
- छ. ओ-ईस्टर के निर्यात के द्वारा शुल्क की परिवंचना करने की चीन के निर्यातकों की क्षमता और प्रक्रिया सुस्थापित है। इस प्रकार ओ-ईस्टर को शामिल नहीं करने से स्पष्ट रूप से भविष्य में उपायों की परिवंचना हो सकती है।
- ज. यूएस का अर्ध-निर्मित उत्पाद विश्लेषण को शामिल करने की घटनाओं और प्रक्रिया का लंबा इतिहास रहा है। यूएसआईटीसी पाटनरोधी और प्रतिसंतुलनकारी शुल्क नियम पुस्तिका विचार किए जाने वाले कारकों का सारांश बताती है (1) क्या अपस्ट्रीम वस्तु डाउनस्ट्रीम वस्तु के उत्पादन के लिए समर्पित है या उसके स्वतंत्र प्रयोग हैं; (2) क्या अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम वस्तुओं के लिए बाजार अलग-अलग माने गए हैं; (3) अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम वस्तुओं की भौतिक विशेषताओं और कार्यों में अंतर; (4) उध्वाधर रूप से अलग-अलग वस्तुओं की लागत या मूल्य में अंतर; और (5) अपस्ट्रीम को डाउनस्ट्रीम वस्तुओं में बदलने में प्रयुक्त प्रक्रिया का महत्व और परिमाण।
- झ. यूएसआईटीसी ने अनेक जांचों में अर्ध-निर्मित उत्पादों को शामिल किया है, जैसे चीन से हाइड्रोफ्लोरोकार्बन ब्लैंड और संघटक भारत, जापान और कोरिया से ग्लायसीन; चीन से आर्टिस्ट केनवास; कनाडा से जिंदा सुअर; वियतनाम से कतिपय प्रोजेन फिश फिलेट्स; फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड और यूरोइटेड किंगडम से लौ अनरिचड यूरेनियम; कज़ाकिस्तान से यूरेनियम।
- ञ. प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों को ऐसे उत्पादों को जिन्हें अलग माना गया था, को बाद की जांच में एक उत्पाद माना है। यदि पूर्ववर्ती जांच में उत्पाद की जांच अलग से की गई है तो अन्य जांच में उसे अलग से मानने का कोई अधिदेश नहीं है।
- ट. डब्ल्यूटीओ पैनल ने बिल्कुल हाल में यूरोपीय संघ – कतिपय इस्पात उत्पादों संबंधी रक्षोपाय (डीएस595) दिनांक 29 अप्रैल, 2022 में किसी जांच में पीयूसी को परिभाषित करने के लिए जांचकर्ता प्राधिकारी के व्यापक स्व-विवेक की पुनः पुष्टि की है।
- ठ. कानून के तहत उपलब्ध स्व-विवेक व्यापक है और विश्वभर के प्राधिकारी एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग जांचों में भिन्न भिन्न उत्पाद दायरा परिभाषित करते हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी आमतौर पर मानते हैं कि वे न तो अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा वस्तु के लिए परिभाषित उत्पाद दायरे से बंधे हुए हैं और न ही विभिन्न देशों के विरुद्ध समान वस्तु से संबंधित अलग-अलग पूर्ववर्ती जांचों में उनके द्वारा परिभाषित उत्पाद दायरे से बंधे हुए हैं। विभिन्न उत्पादों पर विचार करने वाले विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा जांच किए गए संदर्भों का नीचे उल्लेख किया गया है:
- क. सोडियम साइट्रेट
- (i) भारत: मोनो सोडियम साइट्रेट, डाई सोडियम साइट्रेट और ट्राई सोडियम साइट्रेट के रूप में सोडियम साइट्रेट।
 - (ii) ईसी: साइट्रिक एसिड (सोडियम साइट्रेट सहित) में सीट्रिक एसिड, मोनो हाइड्रेट, सिट्रिक एसिड अनहाइड्रस और ट्राईसोडियम साइट्रेट डिहाइड्रस शामिल हैं।
 - (iii) यूएसए: सीट्रिक एसिड, सोडियम साइट्रेट और पोटेशियम साइट्रेट के ग्रेनुलेशन आकार।

ख. परसल्फेट

- (i) भारत: अमोनियम परसल्फेट, पोटेशियम परसल्फेट और सोडियम परसल्फेट।
- (ii) यूएसए: अमोनियम परसल्फेट, पोटेशियम परसल्फेट और सोडियम परसल्फेट।
- (iii) ईसी: अमोनियम परसल्फेट, पोटेशियम परसल्फेट और सोडियम परसल्फेट और पोटेशियम मोनोपरसल्फेट।

ग. पैट फिल्म

- (i) यूएसए: यूएसए मेटेलाइज फिल्म को छोड़कर केवल प्लेन फिल्म।
- (ii) ईसी, भारत, मेटेलाइज्ड फिल्म और बेस पैट फिल्म को शामिल किया।

घ. पीटीएफई

- (i) भारत: सस्पेंशन और इमलशन ग्रेड में पीटीएफई।
- (ii) ईसी: पीटीएफई, जिसमें टेट्राफ्लोरोएथलीन की तुलना में 3 प्रतिशत से अन्य मोनोमर हों, फिलर ना हों, पाउडर या पैलेट के रूप में हों तथा जिसमें माइक्रोनाइज्ड सामग्री (अर्थात् केवल पाउडर रूप में पीटीएफई) शामिल ना हों।

ड. इन्सुलेटर

- (i) भारत: इलैक्ट्रिक इन्सुलेटर
- (ii) यूएसए: स्टेशन पोस्ट इन्सुलेटर (जो भारत द्वारा विचारित विचाराधीन उत्पाद का केवल एक हिस्सा है)।

च. सौर सैल

- (i) भारत: क्रिस्टलाइन मॉड्यूल और थिन फिल्म
- (ii) यूएसए: क्रिस्टलाइन मॉड्यूल
- (iii) ईसी: क्रिस्टलाइन मॉड्यूल

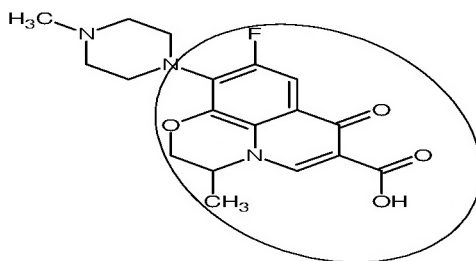
छ. एक्रिलिक फाइबर

- (i) इटली: 1.5 डेनियर से कम
- (ii) बेलारूस: सभी डेनियर
- (iii) जापान, पुर्तगाल, स्पेन और इटली: 1.5 डेनियर से 8 डेनियर
- (iv) ताईवान: सभी डेनियर
- (v) मेक्सिको: 1.5 डेनियर से 8 डेनियर
- (vi) तुर्की, हंगरी और यूरोपीय यूनियन: 1.5 डेनियर से 8 डेनियर
- (vii) यूएसए, थाइलैंड और कोरिया गणराज्य: सभी डेनियर
- (viii) यूके, जर्मनी, ब्राजील, बुल्गारिया: सभी डेनियर
- (ix) मिस्र: सभी डेनियर

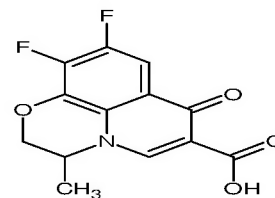
ड. भारतीय प्राधिकारी तथा अन्य प्राधिकारियों ने विभिन्न मामलों में विचाराधीन उत्पाद के व्यापक दायरे पर विचार किया है। यूरोपीय आयोग द्वारा ब्रॉड स्पैक्ट्रम एंटीबायोटिक्स से संबंधित एक जांच का उल्लेख किया गया है, जिसमें आयोग ने कतिपय ब्रॉड स्पैक्ट्रम एंटीबायोटिक्स अर्थात् एमोक्सिलिन ट्रिहाइड्रेट, एम्पिसिलिन ट्रिहाइड्रेट और सेफलेक्सिन पर पीयूसी के भीतर बल्क रूप में विचार किया है। भारतीय प्राधिकारी ने सीमलेस पाइप से संबंधित रक्षोपाय जांच में ट्यूबों, पाइपों, और होलो प्रोफाइल्स, सीमलेस

जो लोहे, अलाय या गैर-अलाय इस्पात (कास्ट ऑयरन और स्टेनलेस स्टील से इतर) से बने हों, चाहे हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड हों, जिनका बाहरी व्यास 273.1 एमएम से अधिक न हो (बाहरी व्यास) को पीयूसी के भीतर माना है। यूरोपीय आयोग ने ईसी रक्षोपाय इस्पात जांच में इस्पात उत्पादों के फ्लैट उत्पादों, लॉग उत्पादों और ट्यूबों आदि के समूह के भीतर 28 उत्पादों पर विचार किया है।

- ढ. चीन ने भी हाल में भारत से थैलोसाइनाइन पिग्मेंट्स संबंधी जांच शुरू की है, जिसमें विचाराधीन उत्पाद के दायरे को "थैलोसाइनाइन एक कार्बनिक यौगिक है, जिसके चार आइसोइंडोलेलाइन संरचनात्मक प्लेन माइक्रोसाइकिलिक मोलिकुल हैं, चाहे रिफाइंड या गैर पिग्मेंटेड हों, रिफाइनिंग और/या पिग्मेंटिंग के बाद हो, थैलोसाइनाइन का चमकीला कलर, सुदृढ़ रंग शक्ति उत्कृष्ट मौसम प्रतिरोध, ताप प्रतिरोध, घुलनशील प्रतिरोध, अम्ल प्रतिरोध और अल्कली प्रतिरोध है और यह पारंपरिक कार्बनिक विलायकों में घुलनशील नहीं है, के रूप में परिभाषित किया है और इस प्रकार मध्यवर्ती और प्रसंस्कृत उत्पादों, दोनों को शामिल किया है।
- ण. ओ ईस्टर और ओ एसिड को केवल ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है। ओ एसिड और ओ ईस्टर का कोई अन्य स्वतंत्र प्रयोग नहीं है।
- त. ओ एसिड और ऑफ्लोक्सासिन का बाजार साझा है और इनका प्रयोग भेषज उत्पादों में होता है। ओ ईस्टर, ओ एसिड और ऑफ्लोक्सासिन उत्पादन की सतत प्रक्रिया का हिस्सा है और उनके अंतिम प्रयोग बाजार अनिवार्यतः समान हैं।
- थ. ऑफ्लोक्सासिन क्यूनोलोन एंटीबायोटिक्स नाम औषधि श्रेणी से संबंधित है। ऑफ्लोक्सासिन की संरचना का बड़ा हिस्सा क्यूनोलोन मोइटी है। यह रसायन/संरचना मोइटी मुख्यतः ऑफ्लोक्सासिन एसिड में शामिल है। इन दोनों मोलेक्यूल के कार्य और भौतिक रूप समान प्रकृति के हैं।



Structure of Ofloxacin



Structure of Ofloxacin Q acid

ऑफ्लोक्सासिन की संरचना

ऑफ्लोक्सासिन क्यू एसिड की संरचना

- द. घरेलू उद्योग आवेदक द्वारा उत्पादित उत्पादों जैसे मेट्रोनिडाजोन और 2-मिथाइल (5) नाइट्रो इमिडाजोल (2 एमएमआई); डाइक्लोफेनाक सोडियम (डीएफएस) और इंडोलिनोन (1-(2,6-डाइक्लोरोफेनाइल)-2 इंडोलिनोन क्रूड); ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर, जैसे उत्पादों से संबंधित पूर्ववर्ती जांचों का अपना स्वयं का अनुभव है जिसमें संकीर्ण दायरे के परिणामस्वरूप कोई संरक्षण नहीं मिला है।
- ध. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले भी ऐसी स्थिति का सामना किया है और उत्पादन के विभिन्न स्तर के उत्पादों को एक उत्पाद माना है। इसके कुछ उदाहरण हैं (क) चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "क्लोरोनेटेड पोलिविनायल क्लोराइड (सीपीवीसी) रेजिन - चाहे यौगिक में आगे प्रसंस्कृत हो अथवा नहीं" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच; (ख) चीन जन.गण, वियतनाम और श्रीलंका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित काम्पेक्ट फ्लोरोसेंट लैंपों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच; (ग) मलेशिया, चीन जन.गण., चीनी ताइपेई और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सौर सैलों, चाहे आंशिक या पूर्ण रूप से मॉड्यूल या पैनलों में या ग्लास अथवा किसी अन्य उपयुक्त सब-स्ट्रेट में संयोजित हों अथवा नहीं, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

- न. भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु, तकनीकी विशेषताओं, समान अंतिम प्रयोगों, उनकी तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता और टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थानीय हैं।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु से संबंधित मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की निम्नानुसार जांच की गई है।
10. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद “ऑफ्लोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुएं अर्थात् ओ-एसिड या ऑफ्लोक्सासिन एसिड और ओ-ईस्टर या ऑफ्लोक्सासिन ईस्टर शामिल है।”
11. ऑफ्लोक्सासिन सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 और 30 के अंतर्गत आता है। ऑफ्लोक्सासिन एचएस कोड 30042034 के अंतर्गत आता है। तथापि, पीयूसी का आयात विभिन्न एचएस कोडों अर्थात् 29419030, 29419060, 29152990, 29163990, 29189900, 29411090, 29349900, 29419090, 29420090 के अंतर्गत भी किया गया है।
12. ऑफ्लोक्सासिन का प्रयोग ब्रांचिटिस, निमोनिया सहित कतिपय संक्रमणों और त्वचा, मूत्राशय, मूत्र मार्ग, प्रजनन अंगों और प्रोस्टेट के संक्रमण के उपचार में किया जाता है। ऑफ्लोक्सासिन फ्लूओरोक्यूइनोलोन्स नामक प्रति-जैविकों की श्रेणी में आता है और संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है।
13. विचाराधीन उत्पाद के दायरे में ओ एसिड और ओ-ईस्टर शामिल हैं। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने मध्यवर्ती वस्तुओं को ऑफ्लोक्सासिन में शामिल करने पर आपत्ति जताई है। यह नोट किया गया है कि “संबंधित उत्पाद के दायरे के निर्धारण से मामले के परिणाम पर काफी प्रभाव पड़ सकता है। विचाराधीन उत्पाद के व्यापक दायरे से घरेलू उद्योग को अनावश्यक संरक्षण मिल सकता है और जांच की प्रक्रिया में जटिलताएं आ सकती हैं। इसके साथ विचाराधीन उत्पाद का संकीर्ण दायरा घरेलू उद्योग को अपेक्षित राहत देने में विफल हो सकता है और लगाए गए उपायों/शुल्कों की परिवर्चना में भी परिणत हो सकता है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों की सावधानीपूर्व जांच की है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे की जांच की है।
14. डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार में ऐसा कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है जिसमें विचाराधीन उत्पाद के निर्धारण के मापदंड दिए गए हों। डब्ल्यूटीओ मामला कानून न्यायशास्त्र में भी विचाराधीन उत्पाद के सीमांकन या मापदंडों के निर्धारण संबंधी कोई स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं है। भारतीय प्राधिकारी तथा अन्य क्षेत्रों के प्राधिकारियों ने उत्पाद की भौतिक तकनीकी और रासायनिक विशेषताओं, उसके मुख्य प्रयोग तथा अनुप्रयोगों, प्रतिस्थापनीयता की मात्रा, उपभोक्ता के रुझान व वितरण शृंखला, विनिर्माण प्रक्रिया, उत्पादन लागत आदि पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे को निर्धारित करने संबंधी मापदंडों के रूप में विचार किया है।
15. यह नोट किया गया है कि ओ एसिड का प्रयोग ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादन में मध्यवर्ती वस्तु के रूप में होता है और ओ-ईस्टर, ओ एसिड के उत्पादन के लिए अंतरिम स्तर का उत्पाद है। ओ एसिड पर पहले लगाए गए शुल्क की ओ ईस्टर के आयात द्वारा परिवर्चना हुई थी, जिसका तब तक व्यापार नहीं किया जाता था।
16. मौके पर दौरे के दौरान ऑफ्लोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुओं की उत्पादन प्रक्रिया देखी गई है और नीचे दी गई है:

प्रतिक्रिया चरण- I- एसिलेशन					
2,3,4,5 टेट्रा फ्लूरो बेंजाइल क्लोराइड (टीएफबीसीआई)	एन,एन – डिमिथाइल एमिनो बेंजाइल क्लोराइड इथाइल एक्रीलेट	→ (टोलुएने/टीईए)	इथाइल (2जेड)-3- (डिमिथाइल एमाइन)-2- (2,3,4,5-टेट्रा फ्लूरो बेंजाइल) एक्रीलेट (उत्पाद क)		

2,3,4, 5टेट्राफ्लूरो बेनजायल क्लोराइड एन,एन-डाइमिथाइल एमिनो इथाईल एक्रीलेट से ट्राइथिलामाइन) टीईए (और टोलीन की उपस्थिति में इथाईल2) जेड)-3-(डिमिथाइल एमाइन2) -2-(,3,4, -5टेट्राफ्लूरो बेनजायल (एक्रीलेट बनाने के लिए प्रतिक्रिया करता है। (उत्पाद क)

प्रतिक्रिया चरण II – एमिनेशन

इथाइल (2जेड)-3- (डिमिथाइल एमाइन)-2- (2,3,4,5-टेट्रा फ्लूरो बेंजाइल) एक्रीलेट (उत्पाद क)	डीएल-2-एमिनो-1- + प्रोपानोल (डीएल-एलानिनोल)	(टोलुएने/टीईए) →	इथाइल-2-(2,3,4,5- टेट्रा फ्लूरो बेंजाइल)-3-(1- हाइड्रोक्सी प्रोप-2- यलामिनो) एक्रीलेट (उत्पाद ख)
---	---	---------------------	--

इथाइल (2जैड)-3- (डिमिथाइल एमाइन)-2 (2,3,4,5,-टेट्रा फ्लूरो बेनजायल) (उत्पाद क) एक्रीलेट इथाइल-2-(2,3,4,5-टेट्रा फ्लूरो बेनजायल)-3-(1-हाइड्रोक्सी प्रोप-2 यिलामिनो) एक्रीलेट बनाने के लिए डी एल-2 अमिनो-1-प्रोपेनोल के साथ प्रक्रिया करता है (उत्पाद ख)

प्रतिक्रिया चरण III – साइक्लाइजेशन

इथाइल-2-(2,3,4,5- टेट्रा फ्लूरो बेंजाइल)-3-(1- हाइड्रोक्सी प्रोप-2- यलामिनो) एक्रीलेट (उत्पाद ख)	+ केएफ	(डीएमएफ) →	इथाइल- 9,10-डिफ्लूरो-3- मिथाइल-7-ऑक्सो-2,3- डिहाइड्रो-7एच- (1,4)ओक्साजिनो (2,3,4ij)क्यूनोलाइन-6- कारबोक्सीलेट (ऑफलोक्सासिन ईस्टर)
--	--------	---------------	---

उत्पाद ख) को उच्चतर तापमान पर इथाइल- 9,10-डिफ्लूरो-3-मिथाइल-7-ऑक्सो-2,3-डिहाइड्रो-7एच- (1,4)ओक्साजिनो (2,3,4ij) क्यूनोलाइन-6-कारबोक्सीलेट (ऑफलोक्सासिन ईस्टर) बनाने के लिए साइक्लाइज्ड किया जाता है।

प्रतिक्रिया चरण IV- हाइड्रोलिसिस

इथाइल- 9,10-डिफ्लूरो-3- मिथाइल-7-ऑक्सो-2,3- डिहाइड्रो-7एच- (1,4)ओक्साजिनो (2,3,4ij)क्यूनोलाइन-6- कारबोक्सीलेट (ऑफलोक्सासिन ईस्टर)	+ कास्टिक सोडा	(एसिटिक एसिड) →	9,10-डिफ्लूरो-2,3 डिहाइड्रो-3-मिथाइल-7- ऑक्सो—7एच-पाइरिडो- (1,2,3-डे)- 1.4- बेंजोआक्साइन-6- कार्बोक्सिलक एसिड (ऑफलोक्सासिन एसिड)
---	----------------	--------------------	--

ऑफलोक्सासिन ईस्टर को कास्टिक फ्लेक्स की मौजूदगी में हाइड्रोलाइज्ड किया जाता है और ऑफलोक्सासिन एसिड बनाने के लिए एसिटिक एसिड के साथ प्रेसिपिटेड किया जाता है।

प्रतिक्रिया चरण V-कन्डनसेशन			
9,10-डिफ्लूरो-2,3 डिहाइड्रो-3-मिथाइल-7- ऑक्सो—7एच-पाइरिडो- (1,2,3-डे)- 1.4- बेंजोआक्साइन-6- कार्बोक्सिलक एसिड (ऑफ्लोक्सासिन एसिड)	+ एन-मिथाइल पाइपराजाइन	वाटर/मिथनोल/कास्टिक फ्लेक्स →	ऑफ्लोक्सासिन
ऑफ्लोक्सासिन एसिड को जल की मौजूदगी में एन-मिथाइल पाइपरेजाइन के साथ कन्डेंश किया जाता है और मैथनोल के प्रयोग द्वारा ऑफ्लोक्सासिन को अलग किया जाता है।			

17. उपयुक्त विवरण से प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:

- क. ऑफ्लोक्सासिन ईस्टर के स्तर तक उत्पादन की प्रक्रिया को ईस्टर, ओ एसिड और ऑफ्लोक्सासिन के लिए समान है।
- ख. ओ ईस्टर के स्तर तक उत्पादन कार्यकलाप काफी व्यापक हैं जिनमें प्रतिक्रिया चरण (I) एसिलेशन, (II) एमिनेशन, (III) साइक्लाइजेशन और (IV) हाइड्रोलिसिस शामिल हैं।
- ग. ओ एसिड से ओ ईस्टर का विनिर्माण कोई कच्ची सामग्री मिलाए बिना एक चरण की हाइड्रोलिसिस प्रतिक्रिया है।
- घ. ऑफ्लोक्सासिन एसिड से ऑफ्लोक्सासिन का निर्माण चरण वाली कन्डेंसेशन प्रतिक्रिया है। ऑफ्लोक्सासिन के सिंथेसिस के दौरान केवल दो कच्ची सामग्रियों और एक विलायक अर्थात् ओ-एसिड, एन-मिथाइल पाइपरेजाइन और सोल्वेंट मेथनोल का प्रयोग किया जाता है।
- ड. ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में परिवर्तन एक एकल पॉट प्रतिक्रिया है अर्थात् सभी प्रक्रिया प्रचालन/प्रचालनात्मक चरण एकल रिएक्टर में किए जाते हैं, जैसे कन्डनसेशन रिएक्शन, डिस्टिलेशन, क्रिस्टलाइजेशन और उत्पाद पृथक्करण के लिए सेन्ट्रीक्यूज में फीडिंग।

18. प्राधिकारी ने ऑफ्लोक्सासिन के विनिर्माण में प्रत्येक स्तर पर मूल्यवर्धन की भी जांच की है। यह देखा गया है कि ओ ईस्टर से ओ एसिड में मूल्यवर्धन 0-10 प्रतिशत से कम है और ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन लगभग 10-20 प्रतिशत है। मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्रीज ने तर्क दिया है कि ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन 35-45 प्रतिशत है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और इनफिनिटी लैबोरेट्री द्वारा प्रदत्त सूचना की जांच और सत्यापन किया है। यह नोट किया गया है कि ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में शामिल प्रक्रिया एकल चरण की प्रक्रिया है। ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में परिवर्तन एक एकल पॉट प्रतिक्रिया है अर्थात् सभी प्रक्रिया प्रचालन जैसे कन्डनसेशन रिएक्शन, डिस्टिलेशन, क्रिस्टलाइजेशन और प्रोडक्ट आइसोलेशन के लिए सेन्ट्रीक्यूज में ट्रेडिंग एकल रिएक्टर में ही होता है। ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन कुछ खास नहीं है। मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्री द्वारा आयातक प्रश्नावली के उत्तर के परिशिष्ट 2 और 6 में भी यह बताया गया है कि ओ एसिड से ऑफ्लोक्सासिन में मूल्यवर्धन केवल लगभग 0 से 10 प्रतिशत है। इस प्रकार, आवेदक घरेलू उत्पादक और आयातक दोनों के संबंध में दर्ज सूचना से पता चलता है कि मूल्यवर्धन 5-15 प्रतिशत के बीच है।

19. ऊपर यथा-वर्णित प्रक्रिया और मूल्यवर्धन पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि ऑफ्लोक्सासिन ओ ईस्टर के स्तर के पश्चात किसी प्रमुख प्रक्रिया कार्यकलाप के बिना वाणिज्यिक रूप से उत्पादित होती है।

20. रासायनिक विशेषताओं की दृष्टि से यह नोट किया गया है कि ऑफ्लोक्सासिन पिनोलोन एंटीबायोटिक्स नाम औषधियों की श्रेणी से संबंधित है। ऑफ्लोक्सासिन संरचना का प्रमुख हिस्सा फिनोलोन मोइटी है। यह रसायन/संरचना मोइटी ऑफ्लोक्सासिन एसिड में मौजूद है। दोनों मोलिक्यूल्स के कार्य और भौतिक रूप समान प्रकृति के हैं।

21. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि ऑफलोक्सासिन एसिड (“ओ एसिड”) एक मध्यवर्ती उत्पाद है, जिसे अन्ततः ऑफलोक्सासिन में परिवर्तित किया जाता है और ओ एसिड तथा ओ ईस्टर का कोई अन्य स्वतंत्र प्रयोग नहीं है। ओ एसिड और ओ ईस्टर को यथा-रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है और इसे प्रयोग योग्य बनाने के लिए ऑफलोक्सासिन में अनिवार्यतः प्रसंस्कृत करना होता है। यह तथ्य किसी भी पक्षकार द्वारा विवादित नहीं किया गया है। ऑफलोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुओं का बाजार समान अर्थात् भेषज क्षेत्र है।
22. रिकॉर्ड में अनुरोध से यह भी नोट किया गया है कि भारत में बहुत से ऑफलोक्सासिन विनिर्माता ओ एसिड का आयात कर रहे हैं और उसे ऑफलोक्सासिन में परिवर्तित कर रहे हैं। इसके मद्देनजर पाटनरोधी शुल्क के दायरे से ओ एसिड को बाहर रखने से संबद्ध देश से मध्यवर्ती वस्तु का निर्यात होने की संभावना है और इस प्रकार पाटनरोधी जांच की संपूर्ण प्रक्रिया और ऑफलोक्सासिन के आयात पर पाटनरोधी शुल्क को बाद में लगाने का पूरा प्रयोजन ही विफल हो जाएगा।
23. ऐसी विभिन्न पूर्ववर्ती जांचें हैं जिनमें से कुछ का उल्लेख नीचे किया गया है, जिनमें मध्यवर्ती उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया गया था:
 - क. चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, ईयू, जापान, ताईवान, इंडोनेशिया, यूएसए, थाइलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई, हांग कांग, सिंगापुर, मेक्सिको, वियतनाम और मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के फ्लैट रोल्ड उत्पादों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 6/12/2019-डीजीटीआर दिनांक 23 दिसंबर, 2020। प्राधिकारी ने हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद और कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया, जबकि कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद, हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद का आगे प्रसंस्कृत उत्पाद है।
 - ख. चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “क्लोरोनेटेड पोलीविनाइल क्लोराइड (सीपीवीसी) रेजिन – चाहे यौगिक में आगे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं”, के आयातों से संबंधित पाटन रोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 6/3/2019-डीजीटीआर दिनांक 19 फरवरी, 2020. प्राधिकारी ने सीपीवीसी रेजिन, जो एक अंतरिम उत्पाद है और सीपीवीसी यौगिक, जो एक तैयार उत्पाद है, दोनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया।
 - ग. चीन जन.गण., वियतनाम और श्रीलंका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप के आयातों से संबंधित पाटन रोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/1/2007-डीजीएडी दिनांक 27 फरवरी, 2009. प्राधिकारी ने सील्ड ग्लास ट्यूबलर शैल जो अधूरे कम्पैक्ट फ्लोरोसेंट के अलावा कुछ नहीं थे, को विचाराधीन उत्पाद अर्थात् कम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप के दायरे में शामिल किया।
 - घ. चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/28/2009-डीजीएडी दिनांक 6 जनवरी, 2011। प्राधिकारी ने रोविंग, सीएस, सीएसएम सभी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया, जबकि रोविंग को सीएसएम के रूप में आगे प्रसंस्कृत किया जाता है।
 - ड. मलेशिया, चीन जन.गण., चीनी ताइपेई और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोलर सैलों, चाहे माड्यूल या पैनलों या ग्लास या किसी अन्य उपयुक्त सबस्ट्रेट्स में आंशिक या पूर्णतः लगे हों अथवा नहीं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच – अधिसूचना सं. 14/5/2012-डीजीएडी दिनांक 22 मई, 2014. प्राधिकारी ने सैल और माँड्यूलों, दोनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया, जबकि माँड्यूल एक मूल्यवर्धित उत्पाद था।
 - च. चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय हॉट रोल्ड और कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील फ्लैट उत्पादों के आयातों से संबंधित प्रतिसंतुलनकारी शुल्क/सब्सिडीरोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/18/2015-डीजीएडी दिनांक 04 जुलाई 2017। प्राधिकारी ने हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद और कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद दोनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया जबकि कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद का आगे प्रसंस्कृत उत्पाद होता है।

- छ. ताइवान, तुर्की और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'फेरोक्सोसल्फेट' (जिसे 'परसल्फेट' के रूप में भी जाना जाता है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच – अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/9/2012-डीजीएडी दिनांक 04 मार्च, 2014. प्राधिकारी ने पोटेशियम परसल्फेट, सोडियम परसल्फेट और अमोनियम परसल्फेट को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया जिसमें अमोनियम परसल्फेट को सोडियम परसल्फेट और पोटेशियम परसल्फेट में आगे प्रसंस्कृत किया जाता है।
24. अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और भारत में की गई पूर्ववर्ती जांचों पर विचार करते हुए यह नोट किया जाता है कि कोई उत्पाद, जो मध्यवर्ती रूप में हो या अर्ध-निर्मित रूप में हो, को अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित मापदंडों की आवश्यक जांच के पश्चात विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया जा सकता है:
- क. क्या मध्यवर्ती उत्पाद का कोई स्वतंत्र प्रयोग नहीं है।
- ख. क्या निवेश का काफी अनुपात केवल मध्यवर्ती स्तर तक किया जाता है।
- ग. क्या मध्यवर्ती उत्पाद से अंतिम उत्पाद के स्तर तक शामिल विनिर्माण प्रक्रिया वृद्धिशील है।
- घ. क्या उपायों की परिवर्चना की संभावना मौजूद है।
- ड. क्या मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों की समान भौतिक रासायनिक विशेषताएं हैं।
25. इस प्रकार, उपर्युक्त जांच के मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में ऑफ्लोक्सासिन और ओ-एसिड तथा ओ-ईस्टर सहित उसकी मध्यवर्ती वस्तुएं शामिल हैं।
26. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-
- “समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;*
27. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि कतिपय पक्षकारों ने चीन में विशिष्ट कंपनियों से आयात किया है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास ऐसा अनुमोदन नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाया है कि उसका उत्पाद विभिन्न प्रमुख भेषज कंपनियों द्वारा अनुमोदित है और वह नियमित रूप से उसे आपूर्ति कर रहा है। यह सिद्ध करने के लिए रिकॉर्ड में कुछ भी नहीं है कि आयातित उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद अलग अलग उत्पाद हैं।
28. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के अनुसार विचाराधीन उत्पाद से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु एडी नियमावली के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।
- घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति**
- घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**
29. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. आवेदक ने जुलाई, 2017 के बाद ओ-एसिड का आयात नहीं होने के संबंध में गलत घोषणा की है। बाजार आसूचना के अनुसार, आरती ड्रग्स अन्य व्यापारियों के ज़रिए ओ-एसिड का आयात कर रहा है।
- ख. आरती ड्रग्स द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगने के तीन वर्ष बाद भी ओ-एसिड की कोई व्यापारिक बिक्री नहीं हुई है। इस प्रकार, आरती ड्रग्स को ओ-एसिड के लिए घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है।

- ग. आरती ड्रग्स को ओ-एसिड/ओ-ईस्टर के लिए घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसने इसे कभी नहीं बेचा है और केवल आबद्ध खपत के लिए उत्पादन किया है।

घ.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

30. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. यह आवेदन मैसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। विचाराधीन उत्पाद को भारत में अनेक अन्य उत्पादकों द्वारा भी उत्पादित किया जाता है, जो केवल ओ-एसिड को ऑफलोक्सासिन में बदलते हैं। ये कंपनियां चीन जन.गण. से ओ-एसिड प्राप्त करती हैं। ओ-एसिड उत्पादों का आयात करने वाली कंपनियों को पात्र घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद के एक रूप का आयात कर रहे हैं। ओ-एसिड, जिससे ऑफलोक्सासिन का निर्माण होता है, पहले से ही आयातों में शामिल है और परिणामस्वरूप भारतीय खपत में शामिल है। इस प्रकार, आयातित ओ-एसिड से उत्पादित ऑफलोक्सासिन की बिक्री को शामिल करने से दोहरी गणना हो जाएगी और परिणामस्वरूप मांग की अनुचित मात्रा की गणना होगी।
- ख. आवेदक ने उन उत्पादकों का उत्पादन शामिल नहीं किया जो आयातित ओ-एसिड से ऑफलोक्सासिन का उत्पादन कर रहे हैं। इसके अलावा, आवेदक ने टीएफबीसीएल (2,3,4,5 – टेट्रा फ्लोरो बेंजाइल क्लोराइड), जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, से ऑफलोक्सासिन के उत्पादन पर विचार किया है जिसमें संबद्ध वस्तु का उत्पादन शामिल है और जिसका कुल भारतीय उत्पादन के निर्धारण के लिए भारत में कोई अन्य ज्ञात प्रयोग नहीं है।
- ग. आवेदक ने जुलाई, 2017 से पीओआई तक कोई आयात नहीं किया है। शुल्क समाप्त होने पर आयात कीमतों में इतनी अधिक गिरावट आई कि ओ-एसिड की आबद्ध खपत अव्यावहारिक हो गई। घरेलू उद्योग ने आवेदक की उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर पीओआई के बाद 40 टन का आयात किया।
- घ. घरेलू उद्योग ने ओ-एसिड बेचने का काफी प्रयास किया है। वास्तव में, जब इस उत्पाद के केवल पांच उपभोक्ता थे, तब भी घरेलू उद्योग ने इन उपभोक्ताओं को व्यक्तिगत बातचीत और अनेक विज्ञापनों के ज़रिए उत्पाद का प्रस्ताव किया है। तथापि, इन उपभोक्ताओं ने शुल्क की परिवर्चना हेतु तरीके ढूंढने का विकल्प चुना।
- ड. आवेदक के पास भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। आवेदक कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का “एक प्रमुख हिस्सा बनता है और इस प्रकार वह नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर पात्र घरेलू उद्योग है और यह आवेदन नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

31. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

32. यह आवेदन मैसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के किसी आयातक या निर्यातक से संबंधित नहीं है, और न ही उसने पीओआई के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पीओआई के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है। इस तर्क के संबंध में कि आवेदक ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में आयात जांच अवधि के बाद किए गए थे। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान आयात नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू

उद्योग की पात्रता पर विचार करने के लिए संगत हैं क्योंकि यही आयात कथित पाटन और क्षति के बीच ऐसे आयातों के संबंध की जांच करने के लिए संगत हो जाते हैं। इसलिए, प्राधिकारी आवेदक को नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उत्पादक मानते हैं।

33. संबद्ध वस्तु के विभिन्न अन्य उत्पादक नीचे सूचीबद्ध हैं:

- क. इनफिनिटी लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- ख. सरिनी फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- ग. श्रीपति फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड
- घ. नियूलैंड लैबोरेट्रीज लिमिटेड
- ड. बायोताविया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
- च. ओम फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज

34. तथापि, सभी अन्य उत्पादक मुख्यतः ओ एसिड, जो विचाराधीन उत्पाद का एक रूप है, का आयात कर रहे हैं। प्राधिकारी ने आयातित ओ एसिड से उत्पादित ऑफलोक्सासिन को छोड़कर स्थिति निर्धारित की है।

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन उत्पादकों, जो ऑफलोक्सासिन का उत्पादन करने के लिए विदेशी या घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से ओ-एसिड खरीद रहे हैं, के उत्पादन पर कुल भारतीय उत्पादन निर्धारित करते समय विचार करना अपेक्षित नहीं है। ऐसे उत्पादक जो ओ-एसिड का आयात कर रहे हैं और आयातित ओ-एसिड से ऑफलोक्सासिन का निर्माण कर रहे हैं, किसी भी तरह से विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं और इसलिए ऐसे उत्पादन को घरेलू उद्योग की पात्रता निर्धारित करने हेतु पात्र भारतीय उत्पादन नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा, ऐसे उत्पादकों, जो भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से ओ-एसिड खरीद रहे हैं और बाजार में ऑफलोक्सासिन बेच रहे हैं, के उत्पादन को पहले ही ऑफलोक्सासिन के उत्पादन में शामिल किया है और इसलिए उसे दोहरी गणना से बचने के लिए शामिल नहीं किया जा सकता है।

36. इस प्रकार, उक्त के मद्देनजर कुल घरेलू उत्पादन आबद्ध रूप से उत्पादित ओ-एसिड तथा टीएफबीसीएल (मूल कच्ची सामग्री) की खपत तथा ऑफलोक्सासिन में उसके परिवर्तन कारक के आधार पर किया गया है। रिकॉर्ड की सूचना के आधार पर यह नोट किया गया है कि आवेदक के पास कुल घरेलू उत्पादन का लगभग 85-95 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि यदि आयातित ओ-एसिड से उत्पादित ऑफलोक्सासिन के उत्पादन को शामिल किया जाए तब भी आवेदक का उत्पादन ऐसे कुल भारतीय उत्पादन को "एक प्रमुख हिस्सा" बना रहेगा।

37. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी मानते हैं कि मैसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड नियमावली के नियम 2(ख) अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और नियम 5(3) के अनुसार स्थिति संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता संबंधी मुद्दे

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

38. गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्न लिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. याचिका के अगोपनीय अंश से उसमें लगाए गए आरापों की तर्क संगत समझ नहीं मिल पा रही है।
- ख. घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और अधूरी याचिका प्रस्तुत की है। याचिका के खंड-VI (लागत सूचना) के उत्तर में, घरेलू उद्योग ने कोई भी सूचना नहीं दी है।
- ग. याचिकाकर्ता ने व्यापार सूचना 01/2013 दिनांक 9 दिसंबर, 2013 के उल्लंघन में वार्षिक रिपोर्ट के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है जबकि याचिकाकर्ता के लिए वार्षिक रिपोर्टें और तुलन-पत्र प्रदान करना अनिवार्य है।

- घ. भारत को संबद्ध वस्तु के उत्पादन और निर्यात में शामिल सभी कंपनियों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है, परिणामस्वरूप मूल्य श्रृंखला पूर्ण है और अलग-अलग मार्जिन और अलग-अलग मार्जिन निर्धारित किए जाने चाहिए।
- ड. सभी विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों ने व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुसार उत्तर प्रस्तुत किया है। संबद्धता, बिक्री और भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यात से संबंधित पूरी सूचना प्रस्तुत की गई है।
- च. मालसूची, आरएंडडी व्यय, बिक्री लागत, पीबीआईटी, ब्याज वित्त लागत आदि जैसे मापदंडों को प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि प्रश्नावली के नए प्रपत्र के अनुसार ऐसा करना अपेक्षित नहीं है। प्रतिवादियों ने पीयूसी के उत्पादन और बिक्री में संबंधित पक्षकार के शामिल होने संबंधी स्पष्ट प्रकटन भी किया है।

ड.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

39. गोपनीयता के संबंध में, घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. अधिसूचना सं. 10/2018 दिनांक 7 सितंबर, 2018 द्वारा जारी व्यापार सूचना के घोर उल्लंघन में सभी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग को प्राधिकारी के समक्ष अपने हितों की रक्षा से इतना अधिक रोका गया है कि प्रतिवादी निर्यातक उत्तरों के अगोपनीय अंश में संगत सूचना प्रकट करने में विफल रहे हैं।
- ग. विभिन्न संगत सूचना या तो गोपनीय बताई गई है या तर्कसंगत समझ बनाने के लिए उचित प्रपत्र में नहीं दी गई है। ये इस प्रकार हैं:
- कार्यनिष्पादन मापदंड।
 - संबंधित या असंबंधित उत्पादकों के नाम।
 - वितरण श्रृंखला बनाने वाले निर्यातक या व्यापारी।
 - सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में समायोजन।
 - संबंधित पक्षकारों से खरीदी गई कच्ची सामग्री या सुविधा, आपूर्तियों का ब्यौरा उनका उचित बाजार आदि।
 - कारपोरेट संरचना/विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन, बिक्री या खरीद में शामिल कंपनियों की सूची।
 - वित्तीय या संविदागत संबंध और संयुक्त उद्यम।
 - विनिर्माण प्रक्रिया।
 - प्रयुक्त कच्ची सामग्री।
- घ. आवेदक ने अपेक्षित अनुबंधों का अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराया है और पूरी खंड VI में एक लाइन का भी उत्तर नहीं है। इसके अलावा, अपेक्षित सूचना डीजीटीआर को बताई गई है और वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

40. गोपनीयता के संबंध में जांच की प्रक्रिया के दौरान आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों को प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत समझी गई सीमा तक नीचे जांच की गई है:
41. नियमावली के नियम 7 के तहत, सूचना की गोपनीयता के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान है:
- “गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

ख. उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

42. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा वार्षिक रिपोर्ट के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता संबंधी अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे के संबंध में यह नोट किया गया है कि आवेदक ने अपने गोपनीयता के तर्क संबंधी विवरण में वार्षिक रिपोर्ट के गोपनीय होने का दावा नहीं किया है। तथापि, यह नोटिस किया गया था कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रति, जिसके आवेदन के अगोपनीय अंश में संलग्न होने का दावा किया गया था, वास्तव में संलग्न नहीं की गई थी, परंतु बाद में ध्यान दिलाने पर सभी हितबद्ध पक्षकारों को वार्षिक रिपोर्ट देखने के लिए संगत लिंक प्रदान किया गया था। किसी भी तरह, वार्षिक रिपोर्ट में दी गई सूचना सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।
43. प्राधिकारी ने, जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश देने का निर्देश दिया गया था।
44. सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची उन सभी से इस अनुरोध के साथ डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी कि वे अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय अंश ई-मेल कर दें।

च. विविध अनुरोध

च. 1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

45. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किये गये हैं :

- क. लेवोफ्लोएक्सिन ओ एसिड, ओफ्लोएक्सिन ओ एसिड, ओफ्लोएक्सिन, लेवोफ्लोएक्सिन लेवो ओ- इस्टर, ओ- इस्टर के लिए एचएसएन कोड एक जैसे हैं और आयात आंकड़ों को इनमें शामिल हुए होंगे। उच्च समुद्रों पर, निर्यात उन्मुख इकाईयों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों द्वारा आयात की गई सामग्री को भी आयात आंकड़ों में शामिल किया जा सकता है।
- ख. आवेदक भारत में संपूर्ण घरेलू मांग की पूर्ति नहीं कर सकता है। आवेदक ने स्वयं इनफिनिटी से ओफ्लोएक्सिन खरीदा।
- ग. आरती ड्रग्स लिमि. द्वारा ओ-एसिड के लिए दिए गए नमूने उनके द्वारा दिये गये विनिर्देशों के अनुसार असफल हो गये हैं।
- घ. चीन पर निर्भरता ओ-एसिड/ ओ-इस्टर पर शुल्क लगाये जाने से कम नहीं होगी। अनेक कच्चे माल हैं जिनका आयात अभी भी चीन से किया जायेगा जैसे टेट्रा फ्ल्यूरो बेनजोयल क्लोराइड (टी एफ बी सी), एक्रिलेटल, डाई-एलानिनो, डीएमएफ आदि।
- ङ. आयात किये गये ओ-एसिड से ओफ्लोएक्सिन के उत्पादन में लगभग 4 कच्चे मालों का आयात अपेक्षित होगा जबकि आवेदक द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया के माध्यम से ओफ्लोएक्सिन के उत्पादन में चीन से 9 कच्चे माल का आयात अपेक्षित है।
- च. इनर मंगोलिया यूआन हाँग फाइन केमिकल कं. लिमि. वर्तमान में ओ-एसिड का न केवल सबसे बड़ा उत्पादक है बल्कि टेट्रा फ्ल्यूरो बेनजोयल क्लोराइड (टी एफ बी सी) का सबसे बड़ा निर्माता भी है। ओ-एसिड से हानि के फलस्वरूप टेट्रा फ्ल्यूरो बेनजोयल क्लोराइड (टी एफ बी सी) की कीमतों में बहुत अधिक वृद्धि होगी। चीन में एक अन्य निर्माता ने भी टी एफ बी सी की कीमतों में वृद्धि की है। टेट्रा फ्ल्यूरो बेनजोयल क्लोराइड (टी एफ बी सी) की कीमतों में पाटनरोधी जांच शुरू किये जाने की खबर से लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- छ. इतने लाभ दिये जाने के बावजूद ओफ्लोएक्सिन के लिए पी एल आई भारत में कच्चे मालों की वर्तमान उपलब्धता नहीं होने के प्रमुख कारण से असफल रहा। किसी भी आवेदक को ओफ्लोएक्सिन के लिए पी एल आई योजना के लिए अनुमोदन नहीं मिला है जबकि क्योंकि वे भारत में 70 प्रतिशत लागत कीमत होने की अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं।

च. 2. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

46. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किये गये हैं :

- क. मूल्यवर्धन संबंधी तर्क गलत और भ्रामक है। प्राधिकारी ने पहले यह निर्धारित किया है कि ओ-एसिड की लागत ओफ्लोएक्सिन की कुल लागत का 85 प्रतिशत होता है, इसके अलावा, मूल्यवर्धन 0-10 प्रतिशत के दायरे में है।
- ख. डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों को रसायनिक नामों जैसे "ओफ्लोएक्सिन; ओफ्लोएक्सिन क्यू-एसिड; ओफ्लोएक्सिन आईपी/ यू एस पी; ओफ्लोएक्सिन इस्टर" के आधार पर अलग-अलग किया गया है।
- ग. आवेदक के पास मांग पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। आवेदक ने किसी भी पक्षकार से ओफ्लोएक्सिन की खरीद नहीं की है। मैसर्स पिनाकल लाइफ साइंस प्रा. लिमि., आवेदक का एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जो अपने व्यापार को चलाने के सभी पहलुओं में स्वतंत्र रूप से कार्य करता है, ने इनफिनिटी से *** टन ओफ्लोएक्सिन की खरीद की है।
- घ. नियंत्रण नमूनों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वे विनिर्देशों के अनुसार और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किये गये विनिर्देशों के अनुसार थे। ओफ्लोएक्सिन एसिड में ज्ञात अथवा अज्ञात अशुद्धताएं सीमाओं के भीतर हैं और वे अंतिम उत्पाद फार्मासोपिया विनिर्देशों का पालन करते हैं।
- ङ. चीन पर निर्भरता पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद कम हो जायेगी क्योंकि आवेदक के पास टी एफ बी सी का निर्माण करने के लिए तकनीक है तथा उसकी योजना इसका निर्माण इनहाउस में करने का है, एन एम पी अब स्थानीय रूप से उपलब्ध है, डीएल-अलानिनोल का आयात जर्मनी से किया जा रहा है। इस प्रकार, एकमात्र सामग्री जिसके लिए भारतीय उत्पादकों को चीन पर निर्भर करना पड़ेगा वह एक्रिलेट है।
- च. प्राधिकारी को मदों की संख्या के विरुद्ध मूल्यवर्धन पर जोर देना चाहिए। कुल कच्चे माल की लागत जांच की अवधि के दौरान *** लाख रूपए थी जबकि अन्य कच्चे मालों के कारण मूल्य *** लाख रूपए थी।
- छ. ओ-एसिड पर पाटनरोधी जांच के कारण टी बी एफ सी कीमतों में अविवेकपूर्ण वृद्धि पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के लिए सबसे बड़ा औचित्य है। न केवल यह एकाधिकारवादी दृष्टिकोण को दर्शाता है बल्कि यह एक खतरा भी है और यह तथ्य कि चीन के उत्पादकों की कीमतें लागत से प्रभावित नहीं होती है बल्कि अवसर से प्रभावित होती हैं।
- ज. मैसर्स श्रीपथी फार्मास्युटिकल लिमि. और मैसर्स ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर प्रा. लिमि. ने पी एल आई योजना के अंतर्गत लाभ के लिए आवेदन किया है और उस पर विचार किया गया है तथा उसे स्वीकार कर लिया गया है।
- झ. आवेदक 80 से अधिक उत्पादों का उत्पादन करता है लेकिन केवल 3 उत्पादों के लिए व्यापार उच्चात्मक उपायों के माध्यम से राहत की मांग की है।

च. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

47. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये सभी विविध अनुरोधों को नोट किया है और उसकी जांच निम्नानुसार की है:

- क. इस अनुरोध के संबंध में की आयात आंकड़ों में समान एच एस एन कोड के कारण विचाराधीन उत्पाद को छोड़कर अन्य उत्पाद शामिल किये गये होंगे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस से लेन-देनवार आयात आंकड़े उत्पाद विवरण के आधार पर अलग किये गये हैं और विचाराधीन उत्पाद का इस प्रकार अलग किये गये आयात आंकड़ों पर वर्तमान जांच के उद्देश्य से विचार किया गया है।
- ख. इस अनुरोध के संबंध में की आवेदक भारतीय मांग को पूरा नहीं करता है, प्राधिकारी ने आवेदक के पास उपलब्ध क्षमता की जांच की है और यह नोट किया है कि आवेदक के पास समग्र भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। इसके अलावा, एक अन्य उत्पादक भी है जिसने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया है। किसी भी मामले में, मांग आपूर्ति में अंतर पाटन को न्यायोचित नहीं ठहराता है। पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने से उचित कीमतों पर आयात ही सुनिश्चित करना होता है न कि अपने आप में आयात को रोकना नहीं होता है।
- ग. कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये इस अनुरोध के संबंध में कि किसी भी भारतीय उद्योग ने स्थानीय मात्रा की आवश्यकता को पूरा नहीं करने के कारण पी एल आई योजना के अंतर्गत अनुमोदन प्राप्त किया है जिसका अर्थ यह है कि भारत में उत्पादक चीन से आयात किये गये कच्चे माल पर निर्भर है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच संबद्ध वस्तुओं के पाटन को रोकने के लिए है और यह इस जांच के लिए महत्वपूर्ण नहीं है कि क्या आवेदक कुछ नये कच्चे मालों के लिए चीन पर निर्भर है या नहीं। किसी भी मामले में यह प्रयास किया जाना चाहिए कि विशेष रूप से फार्मास्युटीकल क्षेत्र में देश को अधिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए कच्चे माल के पाटन को नियंत्रित किया जाये।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

48. धारा 9क) 1)(ग) (के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम)6 (के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा)6 (के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा
- (ख) उपधारा)6 (के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

छ. 1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

49. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नानुसार अनुरोध किया गया है :

- क. 3 विचाराधीन उत्पादों के लिए औसत सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति रहित कीमत सटीक नहीं हैं और अप्रतिनिधिक हैं। अलग अलग समीक्षा जांच पृथक रूप से प्रत्येक उत्पाद के वस्तुनिष्ठ जांच और प्रतिनिधिक जांच परिणाम की अनुमति दी होती।

- ख. ओ-एसिड की निर्यात कीमत की तुलना ओफ्लोएक्सिन के सामान्य मूल्य और एन आई पी से नहीं की जा सकती है क्योंकि ओ-एसिड की लागत ओफ्लोएक्सिन से कमतर है।
- ग. चीन के आरोहण नवाचार की धारा 15 के अनुसार 11 दिसंबर, 2016 के बाद एनएमई के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। सामान्य मूल्य की गणना पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2 के अनुसार की जानी चाहिए। प्राधिकारी को कम से कम सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपने उत्तरों में कंपनी द्वारा दी गई लागतों और कीमत संबंधी आंकड़ों को लागू करना चाहिए।
- घ. घरेलू उद्योग निर्यात कीमत में कटौती के संबंध में कोई भी साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा पाया है।

छ. 2. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

50. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नानुसार अनुरोध किया है :

- क. प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 1 से 6 का पालन तभी करना चाहिए जब उत्तर देने वाली चीन की कंपनियां यह दर्शाने में सक्षम हो सकें कि उनकी लागतों और कीमतों को लिया जा सकता है। प्राधिकारी को चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के वास्ते इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 का अनुपालन करना चाहिए।
- ख. घरेलू उद्योग बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं की कीमतों अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित किसी अन्य देश में कीमतों के संबंध में सूचना प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहा है क्योंकि भारत और चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश नहीं है जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करता है।
- ग. सामान्य मूल्य की गणना उचित समायोजनों के साथ भारत में वास्तव में भुगतान किये जाने योग्य कीमत के आधार पर की गई है।
- घ. संबद्ध देश से आयातों का पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।
- ङ. ओफ्लोएक्सिन और इसके मध्यवर्तियों की लागत और कीमत में अंतर को देखते हुए, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण पृथक रूप से किया जा सकता है। हालांकि, उसके बाद प्राधिकारी को कानून और विगत में स्थापित कार्यपद्धति पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद के लिए भारत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करना चाहिए।

छ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

51. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने के लिए उन्हें सलाह देते हुए प्रश्नावली भेजी थी। निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत कर जांच में सहयोग किया है :

- क. मैसर्स अनहुई कम्पाउण्ड्स फार्मास्युटीकल कं. लिमि. (उत्पादक)
- ख. मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (निर्यातक)
- ग. मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनान) कॉर्पोरेशन (निर्यातक)
- घ. मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मासिटिकल कं., लिमि. (उत्पादक)
- ङ. मैसर्स इनर मोंगोलिया यूनहांग फाइन केमिकल कं. लिमि. (उत्पादक)
- च. मैसर्स झेजियांग मेडेसिन्स एंड हेल्थ प्रॉडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लिमि. (निर्यातक)
- छ. मैसर्स झेजियांग एपेलो कॉंग्यू फार्मासिटिकल कं. लिमि. (उत्पादक)

सामान्य मूल्य का निर्धारण

52. डब्ल्यू टी ओ में चीन के एक्सेशन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार व्यवस्था है: "जी ए टी टी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य करार, 1994 ("पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद- VI, का कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों में शामिल कार्यवाही में निम्नलिखित के संगत लागू होगा :

- (क) जीएटीटी, 1994 के अनुच्छेद- VI, और पाटनरोधी करार के अंतर्गत कीमत तुलनीयता के निर्धारण में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:
- (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए लागू नहीं हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज्य हायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखा जाए कि चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों के उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को समायोजित करना चाहिए।
- (ग) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी प्रक्रिया समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को सब्सिडी तथा प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति को अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयातक डब्ल्यू टी ओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत चीन के एक बार बाजार अर्थव्यवस्था सिद्ध हो जाने पर, उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) के प्रावधान समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में एक्सेशन की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान एक्सेशन की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे। "

53. यह नोट किया जाता है कि जबकि अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं। एक्सेशन प्रोटोकालो के अनुच्छेद 15 (क) (i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अंतर्गत प्रावधान में इस नियमावली के अनुबंध। के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के संबंध में पूरक प्रश्नावली में दी गई सूचना/ आंकड़ों के माध्यम से पूरा किया जाना अपेक्षित है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन. गण. के उत्तर देने वाले उत्पादक/ निर्यातक ने निर्धारित रूप में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य का परिकलन इस नियमावली के अनुबंध। के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।
54. प्राधिकारी सेनयांग मस्तसूशिता एस. बैट्री कं. लिमि. बनाम मैसर्स एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमि. (सिविल अपील सं. 617112003 दिनांक 23/12/2005), गुहावटी उच्च न्यायालय में मैसर्स सेंचुरी पोलीबोर्ड्स (इं.) लिमि. एंड अन्य बनाम भारतीय संघ एवं टीयूआर (याचिका सं. 6568/2017 दिनांक 4/10/2018) एवं सिस्टेट, प्रधान पीठ, नई दिल्ली में अपोलो टायर्स लिमि. बनाम भारतीय (याचिका सं. सी1768, 600, 601, 773, 769/2005-एडी-

दिनांक 9/9/2005), कुटून जिनजियांग, केमिकल इंडस्ट्री कं. लिमि. बनाम भारतीय संघ (याचिका सं. 52291 का 2019 दिनांक 5 अगस्त, 2020) में निहित एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के मामले में सामान्य मूल्य संरचित करने के संबंध में मौजूदा न्यायशास्त्र को भी नोट करते हैं। ये निर्णय उपयुक्त विकल्प और उसके संबद्ध दायित्वों के विकल्प के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के कार्यान्वयन के संबंध में निदेश देते हैं।

55. चूंकि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक ने पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है। पैरा 7 सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पदानुक्रम का निर्धारण करता है और यह प्रावधान करता है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य या भारत सहित किसी अन्य देश में ऐसे तीसरे देश से कीमत के आधार पर किया जायेगा अथवा जहां यह संभव नहीं हो, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यक होने पर विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर निर्धारित किया जायेगा।
56. जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक उपयुक्त पद्धति का निर्धारण करने के लिए किये गये अनुरोधों पर विचार किया। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यह बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं की कीमतों अथवा भारत सहित किसी अन्य देश में ऐसे देश से कीमतों के संबद्ध में सूचना प्राप्त करने में सक्षम नहीं था क्योंकि भारत और चीन जन. गण. के अलावा मुश्किल से कोई देश है जो संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है।
57. घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्च तथा उचित लाभ मार्जिन के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य संरचित करने के लिए बाध्य हैं।

निर्यात कीमत का निर्धारण

I. मैसर्स अनहुई बायो कम्पाउण्ड्स फार्मासिटिकल कं. लिमि. मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, और मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनन) कॉर्पोरेशन

58. मैसर्स अनहुई बायो कम्पाउण्ड्स फार्मास्युटिकल कं. लिमि. ("अनहुई बायो कम्पाउण्ड") उत्पादक है और इसने मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, और मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनन) कॉर्पोरेशन। मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, और मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनन) कॉर्पोरेशन भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनन) कॉर्पोरेशन के माध्यम से भी निर्यात किया है। इन तीनों कंपनियों अर्थात् मैसर्स अनहुई बायो कम्पाउण्ड्स फार्मासिटिकल कं. लिमि. मैसर्स चाइना सिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, और मैसर्स सिनोफार्म हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी (हेनन) कॉर्पोरेशन ने निर्यातक के लिए निर्धारित प्रश्नावली के प्रपत्र में संगत सूचना उपलब्ध कराई है।
59. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान मैसर्स अनहुई बायो कम्पाउण्ड्स फार्मास्युटिकल कं. लिमि. ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया है और भारत में असंबद्ध ग्राहकों को *** मी. ट. संबद्ध वस्तु (ओ-एसिड) का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े हैण्डलिंग और सीमा शुल्क प्रभारों, बीमा, क्रेडिट लागत और बैंक शुल्कों के प्रति समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातक द्वारा किया गया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। तदनुसार, निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे दी गई पाटिन मार्जिन तालिका में दर्शाये गये अनुसार एक्स-फैक्ट्री स्तर पर किया गया है।

II. मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मासिटिकल कं. लिमि.

60. मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मासिटिकल कं. लिमि. ओफ्लोएक्सिन का उत्पादक है और इसने जांच की अवधि के दौरान प्रत्यक्ष रूप से भारत को ओफ्लोएक्सिन का निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान *** मी. ट. का केवल एक खेप भेजी है। इसके अलावा, मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मासिटिकल कं. लिमि. द्वारा निर्यात किये गये ओफ्लोएक्सिन की यूनिट कीमत संगत अवधि के दौरान अन्य उत्पादकों द्वारा निर्यात किये गये ओफ्लोएक्सिन की निर्यात कीमत की तुलना में बहुत अधिक पायी गया है। निर्यातक ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उसकी उपयुक्तता अथवा मात्रा या कीमत के संबंध में कोई अनुरोध

नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक विशेष रूप से उन स्थितियों में जब मात्रा बहुत कम हो और बीजक की कीमत बहुत अधिक हो, निर्यात कीमत की उपयुक्तता सिद्ध करने के दायित्व के अधीन नहीं है। इन कारकों पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्पादक को अलग अलग पाटिन मार्जिन मंजूर करना उपयुक्त नहीं होगा।

iii मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कं. लिमि., और मैसर्स झेजियांग मेडीसिन्स एंड हेल्थ प्रॉडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं., लिमि.

61. मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कं. लिमि. संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और इसने मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मासिटिकल कं. लिमि. मेडिस्टन एंड हेल्थ प्रॉडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। दोनों कंपनियों अर्थात् मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कं. लिमि., और मैसर्स झेजियांग मेडीसिन्स एंड हेल्थ प्रॉडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं., लिमि. ने निर्यातक की निर्धारित प्रश्नावली प्रपत्र में संगत सूचना उपलब्ध कराई है।
62. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कं. लिमि., ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया है और भारत में असंबद्ध ग्राहकों को *** मी. ट. संबद्ध वस्तु (ओ-एसिड) का निर्यात किया है। ये सभी निर्यात भारत में असंबद्ध ग्राहकों को किये गये थे। अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े हैण्डलिंग और सीमा शुल्क प्रभारों, बीमा, क्रेडिट लागत और बैंक शुल्कों के प्रति समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातक द्वारा किया गया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा जहां कहीं भी लागू हो दी गई है। तदनुसार, निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे दी गई पाटिन मार्जिन तालिका में दर्शाये गये अनुसार एक्स-फैक्ट्री स्तर पर किया गया है।

iv मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड

63. मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड उत्पादक है और उसने भारत को सीधे खरीदी गई ओ-एसिड से बनी संबद्ध वस्तु (ऑफ्लोक्सासिन) का निर्यात किया है। मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड ने विहित निर्यातक प्रश्नावली प्रपत्र में संगत सूचना प्रस्तुत की है।
64. इस उत्तर को अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन के स्तर पर स्वीकृत नहीं किया गया था। तथापि, प्रकटन विवरण के पश्चात् निर्यातक ने संगत दस्तावेज और सूचना दी थी। अतः प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के उसके उत्तर में प्रदत्त सूचना तथा प्रकटन विवरण जारी होने के बाद प्रस्तुत सूचना का मूल्यांकन किया है और उचित समायोजन करने के बाद उसे स्वीकार किया है। यह नोट किया गया है कि कंपनी बाजार से ओ-एसिड खरीदती है, ऑफ्लोक्सासिन का उत्पादन करती है और उसे बाजार में बेचती है। इसके अलावा, उत्पादक/निर्यातक द्वारा अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, समलाई और सीमा शुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया है और प्राधिकारी ने जहां लागू हो, उनकी अनुमति दी है। तदनुसार, कारखानाद्वारा स्तर पर निर्धारित निर्यात कीमत को नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	उत्पादक	एनईपी यूएसडॉ./कि.ग्रा.	एनवी यूएसडॉ./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	रेंज
1.	मैसर्स अनहुई बायोकेम्पाउंड्स फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	25-35
2.	मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
3.	मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
4.	अन्य सभी	***	***	***	***	30-40

ज. क्षति के निर्धारण और क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण के लिए पद्धति**ज. 1. अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा किये गये अनुरोध**

65. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किये गये थे :

- क. क्षति की गणना पृथक् रूप से की जानी चाहिए क्योंकि ओफ्लोएक्सिन, ओ-एसिड और ओ-इस्टर एक दूसरे के लिए प्रतिस्थानापन नहीं हैं।
- ख. आरती ड्रग्स द्वारा उत्पादन किया गया ओ-एसिड चीन के ओ-एसिड से तुलनीय नहीं हैं। इसके अलावा, ओफ्लोएक्सिन के विपरीत ओ-एसिड का प्रक्षेप करने के लिए कोई निर्धारित मानदंड नहीं है। उचित तुलना में ओ-एसिड के लिए विनिर्देश का निर्धारण अपेक्षित है।
- ग. आवेदक ने अपने तुलन पत्रों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2019-20 में 175 करोड़ रुपए और वित्तीय वर्ष 2020-21 में 338 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। लाभ में 93 प्रतिशत तक वृद्धि हुई जबकि राजस्व में वृद्धि केवल 15 प्रतिशत है।
- घ. ओ-एसिड की कीमत ओफ्लोएक्सिन की कीमत की तुलना में सापेक्ष रूप से कमतर है। ओफ्लोएक्सिन की निवल बिक्री प्राप्ति और एन आई पी के साथ ओ-एसिड की आयात कीमत की तुलना कीमत में सकारात्मक कटौती और कम कीमत पर बिक्री को दर्शायेगा। हालांकि, इस प्रकार की तुलना उचित नहीं है।
- ङ. घरेलू उद्योग ओ-एसिड पर शुल्क लगाने की मांग नहीं कर सकता है और ओ-एसिड के आयातों के कारण वास्तविक क्षति का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग ने ओ-एसिड की कोई मर्चेट बिक्री नहीं की है।
- च. ओ-एसिड का बहुत अधिक आयात हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग मात्र कैप्टिव खपत के लिए उसका उत्पादन कर रहा है। भारत में आयात किये गये ओफ्लोएक्सिन की मात्रा बहुत अधिक नहीं है और यह घरेलू उद्योग को कोई कथित क्षति नहीं पहुंचा सकता है।
- छ. संबद्ध देश से आयात की मात्रा में जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक गिरावट हुई। घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा, बाजार हिस्सा, क्षमता और उत्पादन में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन यह संसूचित करता है कि उन्हें चीन जन. गण. से आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हो रही है।
- ज. बढ़ती हुई माल सूची को क्षति का संसूचक के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि यह केवल घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि का प्रत्याशित परिणाम है।
- झ. कीमत में कटौती क्षति की अवधि में सबसे कम थी और पहुंच कीमत जांच की अवधि के दौरान सबसे अधिक थी।
- ञ. संबद्ध आयातों का कोई मात्रा संबंधी प्रभाव नहीं है।
- ट. कीमत में नकारात्मक कटौती यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग आयात कीमत से कमतर कीमत पर अपनी वस्तुओं की बिक्री कर रहा है।
- ठ. घरेलू उद्योग बाजार में ओ-एसिड/ इस्टर की बिक्री नहीं कर रहा है। कैप्टिव खपत के लिए अंतरण कीमत निर्धारण पर विचार अवश्य किया जाना चाहिए था जिसे क्षति पहुंचाने के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है। कीमत में कोई क्षति नहीं हुई है।
- ड. कारणात्मक संबंध का पता लगाने के लिए गैर-उत्तरदायी कारकों की जांच करने की आवश्यकता है।
- ढ. आयात भारतीय मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक थे क्योंकि घरेलू उद्योग डाउनस्ट्रीम उत्पाद अर्थात ओफ्लोएक्सिन में प्रतिस्पर्धा समाप्त करने के लिए ही बाजार में ओ-एसिड की बिक्री नहीं कर रहा था।
- ण. यह दावा कि यदि पाटनरोधी शुल्क ओफ्लोएक्सिन पर न कि ओ-एसिड अथवा इस्टर पर लगाया जाता है तब ओफ्लोएक्सिन गैर-अर्थक्षम हो जायेगा, सही नहीं है क्योंकि इन्फिनिटी ओ-एसिड का आयात करने के बाद ओफ्लोएक्सिन का निर्माण कर रहा है और फिर भी पूरे विश्व में सभी निर्माताओं से प्रतिस्पर्धा

कर रहा है और लाभ अर्जित कर रहा है और किसी मुद्दे का सामना नहीं कर रहा है और इसने प्रतिस्पर्धी कीमत पर इसे उपलब्ध कराकर भारत में चीन की ओफ्लोएक्सिन निर्भरता को कम ही किया है।

- त. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका की जांच करने के बाद वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में प्रथमदृष्टया साक्ष्य भी नहीं पाया है। इस कारण से, वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में घरेलू उद्योग का दावा अतिरेक है।

ज. 2. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

66. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किये गये थे :

- क. क्षति की जांच क्षति की अवधि के अधिकांश हिस्से के लिए लागू शुल्क के मौजूद रहने के तथ्य के आलोक में किया जाना चाहिए। जबकि एसिड (और इस्टर) पर शुल्क जुलाई 2020 तक लागू था, ओफ्लोएक्सिन पर शुल्क मार्च 2021 तक लागू था। वास्तविक क्षति और आगे वास्तविक क्षति का खतरा देखने लायक है यदि जांच की अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के बीच तुलना की जाती है जब ओ-एसिड पर कोई शुल्क लागू नहीं था।
- ख. पाटनरोधी शुल्क जुलाई 2017 से संबद्ध देश से ओ-एसिड पर और मार्च 2018 से ओफ्लोएक्सिन के आयातों पर था। यह शुल्क ओ-एसिड पर जुलाई 2020 तक लागू था और ओफ्लोएक्सिन पर शुल्क जांच की पूरी अवधि के लिए मौजूद था। ओ-एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के तत्काल बाद, संबद्ध आयातों में पूर्व वर्ष की तुलना में 2019-20 में 20 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और आगे 2019-20 से जांच की अवधि में 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई।
- ग. माहवार आयात सारांश स्पष्ट रूप से ओ-एसिड पर पाटनरोधी शुल्क के तत्काल बाद ओ-एसिड के आयातों में बहुत अधिक वृद्धि को दर्शाता है। आयातों में पूर्ण रूप में तथा उत्पादन और खपत दोनों की तुलना में वृद्धि हुई है।
- घ. ओ-एसिड के आयातों की पहुंच कीमत न केवल घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है बल्कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत के स्तर से भी कम है। ओफ्लोएक्सिन की आयात कीमत भी घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इस प्रकार, आयात के कारण घरेलू कीमतों में बहुत अधिक हद तक कटौती हो रही है।
- ड. यह कटौती लागू शुल्कों के साथ नकारात्मक थी क्योंकि जैसे ही ओ-एसिड पर शुल्क का समय समाप्त हुआ, कीमत में कटौती सकारात्मक हो गई। जांच की अवधि में अधिकांश आयात ओ-एसिड के हुए हैं। बिक्री की लागत में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई जबकि बिक्री कीमत में 2019-20 तक वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि में गिरावट आई। पूर्व में पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के साथ, घरेलू उद्योग बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम था। हालांकि, ओ-एसिड पर शुल्क समाप्त होने के साथ, जांच की अवधि में, आयातों में पाटित कीमतों पर वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग बिक्री की लागत में वृद्धि के स्तर तक अपनी कीमतें बढ़ाने में सक्षम नहीं था।
- च. ओ-एसिड की मासिक बिक्री कीमत में गिरावट आई और उसी समय अवधि में, ओफ्लोएक्सिन की कीमत में भी गिरावट आई। ओ-एसिड की आयात कीमत में गिरावट का ओफ्लोएक्सिन की कीमतों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है जिसके फलस्वरूप घरेलू बाजार में ओफ्लोएक्सिन की बिक्री कीमत में गिरावट आई। चूंकि, घरेलू उद्योग को ओफ्लोएक्सिन की इन कमतर बिक्री से प्रतिस्पर्धा करनी थी इसलिए यह जांच की अवधि के दौरान कीमतों को कम करने के लिए विवश था।
- छ. उत्पादन, बिक्री, क्षमता का उपयोग, मांग में बाजार हिस्से में पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है।
- ज. घरेलू उद्योग ने ओ-एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के ठीक बाद जांच की अवधि में बहुत अधिक बिक्री मात्रा खोयी है। बिक्री की मात्रा 2019-20 में *** मी. ट. से घटकर जांच की अवधि में *** मी. ट. हो गया। इस प्रकार, मालसूची में वृद्धि घरेलू उद्योग को क्षति का एक कारक है।

- झ. ओ-एसिड की आयात कीमत में गिरावट के फलस्वरूप घरेलू बाजार में ओफ्लोएक्सिन की बिक्री कीमत में गिरावट आई। चूंकि घरेलू उद्योग को ओफ्लोएक्सिन की इन कमतर बिक्री कीमत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी इसलिए यह जांच की अवधि के दौरान कीमतों को कम करने के लिए विवश था।
- ञ. कैप्टिव बिक्री कीमत पर विचार घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की गणना करने के लिए की गई है। आवेदक लागतों पर ओ-एसिड का अंतरण करते हैं। इसके अलावा, आवेदक ने ओ-एसिड की कुछ बिक्री भी की है और ऐसी बिक्री पर सूचना भी दी गई है।
- ट. अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं हुआ है। इसके अलावा, मांग में भी बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है।
- ठ. बिक्री की लागत में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई जबकि बिक्री कीमत में 2019-20 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच की अवधि में गिरावट आई। ओ-एसिड की आयात कीमत में गिरावट का ओफ्लोएक्सिन की कीमतों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है।
- ड. उत्पादन, क्षमता का उपयोग और बिक्री में 2019-20 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक गिरावट आई है।
- ढ. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से 2019-20 तक वृद्धि हुई, हालांकि उसमें जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक गिरावट आई। संबद्ध देश के बाजार हिस्से में 2019-20 की तुलना में जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक प्रायः 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई।
- ण. घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में शुल्कों को लगाये जाने के साथ सुधार हुआ। हालांकि, जांच की अवधि में ओ-एसिड पर शुल्कों के समाप्त होने के साथ, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद लाभ, पी बी आई टी और आर ओ आई जिसमें 2019-20 तक सुधार हुआ, जांच की अवधि में तेजी से गिरावट आई।
- त. माल सूची में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई और उसमें आधार वर्ष से तुलना किये जाने पर जांच की अवधि में 800 प्रतिशत से अधिक तक वृद्धि हुई।
- थ. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, लाभ और माल सूची जैसे अधिकांश मानदंडों में वृद्धि जांच की अवधि में नकारात्मक थी।
- द. घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि की है और अब वे उसका पूर्ण रूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इससे आगे कोई पूंजी निवेश जुटाने की इसकी क्षमता प्रभावित होगी।
- ध. घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा पेशकश की गई कीमतों में बहुत अधिक अंतर है। घरेलू उद्योग भारत में पर्याप्त मांग के बावजूद बिक्री की अवसर को खोया जो संबद्ध देश से पाटित आयातों का प्रत्यक्ष परिणाम है।
- न. हानि में वृद्धि, लगाई गई पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल और नकद हानि प्रत्यक्ष रूप से पाटित आयातों का परिणाम है।
- प. उत्पादन और बिक्री में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण मांग में वृद्धि और उपयोग न की गई क्षमता के बावजूद गिरावट आई है।
- फ. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद की निम्नतर गुणवत्ता का दावा करने के लिए बिना सक्षय के केवल बयान दिया है। घरेलू उद्योग ओफ्लोएक्सिन का प्रमुख उत्पादक है और उसके लिए ओ-एसिड का उत्पादन इन हाउस किया जाता है। यह अपने आप में इस उत्पाद की गुणवत्ता की गारंटी देता है।
- ब. राजस्व और लाभप्रदता के बीच कोई प्रत्यक्ष सह-संबंध नहीं है। लाभ संबंधी आंकड़े वार्षिक रिपोर्ट से सकल स्तर पर उद्धृत किये गये हैं और वह केवल संबद्ध वस्तुओं के प्रदर्शन पर आधारित नहीं हैं।
- भ. कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री और पाटन मार्जिन के उद्देश्य से तुलना उत्पाद प्रकारों की लागत को ध्यान में रखते हुए पृथक् रूप से किया जा रहा है।

- म. ओ-एसिड का भारत में पर्याप्त मात्रा में आयात किया जा रहा है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क जुलाई 2020 से ओ-एसिड समाप्त हो गया। भारत में आयात किये गये ओफ्लोएक्सिन की मात्रा मार्च 2021 तक पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के कारण कम है।
- य. घरेलू उद्योग को क्षति बहुत स्पष्ट है जब उसे पूर्व में लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों की पृष्ठभूमि से और उसके साथ ही विभिन्न चरणों में चीन के पाटित उत्पादों की निरंतर मौजूदगी से देखा जाये।
- कक. ओ-एसिड पर शुल्क लगाये जाने के साथ, निर्यातक ने ओ इस्टर को पाटित कर प्रवचना करना शुरू कर दी। उसके बाद जैसे ही शुल्क समाप्त हुआ, ओ-एसिड के आयात कम कीमत पर होना शुरू हो गया जिसके कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ा। बिना शुल्क के आयातों के इस संचलन और घरेलू उद्योग पर सदृश्य प्रभाव घरेलू उद्योग पर आयातों की अधिकारक प्रभाव को दर्शाता है।
- खख. चीन सक्रिय फार्मासिटिकल (ए पी आई) के भारत के आयातों का 68 प्रतिशत और कुछ दवाओं के लिए 100 प्रतिशत इनपुट्स के करीब करता है। यह अत्यधिक निर्भरता इस वर्ष के आरंभ में एक बड़ी समस्या हो गई जब चीन के अनेक दवा फैक्ट्रियां कोविड-19 महामारी के कारण बंद हो गई थी। कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई और भारत को दर्जनों संघटकों और दवाओं जो उनका उपयोग करते हैं जिसमें कुछ साझा एंटीबायोटिक है, शामिल है के निर्यात पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाना पड़ा था।

ज. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

67. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रतितर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे किये गये क्षति संबंधी विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों का समाधान करता है।
68. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध - II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए" घरेलू उद्योग की क्षति को दर्शाते वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय, इस बात की जांच करने के लिए कि भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में दबाव पड़ता अथवा कीमत में वृद्धि बहुत अधिक मात्रा में रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक हद तक हुई होती माना गया। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इस उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकांकों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, माल सूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार और मार्जिन आदि पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के अनुसार विचार किया गया है।
69. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किये गये अनुरोधों पर विचार किया है और उस पर रिकार्ड पर तथ्यों और लागू कानूनों पर विचार करते हुए विश्लेषण किया है। नीचे क्षति संबंधी किया गया विश्लेषण वास्तव में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों का समाधान करता है।
70. निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क दिनांक 15 मार्च, 2018 की अधिसूचना के माध्यम से ओफ्लोएक्सिन और दिनांक 12 मार्च, 2018 की अधिसूचना के माध्यम से ओ एसिड पर लगाये गये थे और ये शुल्क केवल 3 वर्षों के लिए ही लागू थे। ओ एसिड पर शुल्कों को लगाये जाने के फलस्वरूप अंतिम से पूर्व चरण का उत्पाद, ओ इस्टर के आयातों के द्वारा उत्पादकों द्वारा प्रवचना हुई। इस प्रकार, ओ एसिड पर लगाया गया पाटनरोधी शुल्क का विस्तार ओ इस्टर के लिए भी किया गया था। ओ एसिड और ओ इस्टर पर शुल्क की समय सीमा जुलाई 2020 में समाप्त हो गई। यहां नीचे क्षति की जांच इस पृष्ठभूमि पर विचार कर शुरू की गई थी।
71. यह भी नोट किया जाता है कि कोविड-19 महामारी द्वारा प्रभावित अप्रैल – जून 20 तिमाही को शामिल करते हुए जांच की अवधि के बावजूद, अन्य उद्योगों के विपरीत घरेलू उद्योग "आवश्यक उद्योग" श्रेणी के अंतर्गत आवेदक घरेलू उद्योग के आने के कारण महामारी की वजह से प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुआ था और इसके

परिणामस्वरूप उसे कोविड अवधि के दौरान बंद नहीं करना पड़ा था। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन पर कोविड-19 महामारी का कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ा था।

I. मांग का आकलन/ स्पष्ट खपत

72. वर्तमान जांच के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में भारत में संबंधित उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है।

भारत में मांग	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	165	137
अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री	मी. ट.	-	-	-	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	100
संबद्ध देश चीन से आयात	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	29	21	37
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	-	-	-	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-
कुल भारतीय मांग	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	66	81	88

73. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में 2018-19 में गिरावट आई है लेकिन उसके बाद क्षति की पूरी अवधि के दौरान इसमें निरंतर रूप से वृद्धि हुई है। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान मांग अभी भी आधार वर्ष की मांग से कम थी।

II. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव

74. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाटित आयातों में भारत में या तो पूर्ण रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। क्षति के विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से लिये गये लेन-देन वार आयातों आंकड़ों पर विश्वास किया है। क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात मात्रा और पाटित आयातों का हिस्सा नीचे दिया गया है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	28	20	37
निम्नलिखित का आयात					
क. ओफ्लोएक्सिन	मी. ट.	***	***	***	***
ख. ओ एसिड	मी. ट.	***	***	***	***
ग. ओ एसिड इस्टर	मी. ट.	***	***	-	-
अन्य आयात	मी. ट.	-	-	-	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	100
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध वस्तु का आयात					
भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	24	12	23
खपत	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	43	25	42

75. यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से आयात पूर्णरूप में 2019-20 तक गिरावट की प्रवृत्ति को देखा गया है और फिर जांच की अवधि में उसमें बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई। उत्पादन और खपत की तुलना में आयात में भी 2019-20 तक गिरावट आई और फिर उसमें जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क मार्च 2018 से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर पूर्व में लागू था जबकि मध्यवर्ती, ओ एसिड और ओ इस्टर पर पाटनरोधी शुल्क जुलाई 2020 में समाप्त हो गया, ओफ्लोएक्सिन पर शुल्क मार्च 2021 तक लागू था।

76. पूर्ण रूप में और सापेक्ष रूप दोनों में संबद्ध आयातों पर शुल्कों को लगाये जाने के साथ गिरावट आई है, हालांकि, ओ एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के साथ, आयातों में एक बार फिर बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है। जांच की अवधि में ओ एसिड के आयात संबंधी आंकड़ों में तिमाही संचलन को नीचे देखा जा सकता है :

चीन से आयात (मी. ट.)		
तिमाही	मात्रा मी. ट. में	प्रवृत्ति
1 तिमाही अप्रैल - जून 2020	***	100
2 तिमाही जुलाई - सितं. 2020	***	3100
3 तिमाही अक्टू. - दिसं. 2020	***	4800
4 तिमाही जनवरी - मार्च 2021	***	7200

III. पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

77. इस नियमावली के अनुबंध II (ii) के संदर्भ में, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत से तुलना किये जाने पर पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण काफी हद तक कीमतों पर अन्यथा दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुकने वाली है जो अन्य प्रकार से काफी हद तक हुई होती। इस संबंध में, संबद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के बीच तुलना की गई है।

क) कीमत में कटौती

78. कीमत में कटौती का निर्धारण करने के लिए, घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत और इस उत्पाद का पहुंच मूल्य जो व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और करों का योग है, के बीच तुलना की गई है।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
बिक्री कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	137	136
पहुंच कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	131	147
कीमत में कटौती	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	216	170	73
कीमत में कटौती	%	***	**		***
कीमत में कटौती	रेंज	0-20	20-40	20-40	0-20

79. यह देखा जाता है कि आयात की पहुंच कीमत क्षति की पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है और इस प्रकार यह घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहा है।
80. इसके अलावा इस तथ्य पर विचार करते हुए कि आयात अधिकांशतः ओ एसिड के हुए हैं, प्राधिकारी ने ओ एसिड से ओफ्लोएक्सिन से ओ एसिड के आयातों की पहुंच कीमत से मूल्यवर्धन को जोड़ने के बाद और ओफ्लोएक्सिन की बिक्री कीमत के साथ इसकी तुलना करने के बाद कीमत में कटौती का भी निर्धारण किया है।

विवरण	यू ओ एम	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
ओफ्लोएक्सिन की संरचित पहुंच कीमत	रु./ किग्रा.	***	0	***	***
सूचीबद्ध		100	0	117	138
ओफ्लोएक्सिन की बिक्री कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	129	137	136
कीमत में कटौती	रु./ किग्रा.	***	0	***	***
सूचीबद्ध		100	0	1,258	6
कीमत में कटौती	%	***	-	***	***
कीमत में कटौती रेंज		0-10	-	10-20	0-10

81. यह देखा जाता है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

ख) कीमत हास और न्यूनीकरण

82. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से हुई होती, क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तन के लिए घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना की तुलना पहुंच मूल्य से की गई है।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	130	141
बिक्री कीमत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	137	136
पहुंच कीमत (विचाराधीन उत्पाद के सभी रूपों का भारित औसत)	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	131	147

83. यह देखा जाता है कि बिक्री की लागत और बिक्री कीमत दोनों में 2017-18 से 2019-20 तक आरंभिक रूप से वृद्धि हुई। बिक्री की लागत में जांच की अवधि में भी वृद्धि हुई, हालांकि, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। यह नोट किया जाता है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत के स्तर से भी कम रही है।

84. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि ओफ्लोएक्सिन की घरेलू बिक्री कीमत ओ एसिड की आयात कीमत से संबद्ध है। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया कि ओ एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के बाद, ओ एसिड के आयातों में पाटित कीमत पर वृद्धि हुई और यह कि पाटित कीमतों पर ओ एसिड के आयातों में वृद्धि का भी प्रभाव घरेलू बाजार में ओफ्लोएक्सिन की कीमत पर पड़ा था जिसे नीचे दी गई तालिका से नोट किया जा सकता है। इस उद्देश्य से प्राधिकारी ने ओ एसिड से ओफ्लोएक्सिन तक मूल्यवर्धन पर विचार किया है।

आयात- ओ एसिड	ओ एसिड की पहुंच कीमत (रु./ किग्रा.)	संचरित ओफ्लोएक्सिन की कीमत	ओफ्लोएक्सिन की बिक्री कीमत (रु./ किग्रा.)
अप्रैल - 20	-	-	***
मई - 20	***	***	***
जून - 20	-	-	***
जुलाई - 20	-	-	***
अगस्त - 20	***	***	***
सितंबर - 20	***	***	***
अक्टूबर - 20	***	***	***
नवंबर - 20	***	***	***
दिसंबर - 20	***	***	***
जनवरी - 21	***	***	***
फरवरी - 21	***	***	***
मार्च - 21	-	-	-

85. इस प्रकार यह देखा जाता है कि ओ एसिड की पहुंच कीमतें घरेलू बाजार में ओफ्लोएक्सिन की कीमतों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

IV. घरेलू उद्योग आर्थिक मापदंड

86. इस नियमावली अनुबंध 11 में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों जो उद्योग की स्थिति जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल अथवा क्षमता का उपयोग शामिल है; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन के मार्जिन का आकार; नकदी के प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी मापदंडों की चर्चा नीचे की गई है।

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता का उपयोग और बिक्री

87. क्षमता, उत्पादन, क्षमता का उपयोग और बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन निम्नानुसार है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
क्षमता	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	165	137
क्षमता का उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	165	137

घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	165	137

88. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन, बिक्री और क्षमता के उपयोग में भी 2019-20 तक वृद्धि हुई, हालांकि, ओ एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के तत्काल बाद, इन मानदंडों में मांग में वृद्धि के बावजूद गिरावट आई।
89. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों में यह तर्क दिया है कि आवेदक उद्योग के पास देश में मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं है। हालांकि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का उपयोग आदर्शतम स्तर तक करने में सक्षम नहीं रहा है और घरेलू उद्योग के पास इस क्षमता का बहुत अधिक हिस्सा अभी भी अप्रयुक्त पड़ा हुआ है।

ख) बाजार हिस्सा

90. घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	178	202	155
समग्र रूप में भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	178	202	180
संबद्ध देश से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	43	25	42

91. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और समग्र रूप में भारतीय घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2019-20 तक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद वृद्धि हुई, हालांकि, उसमें विचाराधीन उत्पाद के एक रूप अर्थात् ओ एसिड पर शुल्क के समाप्त होने के तत्काल बाद बहुत अधिक हद तक गिरावट आई। चीन का बाजार हिस्सा जिसमें 2019-20 में *** प्रतिशत तक गिरावट आई थी, में जांच की अवधि में *** प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

ग) मालसूची

92. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची नीचे दिये गये अनुसार है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
औसत माल सूची	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	260	541	871

93. घरेलू उद्योग के पास औसत मालसूची के स्तर में क्षति की पूरी अवधि के दौरान बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है।

घ) लाभप्रदता, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल

94. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल और नकद लाभ नीचे दिये गये अनुसार है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./ क्रिग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	130	141
बिक्री कीमत	रु./ क्रिग्रा.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	137	136
लाभ/ हानि	रु./ क्रिग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	370	400	-45
पी बी आई टी	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	278	395	10
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	307	459	8
निवेश पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	227	268	7

95. यह देखा जाता है कि

- बिक्री की लागत और बिक्री कीमत में आरंभिक तौर पर 2019-20 तक वृद्धि हुई। हालांकि, जांच की अवधि में बिक्री कीमत में बिक्री लागत में वृद्धि के बावजूद गिरावट आई है।
- लाभ/ हानि, ब्याज और कर पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल में भी 2019-20 तक वृद्धि हुई, हालांकि, सभी कारकों में एक बार फिर जांच की अवधि में आयातों में वृद्धि के सदृश्य जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक गिरावट आई।

96. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के द्वारा बहुत अधिक क्षति हुई थी और पाटनरोधी शुल्क 2018 में लगाया गया था। घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में शुल्कों को लगाये जाने के साथ सुधार हुआ। हालांकि, ओ एसिड पर शुल्कों के समाप्त होने के साथ, सभी मापदंडों ने बहुत अधिक गिरावट दर्शायी है।

ङ) रोजगार, वेतन और उत्पादकता

97. प्राधिकारी ने रोजगार, वेतन और उत्पादकता से संबंधित सूचना की जांच नीचे दिये गये अनुसार की है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	102
प्रतिदिन उत्पादकता	मी ट/ दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	165	137
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी ट/ दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	162	134
मजदूरी	रु लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	243	401

98. यह देखा जाता है कि रोजगार का स्तर क्षमता में वृद्धि के बावजूद लगभग वही रहा है। प्रतिदिन उत्पादकता में निरंतर रूप से वृद्धि हुई है लेकिन पुनः जांच की अवधि में गिरावट आई है। भुगतान की गई मजदूरी में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

च) वृद्धि

99. घरेलू उद्योग की मात्रा और लाभ के मापदंडों की प्रवृत्ति नीचे दिये गये अनुसार है :

वृद्धि	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
उत्पादन	%	-	17	41	-17
घरेलू बिक्री	%	-	18	40	-17
लाभ	%	-	335	52	(109)
नकद लाभ – रु. लाख	%	-	207	49	-98
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	-	125	18	-97

100. यह नोट किया जाता है घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है और इसमें 2019-20 मात्रा संबंधी मापदंडों के मामले में वृद्धि हुई है, हालांकि जांच की अवधि में उसमें बहुत अधिक हद तक गिरावट आई है। कीमत संबंधी मापदंडों ने भी जांच की अवधि में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

छ) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में बहुत अधिक हानि हो रही है।

ज) पाटन मार्जिन का आकार

102. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं को भारत में पाटित किया जा रहा है और पाटन मार्जिन सकारात्मक और बहुत अधिक है।

1. क्षति मार्जिन का आकार

103. प्राधिकारी ने अनुबंध III के साथ पठित नियमावली में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत की जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत के संबंध में सत्यापित सूचना/ आंकड़ों को स्वीकार कर निर्धारित की गई है। क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देश से पहुंच कीमत पर की तुलना करने के लिए क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्रियों, उपयोगिताओं और क्षमताओं के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि उत्पादन की लागत के लिए कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती व्यय नहीं लिए गए थे। विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्तियां और औसत कार्यशील पूंजी) पर एक तर्कसंगत प्रतिफल (पूर्व कर 22 प्रतिशत की दर पर) की अनुमति पूर्व-कर लाभ के रूप में प्रदान की गई थी ताकि इस नियमावली के अनुबंध III में यथानिर्धारित और पालन की जा रही क्षतिरहित कीमत निकाली जा सके।

104. उपरोक्तानुसार निर्धारित पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के आधार पर, उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और उसे नीचे में दिया गया है।

क्षति मार्जिन तालिका

क्र.सं.	उत्पादक	एलबी यूएसडॉ./कि.ग्रा.	एनईपी यूएसडॉ./कि.ग्रा.	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	रेंज
1.	मैसर्स अनहुई बायोक्म्पाउंड्स फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20

2.	मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
3.	मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
4.	अन्य सभी	***	***	***	***	20-30

ज) गैर आरोपण विश्लेषण

105. इस नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ साथ यह अपेक्षित है कि वे पाटित आयातों को छोड़कर किसी ज्ञात कारकों की जांच करें जो साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है ताकि इन अन्य कारकों के द्वारा हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सके। वे कारक जो इस संबंध में संगत हो सकते हैं, में अन्य बातों के साथ साथ पाटित कीमतों पर न बेची गई आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्यपद्धतियां, प्रौद्योगिकी का विकास और निर्यात कार्य निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। नीचे इस तथ्य की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारकों के घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकती थी।

क. पाटित कीमतों पर न बेची गई आयातों की मात्रा और मूल्य

106. विचाराधीन उत्पाद का आयात केवल संबद्ध देश से हुआ है।

ख. मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

107. जांच की अवधि में मांग में वृद्धि हुई है।

ग. खपत में परिवर्तन का पैटर्न

108. विचाराधीन उत्पाद के लिए खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

घ. विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्यपद्धतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

109. कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्यपद्धति नहीं है।

ङ. प्रौद्योगिकी का विकास

110. विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

च. घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्पादन

111. क्षति की जांच घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालनों के लिए किया गया है।

ट. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

112. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक भारत में पूरी घरेलू मांग को पूरा नहीं कर सकता है। आवेदक ने स्वयं इन्फिनिटी से ऑफ्लोक्ससिन खरीदा है।
- ख. चाइना पर निर्भरता से ओ-एसिड/ओ-ईस्टर पर लागू शुल्क में कमी नहीं आएगी। ऐसी अनेक कच्ची सामग्रियां हैं जिन्हें अब भी चीन से आयात करना होगा, जैसे टीएफबीसी, एक्रिलेटल, डि-एलनिनो, डीएफएफ आदि।
- ग. एकमात्र उत्पादक से आयात के अभाव में बाजार एकाधिकारी हो जाएगा, तथापि वह घरेलू बाजार में मांग को पूरा करने में असमर्थ है। परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता उत्पाद की कीमत में गड़बड़ी कर सकता है।

- घ. जेनेरिक दवा का व्यापार एपीआई की कीमतों में वृद्धि के कारण सर्वाधिक प्रभावित होगा क्योंकि मामूली वृद्धि भी अंतिम स्ट्रिप की लागत पर सीधा प्रभाव डाल सकती है। उदाहरण के लिए जन औषधि केन्द्र द्वारा बेची गई ऑफ्लोक्सासिन टेबलेट 200 एमजी की लागत 13 रु. है और छूट के साथ प्रभारित कीमत अंतिम उपभोक्ता को 11.5 रु. पड़ती है। किसी वृद्धि से अंतिम प्रयोक्ता द्वारा प्रदत्त कीमत में ही वृद्धि होगी। इसके अलावा, विनिर्माता स्तर पर 10-15 प्रतिशत की वृद्धि एमएसएमई कंपनियों के लिए 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कर देगी।
- ड. आरती ड्रग्स और गोदावरी ड्रग्स के आवेदन पर सिप्रोफ्लोक्सासिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद कीमतों में 25 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह वृद्धि चीन से आयातित अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि के आलोक में होगी, क्योंकि चीन में उत्पादकों ने सिप्रोफ्लोक्सासिन पर एडीडी की क्षतिपूर्ति का प्रयास किया है। वर्तमान मामले में केवल एकमात्र कंपनी होगी और स्थिति काफी खराब हो जाएगी।
- च. शुल्क का आवेदन जनहित में नहीं होगा।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

113. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग अनुरोध करता है कि ऑफ्लोक्सासिन एसिड का उत्पादन केवल भारत और चीन में होता है। इस प्रकार, यदि घरेलू उद्योग को संरक्षित नहीं किया जाता है तो उपभोक्ता पूरी तरह केवल एकमात्र स्रोत अर्थात् चीन पर पूरी तरह निर्भर हो जाएंगे।
- ख. घरेलू उद्योग ने काफी अधिक क्षमता सृजित की है और दो से अधिक दशकों से विचाराधीन उत्पाद का लगातार उत्पादन कर रहा है।
- ग. जनहित पर पाटनरोधी उपायों के प्रभाव को विभिन्न पक्षकारों के हितों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया जाना चाहिए। पाटनरोधी शुल्क का अंतिम उत्पाद-टोफ्लोक्स 200 एमजी टेबलेट के लिए अंतिम उपभोक्ता पर प्रभाव प्रति पत्ता केवल 1.41 रुपए होगा।
- घ. सिप्रोफ्लोक्सासिन की कीमतों में वृद्धि चीन में कच्ची सामग्रियों की कीमत में वृद्धि के कारण हुई है। यह मुद्दा चीन जन.गण. पर कच्ची सामग्री के लिए अधिक निर्भरता की ओर संकेत करता है।
- ड. विचाराधीन उत्पाद एंटीबायोटिक्स का एक वर्ग है जो विभिन्न रोगों के उपचार के लिए महत्वपूर्ण है। देश संबद्ध वस्तु की जरूरत के लिए केवल चीन के आयातों पर निर्भर नहीं रह सकता है।
- च. चीन भारत में पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का निर्यात कर रहा है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। इस प्रकार, संबद्ध वस्तु पर पाटित आयात को हतोत्साहित करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना महत्वपूर्ण है।
- छ. मांग-आपूर्ति में कोई अंतर नहीं होने और आयातों पर निर्भरता नहीं होने से भारतीय उद्योग पूरी तरह आत्म-निर्भर उद्योग होगा।
- ज. देश में संबद्ध वस्तु के अनेक उत्पादक हैं। इस प्रकार, उत्पाद प्रतिस्पर्धी बाजार कीमतों पर उपलब्ध होगा और प्रयोक्ताओं के शोषण की या उद्योग में एकाधिकार की स्थिति की कोई गुंजाइश नहीं होगी।
- झ. भारत एपीआई दवाईयों के आयातों के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भर है। यदि चीन से आपूर्ति में कोई व्यवधान होता है तो भारत के लिए एपीआई का वैकल्पिक स्रोत ढूंढ पाना मुश्किल होगा। अतः भारतीय भेषज बाजार को चीन पर निर्भरता कम करनी चाहिए और घरेलू विनिर्माण पर ध्यान देना चाहिए।
- ञ. घरेलू उद्योग ने यह भी नोट किया कि भारत सरकार महत्वपूर्ण मुख्य स्टार्टिंग मैटेरियल (केएसएम)/ड्रग इंटरमीडिएट्स (डीआई) और एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स (एपीआई) के घरेलू विनिर्माण को भी बढ़ावा दे रहा है ताकि महत्वपूर्ण एपीआई में आयात पर निर्भरता कम की जा सके और आत्म-निर्भरता को बढ़ावा दिया जा सके।

- ट. चीन की सरकार विभिन्न सब्सिडियां, प्रोत्साहन देकर चीन में एपीआई उद्योग को काफी अधिक बढ़ावा दे रही है और उसने भेषज क्षेत्र में नए उत्पाद और प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने और उनका विकास करने के लिए विशेष आरएंडडी पार्क भी स्थापित किए हैं। अतः, भारतीय उद्योग को समान अवसर प्रदान करने के लिए शुल्क लगाना आवश्यक है।
- ठ. पेंसिलिन जी के मामले में, भारत में अनेक उत्पादक थे। पहले यह नोटिस किया गया कि चीन से पेंसिलिन जी के काफी अधिक आयात हुए थे। घरेलू उद्योग ने पाटनरोधी शुल्क के लिए अनुरोध किया परंतु शुल्क नहीं लगाया गया। इस प्रकार, ऐसी स्थिति बन गई कि देश में पेंसिलिन जी का कोई उत्पादक नहीं था।
- ड. मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्रीज ने मौखिक सुनवाई में यह दावा किया कि लागू शुल्कों के कारण उनका कार्य-निष्पादन प्रभावित होता है और ऑफ्लोक्सासिन आधे से अधिक प्रचालनरत फर्मों को कवर करता है। तथापि, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि उक्त कंपनी के लिए आरओआई तब काफी अधिक था जब शुल्क लागू थे।

प्राधिकारी द्वारा जांच

114. प्राधिकारी ने जांच की कि क्या जांच के अधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना व्यापक जनहित के विरुद्ध होगा। यह निर्धारण रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और घरेलू उद्योग, आयातक और उत्पाद के उपभोक्ताओं सहित विभिन्न पक्षकारों के हितों पर विचार करने पर आधारित था।
115. प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार मांगते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए उपभोक्ताओं के प्रचालनों पर एडीडी के संभावित प्रभाव सहित सूचना देने के लिए एक प्रश्नावली भी विहित की। प्राधिकारी ने विभिन्न देशों के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की प्रतिस्थापनीयता, स्रोत बदलने की घरेलू उद्योग की क्षमता, उपभोक्ताओं पर एडीडी के प्रभाव ऐसे कारक जिनसे एडीडी के लागू होने के कारण नई स्थिति में समायोजन में तेजी या देरी की संभावना है, आदि के संबंध में अन्य बातों के साथ-साथ सूचना मांगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने प्रश्नावली का उत्तर दिया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त आयातक/उपभोक्ता सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने मात्रात्मक सूचना के साथ यह नहीं दर्शाया कि एडीडी लागू होने से उपभोक्ताओं या व्यापक रूप से जनता पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके विपरीत, आवेदक ने संबद्ध वस्तु पर शुल्क के प्रभाव की मात्रात्मक सूचना प्रदान की है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त गणनाओं के आधार पर, यह देखा गया है कि अंतिम उत्पाद पर औसत शुल्क का प्रभाव बिल्कुल मामूली होगा।
116. यह तर्क दिया गया है कि मांग और आपूर्ति में अंतर है, जिसकी वजह से आयात आवश्यक हैं। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह देखा गया था कि मांग और आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है और इसलिए शुल्क लागू होने से अंतिम प्रयोक्ता हेतु उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
117. स्वस्थ घरेलू उद्योग की मौजूदगी अन्ततः प्रयोक्ताओं के हित में है। कोविड-19 अवधि में हाल के अनुभव से भी पता चलता है कि यदि घरेलू बाजार में एपीआई के स्वदेशी उत्पादक पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं होंगे तो व्यापक रूप से जनता को नुकसान होने की संभावना है।
118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, जिससे भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल हो सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से संबद्ध देश/क्षेत्र से आयात किसी भी तरह बाधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
119. पाटनरोधी उपाय से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा किसी भी तरह कम नहीं होगी, विशेष रूप से तब जब कि पाटनरोधी शुल्क की लेवी घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई के लिए आवश्यक राशि तक सीमित है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की प्रक्रिया द्वारा अर्जित अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

ठ. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

120. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड ईक्यूआर की इस आधार पर अस्वीकृति बिल्कुल गलत है क्योंकि कंपनी ने डीजीटीआर द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी और सटीक सूचना प्रस्तुत की है। एपेलोआ द्वारा आंकड़ों की कोई गलत रिपोर्टिंग नहीं हुई है।
- ख. प्राधिकारी केवल इसलिए ईस्ट एशिया के उत्तर को अस्वीकार नहीं कर सकते कि वे उच्चतर कीमतों पर बिक्री कर रहे हैं। ईस्ट एशिया द्वारा उच्च कीमत के निर्धारण के लिए कारकों में उत्पाद की गुणवत्ता, जो अच्छी और स्थिर है, शामिल है, बिक्री की मात्रा सापेक्ष रूप से कम है। इसके अलावा, ईस्ट एशिया तीसरे देशों को भी उच्च कीमतों पर निरंतर अपनी वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं।
- ग. ओ-एसिड और ओ-ईस्टर को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाएगा। तथापि, यदि प्राधिकारी उस पर अब भी विचार करने का निर्णय लेते हैं तो प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे तीनों उत्पादों अर्थात् ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर के लिए अलग अलग क्षति विश्लेषण करें क्योंकि ओ एसिड और ईस्टर घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जाते हैं।
- घ. अनहुई बायोक्पाउड्स फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, उत्पादक का नाम प्रकटन विवरण में सही ढंग से रिकॉर्ड नहीं किया गया है।
- ङ. प्राधिकारी ने ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर के लिए मात्रा और पहुंच कीमत के अलग-अलग रुझान/सूचीबद्ध आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं।
- च. प्राधिकारी ने गलत ढंग से तीन उत्पाद प्रकारों ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर को मिलाकर पीयूसी के रूप में बताया है। यदि प्राधिकारी, ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर के आयातों के प्रभाव की जांच के लिए अलग-अलग जांच करते तो यह स्पष्ट हो जाता कि ओ-ईस्टर और ऑफ्लोक्सासिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए कोई सिफारिश नहीं की जा सकती है।
- छ. ऑफ्लोक्सासिन को 2019-20 और पीओआई में भारत में कम मात्रा में आयात किया गया है। भारत में ऑफ्लोक्सासिन की आयात कीमत भारत में ओ-एसिड की आयात कीमत से काफी अधिक है।
- ज. ऑफ्लोक्सासिन के एकमात्र उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर नहीं रखना चाहिए। प्राधिकारी ने यह देखा है कि ये अन्य उत्पादक अधिकांशतः ओ-एसिड अर्थात् विचाराधीन उत्पाद के एक रूप का आयात कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, प्राधिकारी ने इन अन्य उत्पादकों को बाहर रखने के बाद घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित की है जो मुख्यतः ऑफ्लोक्सासिन के उत्पादक हैं।
- झ. क्षति जांच के प्रयोजनार्थ ऑफ्लोक्सासिन, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर को जोड़ने के बाद भी घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में निरंतर सुधार हुआ है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों की वस्तुनिष्ठ जांच के आधार पर यह तर्कसंगत निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हो रही है।
- ञ. घरेलू उद्योग की बिक्रियों में केवल अंतिम उत्पाद ऑफ्लोक्सासिन की बिक्रियां शामिल हैं। संबद्ध देश से आयात प्राथमिक रूप से ओ-एसिड के आयात हैं। चीन जन.गण. से आयातित मध्यवर्ती उत्पाद ओ-एसिड की कीमत निश्चित रूप से घरेलू उद्योग द्वारा अंतिम उत्पाद ऑफ्लोक्सासिन की घरेलू बिक्री कीमत से कम होगी।
- ट. प्राधिकारी के पास चीन जन.गण. से आयातित ऑफ्लोक्सासिन की वास्तविक आयात कीमत संबंधी सूचना है। चीन जन.गण. से ऑफ्लोक्सासिन की वास्तविक आयात कीमत की जांच से पता चलता है कि यह वास्तव में घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत और निवल बिक्री कीमत से अधिक है और तदनुसार ऑफ्लोक्सासिन के आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है।

- ठ. प्राधिकारी ओ-एसिड की मात्रा से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की मौजूदगी का आकलन नहीं कर सकते हैं। इसके बजाए, प्राधिकारी यह आकलन करना चाहिए कि क्या क्यूआ ओ-एसिड के मामले में घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक मंदी आई है।
- ड. चीन जन.गण. में उत्पादक/निर्यातक द्वारा निर्यातित शेष उत्पाद प्रकार/प्रकारों के लिए प्राधिकारी को विशिष्ट रूप से नोट करना चाहिए कि ऐसे उत्पादक/निर्यातक पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार न्यू शिप्पर समीक्षा के हकदार हैं।
- ढ. प्राधिकारी को पूर्ण लॉकडाउन से प्रभावित अप्रैल, 2020 – जून 2020 की तिमाही को बाहर रखना चाहिए। अप्रैल 2020 – जून 2020 की तिमाही को बाहर रखने से पीओआई में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में और अधिक सुधार प्रदर्शित होगा।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

121. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. निर्धारित क्षति रहित कीमत काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप क्षति मार्जिन अपर्याप्त है।
- ख. ऑफलोक्सासिन के उत्पादन के लिए विचार की गई ओ-एसिड की मात्रा और मूल्य अनुचित रूप से कम है। याचिकाकर्ता को आशंका है कि प्राधिकारी ने ऑफलोक्सासिन के लिए ओ-एसिड के उत्पादन हेतु खपत कारक को अपनाया है जो इस कारण से अनावश्यक है कि उत्पादित ऑफलोक्सासिन की मात्रा के लिए सूचित आंकड़े खपत मात्रा के हैं।
- ग. प्राधिकारी को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर शुल्कों की स्थिर राशि के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

122. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन के पश्चात किए गए अनुरोधों की जांच की है और नोट करते हैं कि अधिकांश टिप्पणियां दोहराई गई हैं जिनकी पहले ही उपयुक्त ढंग से जांच की गई है और अंतिम जांच परिणाम के संगत पैराओं में पर्याप्त समाधान किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों में पहली बार उठाए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए मुद्दों की निम्नानुसार जांच की गई है:

- क. झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत उत्तर को कम मात्रा के कारण अस्वीकार किए जाने संबंधी तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त उत्पादक द्वारा निर्यातित मात्रा काफी कम थी और उनकी बिक्री मात्रा को किसी भी तरह से वाणिज्यिक मात्रा नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा, अन्य उत्पादकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना यह दर्शाती है कि वह कीमत जिस पर झेजियांग ईस्ट एशिया द्वारा संबद्ध वस्तु बेची गई है, अन्य निर्यातकों की कीमत से वास्तविक रूप से अधिक है। उत्पादक ने यह दलील दी है कि उसने तीसरे देशों को भी उच्चतर और तुलनीय कीमतों पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। तथापि, अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने ***एमटी के तीसरे देशों को उनके कुल निर्यातों के मुकाबले ***एमटी की निर्यात मात्रा के संबंध में ही चुनिंदा रूप से ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। तीसरे देश को निर्यात के लिए प्रदत्त ब्यौरे बिल्कुल अपर्याप्त हैं और उन्हें विश्वसनीय साक्ष्य नहीं माना जा सकता है।
- ख. आवश्यक तथ्यों के प्रकटीकरण के स्तर पर मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड कंपनी की प्रतिक्रिया को स्वीकार नहीं किया गया था। तथापि, निर्यातक ने प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद प्रासंगिक दस्तावेज और सूचना प्रदान की। इसलिए प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा अपने प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध कराई गई सूचना और प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद प्रस्तुत की गई सूचना का मूल्यांकन किया है और उचित समायोजन करने के बाद उसे स्वीकार किया है।

- ग. इस तर्क के संबंध में कि ऑफलोक्सासिन के एकमात्र उत्पादक पर स्थिति निर्धारण के समय विचार किया जाना चाहिए, प्राधिकारी मानते हैं कि समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद के संबंध में स्थिति को निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। इसके अलावा, वे घरेलू उत्पादक जो किसी भी रूप में उत्पाद के आयातक हैं, तब तक पात्र घरेलू उद्योग नहीं माने जा सकते जब तक ये हितबद्ध पक्षकार भागीदारी करें और अपनी पात्रता सिद्ध करें। वर्तमान मामले में मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्रीज लिमिटेड को छोड़कर ऑफलोक्सासिन के किसी भी उत्पादक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। मैसर्स इनफिनिटी लैबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है और यह देखा गया है कि कंपनी ने आयातित ओ-एसिड से ऑफलोक्सासिन का उत्पादन किया है। इस प्रकार, कंपनी वास्तव में ऑफलोक्सासिन के अपने पूरे उत्पादन के लिए उत्पाद की आयातक है। ऑफलोक्सासिन के अन्य घरेलू उत्पादकों ने असहयोग अपनाया है। किसी भी तरह यदि ऐसे अन्य उत्पादकों के उत्पादन को घरेलू उत्पादन में शामिल किया जाता है तो आवेदक का उत्पादन फिर भी भारतीय उत्पादन का "एक प्रमुख हिस्सा" बनता है और याचिकाकर्ता वर्तमान प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग है।
- घ. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी को उत्पाद के प्रकारों का अलग-अलग विश्लेषण करना चाहिए था, यह नोट किया गया कि प्राधिकारी ने पहले ही निर्धारित किया है कि ऑफलोक्सासिन और उसकी मध्यवर्ती वस्तुओं, ओ-एसिड और ओ-ईस्टर विचाराधीन उत्पाद हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे को परिभाषित करने के बाद ऐसे विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षति की जांच की गई है। जहां तक गहन तुलना का संबंध है, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयातित ऑफलोक्सासिन और ओ-एसिड के लिए अलग-अलग मार्जिन निर्धारित करके उसे सुनिश्चित किया है।
- ड. इस तर्क के संबंध में कि ऑफलोक्सासिन की कीमतों की तुलना से कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होगी। यह देखा गया है कि ऑफलोक्सासिन के लिए अलग से निर्धारित क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन संबद्ध देश के लिए सकारात्मक और काफी अधिक है। संगत अवधि के दौरान लागू शुल्क को देखते हुए ऑफलोक्सासिन की मात्रा कम है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की स्थिति में परिवर्तन के साथ ओ एसिड, ओ एसिड ईस्टर और ऑफलोक्सासिन के बीच आयात की प्रवृत्ति में परिवर्तन देखा है।
- च. इस तर्क के संबंध में कि निर्धारित क्षति-रहित कीमत कम है, यह नोट किया गया है कि एनआईपी को एडी के नियमावली अनुबंध-III के अनुसार और प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के आधार पर निर्धारित किया गया है।

ड. निष्कर्ष

123. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उक्त जांच परिणाम में यथा-दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

- क. विचाराधीन उत्पाद ऑफलोक्सासिन और मध्यवर्ती वस्तुएं ओ एसिड और ओ ईस्टर है और इसकी मध्यवर्ती वस्तुओं एक विचाराधीन उत्पाद हैं। ओ ईस्टर, ओ एसिड का पूर्ववर्ती स्तर का उत्पाद है और ओ एसिड पर शुल्क को ओ ईस्टर के आयात द्वारा प्रवंचित किया गया है। इस प्रकार, चीन से ओ ईस्टर का कोई आयात नहीं होने के बावजूद इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना आवश्यक है।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद है।
- ग. आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" है और आवेदन नियम 5 के अनुसार स्थिति संबंधी मापदंडों को पूरा करता है। मैसर्स झेजियांग ईस्ट-एशिया फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर उत्तर को अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु, अपर्याप्त पाया गया था और तदनुसार, प्राधिकारी ने इस उत्पादक के लिए अलग पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया है।
- घ. सभी अन्य प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उपयुक्त समायोजन करने के बाद उनके द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है।

- ड. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर संबद्ध वस्तु के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, उसे सकारात्मक और काफी अधिक पाया गया है।
- च. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है, जैसा कि ओ एसिड पर शुल्क समामि के साथ पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में समग्र रूप से और सापेक्ष रूप से संबद्ध आयातों में वृद्धि से सिद्ध होता है। यह नोट किया गया है कि ओ एसिड पर शुल्क समामि से आयातों में वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि आयातों की मात्रा में एडीडी की मौजूदगी या गैर-मौजूदगी के अनुसार ओ एसिड, ओ एसिड ईस्टर और ऑफ्लोक्सासिन के बीच बदलाव हुआ है। संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। कीमत कटौती से पीओआई में कीमत ह्रास हुआ है। यद्यपि उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से में गिरावट आई है, तथापि पीओआई में मालसूची में वृद्धि हुई है। पीओआई में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है, जबकि संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में 2019-20 तक लाभ/हानि, व्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ और आरओआई के संबंध में सुधार हो रहा था। तथापि, पीओआई में आयातों में पीओआई के दौरान एक बार फिर वृद्धि होने के साथ इन सभी मापदंडों के संबंध में निष्पादन में भारी गिरावट आई है। निर्धारित क्षति मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना, उपर्युक्त विश्लेषण और एडी नियमावली को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- छ. जांच से पता चला है कि क्षति के अन्य संभावित कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है। इसके अलावा, जांच से ऐसे किसी अन्य कारक की मौजूदगी का पता नहीं चला है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। हितबद्ध पक्षकारों ने भी संगत सूचना और साक्ष्य के साथ यह सिद्ध नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को किसी अन्य कारक की वजह से क्षति हुई है।
- ज. उत्पाद के तीन रूपों के बीच आयात की प्रवृत्ति में परिवर्तन से कीमत कटौती हुई है जिससे घरेलू बाजार में कीमतों पर ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है और घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मापदंड उस पर परिणामी प्रतिकूल प्रभाव दर्शाते हैं, जिससे संबद्ध आयातों में घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है।
- झ. एडीडी के प्रभाव की मात्रा के लिए प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां जारी करने और एडीडी को लगाया जाना उन्हें कैसे प्रतिकूलतः प्रभावित करेगा, यह पता लगाने के बावजूद किसी भी प्रयोक्ता ने संगत सूचना नहीं दी है। हितबद्ध पक्षकारों ने सत्यापन योग्य सूचना के साथ प्रयोक्ता उद्योग पर एडीडी के संभावित प्रतिकूल प्रभाव को सिद्ध नहीं किया है। पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाने से संबंधित उत्पाद के स्वदेशी उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। अंतिम प्रयोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव बिल्कुल मामूली है। पूर्व में उत्पाद पर एडीडी के बावजूद रिकॉर्ड में यह दर्शाने वाला कोई साक्ष्य नहीं है कि प्रत्यक्ष उपभोक्ताओं या आमतौर पर जनता पर छूट से कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जनहित में होगा।

ड. सिफारिशें

124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरु की गई और हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना देने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरु करने और संचालित करने के बाद प्राधिकारी का मत है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना पाटन और क्षति की भरपाई के लिए अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
125. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो सके। अतः, प्राधिकारी चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क पांच (5) वर्ष की अवधि के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लगाए जाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक/निर्यातक	राशि (यूएस.डॉ./ कि.ग्रा.)
1	2	3	4	5	6	7
1	30042034 29419030 29419060 29152990 29163990 29189900 29349900 29411090 29419090 29420090	ओ-एसिड या ऑफ्लोक्सासिन एसिड, ओ-ईस्टर, ऑफ्लोक्सासिन या उसका कोई पर्यायवाची	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.सहित कोई देश	मैसर्स अनहुई बायोकेम्पाउंड्स फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	5.02
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.सहित कोई देश	मैसर्स इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड	4.55
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.सहित कोई देश	मैसर्स झेजियांग एपेलोआ कांगयु फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	0.53
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.सहित कोई देश	उक्त क्रम संख्या 1 से 3 में विनिर्दिष्ट से इतर कोई उत्पादक	7.03
5	-वही-	-वही-	चीन जन.गण. के अलावा कोई देश	चीन जन.गण.	कोई कंपनी	7.03

* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और शुल्क का निर्धारण पीयूसी के वर्णन के अनुसार किया जाएगा।

ण. आगे की प्रक्रिया

126. केन्द्र सरकार द्वारा इन जांच परिणामों को स्वीकार करने के बाद इनके विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अनन्त स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 2022

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Ofloxacin and its intermediates” originating in or exported from China PR

F. No. 6/12/2021-DGTR.—Having regards to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time thereof:

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as the “Authority”) received an application from M/s Aarti Drugs Limited (hereinafter referred to as the ‘applicant’ or ‘domestic industry’) in accordance with the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time requesting initiation of an anti-dumping investigation concerning imports of “Ofloxacin and its intermediates” (hereinafter referred to as ‘subject goods’ or ‘product under consideration’) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as ‘subject country’).
2. The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant, issued a notification No. 06/12/2021-DGTR, dated 17th September 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods from China PR and to recommend an amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.
3. The Authority had earlier recommended antidumping duties on imports of Ofloxacin originating in or exported from China PR vide notification No. 14/06/2016- DGAD dated 22nd December, 2017 for a period of three years and Ministry of Finance imposed the said duties vide Notification No. 08/2018 dated 15th March, 2018. The duties were in force till 14th March 2021. Antidumping duties were also recommended on imports of O Acid from China PR vide Notification No. 14/31/2016- DGAD, dated 19th December, 2017. The Ministry of Finance imposed the said duties vide Notification No. 06/2018-Customs (ADD) dated 12th March 2018, for a period of three years.
4. Imposition of duties on O-Acid led to circumvention by the producers by way of imports of O-Ester, a penultimate stage product. Thus, the Authority undertook an anticircumvention investigation and recommended extension of duties to O Ester vide Notification No. 7/14/2018-DGAD dated 24th October, 2018 and the Ministry of Finance extended the duties vide Notification No. 55/2018-Cus (ADD) dated 15th November 2018.

B. PROCEDURE

5. The procedure described herein below has been followed with regards to the subject investigation:
 - a. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation.
 - b. The Authority issued a public notice dated 17th September 2021, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating the anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country.
 - c. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject country in India, the known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, other Indian producers, and the domestic industry as per the information made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit, in accordance with Rule 6(2) and 6(4) of the Rules.

- d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
- e. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the foreign producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
- f. The Authority sent exporter's questionnaire to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules to elicit relevant information:
 - i. M/s Apeloa Kangyu
 - ii. M/s Zhejiang Jingxin Pharmaceutical Co., Ltd.
 - iii. M/s Zhejiang East Pharmaceutical Ltd.
 - iv. M/s Yongning Pharma
 - v. M/s Jinagsu Guotai Int'l Group Huatai Imp. & Exp. Co Ltd.
 - vi. M/s Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co. Ltd.
 - vii. M/s Zhejiang Chemicals Import & Export
 - viii. M/s China Sinopharm International Corporation
- g. In response, the following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire in the prescribed format:
 - i. M/s Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)
 - ii. M/s China Sinopharm International Corporation (Exporter)
 - iii. M/s Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation (Exporter)
 - iv. M/s Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)
 - v. M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. (Producer)
 - vi. M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)
 - vii. M/s Zhejiang Medicines and Health Products Import and Export Co., Ltd (Exporter)
- h. The Authority sent questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India seeking necessary information, in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i. M/s Cipla Limited
 - ii. M/s. Macleods Pharmaceuticals Ltd.
 - iii. M/s. J.B. Chemicals & Pharmaceutical Ltd.
 - iv. M/s Aristo Pharmaceutical Pvt. Ltd.
 - v. M/s. Sun Pharmaceutical Ind. Ltd.
 - vi. M/s Medi Pharma Drug House
 - vii. M/s. FDC Ltd.
 - viii. M/s Medley Pharmaceuticals Ltd.
 - ix. M/s Merck (India) Ltd.
 - x. M/s. Cadila Healthcare Ltd.
 - xi. M/s. Alkem Laboratories Ltd.
 - xii. M/s Amneal Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
 - xiii. M/s ANM Pharma Pvt. Ltd.
 - xiv. M/s Aquatic Remedies Limited

- xv. M/s Biotavia Labs Pvt. Ltd.
 - xvi. M/s General Import Company (India) Pvt. Ltd.
 - xvii. M/s Gorang International
 - xviii. M/s Infinity Laboratories Pvt. Ltd.
 - xix. M/s Micro Labs Ltd.
 - xx. M/s Neuland Laboratories Ltd.
 - xxi. M/s Shah C J World LLP
 - xxii. M/s Srini Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
 - xxiii. M/s Sun Rise Enterprises
 - xxiv. M/s Vyali International
 - xxv. M/s Wintac Limited
- i. In response, one importer i.e., M/s Infinity Laboratories Pvt. Ltd. has filed user questionnaire response.
 - j. The Authority, upon request by different stake holders, granted extension first till 12th November, 2021 and thereafter till 17th November 2021 to file the questionnaire response.
 - k. The period of investigation for the present investigation is 01st April 2020 to 31st March 2021 (12 months) (hereinafter referred to as the 'Period of Investigation' or 'POI'). The injury analysis period includes 2017-18, 2018-19 and 2019-20 and the period of investigation.
 - l. Transaction wise import data for the period of investigation and the preceding three years was procured from the Directorate General of Commercial intelligence and Statistics (DGCI&S). The Authority has relied upon the DGCI&S data for calculation of the volume and value of imports of the subject goods in India.
 - m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the information provided by the applicant domestic industry to the extent deemed necessary was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of these final findings.
 - n. The Authority directed the parties to share the non-confidential version of their response with other interested parties, whose list was displayed on the DGTR website. The interested parties exchanged the non- confidential version of the response amongst themselves through email.
 - o. The domestic industry has submitted financial data duly certified by their Chartered/Cost Accountant. The non-injurious price (NIP) has been determined based on the optimum cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India as per the information furnished by the domestic industry and in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules. Such non-injurious price has been considered to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury to the domestic industry.
 - p. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all the interested parties to present their submissions orally in the oral hearing held on 07th December 2021 which was attended by various parties. The interested parties who presented their views at the oral hearing were advised to file written submissions of their views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
 - q. The submissions and arguments made by the interested parties and information provided by the various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in these final findings.
 - r. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential

and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

- s. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded these final findings on the basis of the facts available.
- t. In accordance with Rule 16 of the Rules, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide Disclosure Statement dated 14th July, 2022 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in these final findings. The Authority notes that most of the post disclosure submissions made by the interested parties are mere reiteration of their earlier submissions. However, the post disclosure submissions to the extent considered relevant are being examined in these Final Findings.
- i. ‘***’ in these final findings represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- j. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as 1 US\$ = Rs. 75.22

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

6. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as follows:

“5. The product under consideration in the present petition is Ofloxacin and its intermediates, namely, O-Acid or Ofloxacin Acid and O-Ester or Ofloxacin Ester. O-Ester is the penultimate stage for the production of O-Acid. The process from the stage of O-Ester to O-Acid is an incremental process. O-Ester is hydrolysed in acidic water, which is then cooled and filtered to form fried cakes of O-Acid, which are then further processed to obtain Ofloxacin. Considering, the past practice of circumvention, the applicant has combined O-Acid and O-Ester also in the product scope.

6. Ofloxacin is used to treat certain infections including bronchitis, pneumonia, and infection of the skin, bladder, urinary tract, reproductive organs, and prostate. Ofloxacin is in a class of antibiotics called fluoroquinolones and works by killing bacteria that cause infections. Ofloxacin-Acid has dedicated use in the production of Ofloxacin.

7. O-Acid is dedicated to the production of Ofloxacin and has no other usage. The market remains the same for both O-Acid and Ofloxacin. Currently, no anti-dumping duties are in force on the subject goods originating in or exported from China PR.

8. Product under consideration falls under Chapter 29 and 30 of the Customs Tariff Act, 1975. Ofloxacin comes under HS code 30042034 However, the PUC has been imported also under various other HS Codes namely 29419030, 29419060, 29152990, 29163990, 29189900, 29411090, 29349900, 29419090, 29420090.”

C.1. Submissions made by the other interested parties

7. The other interested parties have made following submissions with regard to the scope of the product under consideration and like article:
 - a. Ofloxacin, O-Acid and O-Ester are not substitute for each other. There are more than 700 customers of Ofloxacin in India whereas Infinity is the sole major consumer of O-Acid. The injury calculations should be done separately.
 - b. The quality of O-Acid produced by Aarti Drugs is not comparable to Chinese O-Acid. The proper comparison requires the determination of specification for O-Acid. Unlike Ofloxacin there is no set parameters to test O-Acid. Aarti has not mentioned parameters like assay, impurity, loss on drying which helps determine the quality of O-acid.
 - c. The value addition from O-Acid to Ofloxacin excluding profit is 40%. The value addition from O-ester to O-Acid excluding profit is 20%. The value addition from O-Ester to Ofloxacin is more than 50%.

- d. The name “Ofloxacin and its intermediates” is misleading as there are various other intermediates such as (a) 2,3,4,5-TETRA FLUORO BENZOYL CHLORIDE - TFBC 4; (b) ETHYL 3-N,N-DIMETHYL AMINO ACRYLATE; and (c) DL-Alaninol that can be supplied only from China. The applicant has added intermediates as per their convenience. These intermediates can be supplied only from China.
- e. The three PUCs are completely different products with different chemical and physical properties. They have different CAS (Chemical Abstracts Service) numbers and the customs classifications of Ofloxacin, and O-Acid are also different. Thus, these products are not like articles and are not substitutable and interchangeable.
- f. The market for O-Acid and Ofloxacin is not same as O-Acid is purchased by Ofloxacin producers that do not produce O-Acid themselves. Ofloxacin producers who are producers of O-acid need not purchase O-acid.
- g. The value addition is not insignificant from O-Ester to Ofloxacin even if it is considered insignificant from O-Ester to O-Acid. In pharmaceutical products, consideration of a simple value addition criteria is misleading. The production processes involved to produce next stage pharmaceutical products is driven by know-how and expertise.
- h. Most PUCs in anti-dumping investigations will have a prior stage product. Input or raw materials cannot form part of the PUC only because they are prior stage products in the manufacture of the end product.
- i. There were no imports of O-Ester into India during the POI. Even if O-Ester is not treated as a separate PUC, it is required to be excluded from the scope of the PUC as the product type not imported into India cannot be subject to anti-dumping duty.
- j. The domestic industry's attempt to substantiate the inclusion of O-Acid, O-Ester and Ofloxacin based on USITC investigation is misplaced as US extended the scope of domestic 'like article' and not the scope of the PUC.
- k. The reference to circumvention investigations involving other products is irrelevant. There cannot be presumption of circumvention and scope of the PUC cannot be enhanced pre-emptively because of threat of circumvention of anti-dumping duty in the future.
- l. The manufacturing of O-Ester requires negligible investment to the extent of 20-25% as compared to Ofloxacin manufacturing.
- m. Various companies (formulators) such as Sun Pharma, Cipla etc. have imported Ofloxacin because of USFDA, EDQM approval that these Chinese producers have. Since the domestic industry does not have similar approval, these companies have to import. This indicates that the imported O Acid is not similar to the domestically produced O Acid.

C.2. Submissions made by the Domestic Industry

8. The domestic industry has made following submissions with regard to the product under consideration and like article:
 - a. The product under consideration is “Ofloxacin and its intermediates, including, O-acid or Ofloxacin Acid and O-Ester or Ofloxacin Ester.
 - b. The DGTR SOP Manual in para 3.12 cautions against wide product scope, as well as narrow scope. It says “Whereas if the description of the PUC is too narrow, it may fail to give relief or protection to the DI. It may also result in 'circumvention of the duties levied’”.
 - c. The process involved from O-ester to O Acid to Ofloxacin is not significant.

Ofloxacin Ester is manufactured by following Steps-

1. Acylation
2. Amination
3. Cyclization

Acylation- 2,3,4,5Tetrafluoro benzoyl chloride reacts with N,N -Dimethyl Amino ethyl acrylate to form Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2- (2,3,4,5-tetra fluoro benzoyl) acrylate in presence of Triethylamine (TEA) & Toluene.

Amination - Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2-(2,3,4,5-tetra fluoro benzoyl) acrylate reacts with DL-2-amino-1-propanol to form Ethyl-2-(2,3,4,5-tetrafluoro benzoyl)-3-(1-hydroxy prop-2-ylamino) acrylate.

Cyclization- Ethyl-2-(2,3,4,5-tetrafluoro benzoyl)-3-(1-hydroxy prop-2-ylamino) acrylate is cyclised at higher temperature to form ethyl-9,10-difluoro-3-methyl-7-oxo-2,3-dihydro-7H(1,4)oxazino(2,3,4-ij)quinoline-6-carboxylate (**Ofloxacin ester**).

Ofloxacin Acid is manufactured by Hydrolysis reaction.

Hydrolysis- **Ofloxacin ester** hydrolyzed in presence of caustic flakes & precipitated with acetic acid forms 9,10-Difluoro-2,3Dihydro-3-Methyl-7-oxo-7H-Pyrido-(1,2,3-de)-1,4-benzoxazine-6 Carboxylic Acid (**Ofloxacin Acid**) .

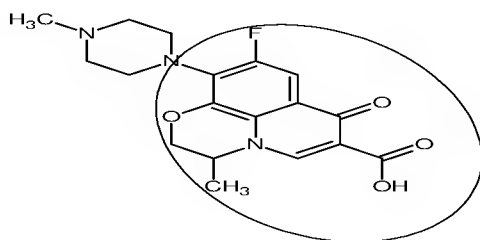
Ofloxacin is manufactured by condensation reaction.

Condensation- **Ofloxacin acid** condensed with N-methyl piperazine in presence water and **Ofloxacin** isolated in methanol.

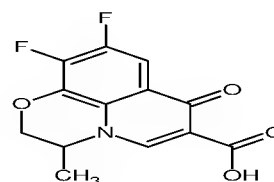
- d. In the production process of Ofloxacin, major manufacturing activity and value addition takes place at O-Ester stage. The domestic industry's major investment is upto O-Ester, which accounts for almost 85% of its total investment. O-Ester to O-Acid, and O-acid to Ofloxacin require very minimal value addition as already determined by the Authority earlier in the anti-circumvention investigation. The interested parties also contended the same before the Authority in the earlier investigation.
- e. Not only value addition from Ester to O Acid is low, value addition from Acid to Ofloxacin is also low. Even interested parties contended the same before the Authority in earlier investigation concerning imports of Ofloxacin from China PR wherein it was argued that the cost of O Acid accounts for almost 85 percent of total cost of Ofloxacin.
- f. In the past, when the ADD was imposed on O Acid, Chinese producers circumvented the anti-dumping duties imposed on the imports of O-Acid from China PR, as was established by the Designated Authority in its final findings in Anti-Circumvention investigation concerning imports of O-Ester from China PR vide Notification No. 7/14/2018-DGAD.
- g. The ability and practise of the exporters in China to circumvent duties by way of exporting O Ester is well established. Thus, non-inclusion of O Ester clearly can lead to circumvention of measures in the future.
- h. US has a long history of precedents and practise on inclusion of semi-finished product analysis. The USITC anti-dumping and countervailing duty handbook summarises the factors to be considered (1) whether the upstream article is dedicated to the production of the downstream article or has independent uses; (2) whether there are perceived to be separate markets for the upstream and downstream articles; (3) differences in the physical characteristics and functions of the upstream and downstream articles; (4) differences in the costs or value of the vertically differentiated articles; and (5) the significance and extent of the processes used to transform the upstream into the downstream articles.
- i. USITC has included semi-finished products in several investigations such as Hydrofluorocarbon Blends and Components from China; Glycine from India, Japan, and Korea; Artists' Canvas from China; Live Swine from Canada; Certain Frozen Fish Fillets from Vietnam; Low Enriched Uranium from France, Germany, the Netherlands, and the United Kingdom; Uranium from Kazakhstan.
- j. The Authority in the past has included the products, which were earlier investigated separately, as one product in subsequent investigation. There is no legal mandate to investigate the product separately, if treated separately in earlier investigations.
- k. The WTO Panel very recently in European Union – Safeguard Measures on Certain Steel Products (DS595) dated 29th April 2022 has re-affirmed the wide discretion with the investigating authority to define the PUC in an investigation.

- I. The discretion available under the law is vast and the authorities around the globe have defined different product scope in different investigations for the same article. Further, the Authorities normally consider that they are not bound either by the product scope defined for the article by other WTO members or by the product scope defined by them in different earlier investigations concerning same article against different countries. The references have been made to investigations by various authorities considering various products mentioned below:
 - a. Sodium Citrate
 - (i) India: Sodium Citrate in the form of mono sodium citrate, di sodium citrate and tri sodium citrate
 - (ii) EC: citric acid (including sodium citrate) includes citric acid monohydrate, citric acid anhydrous and trisodium citrate dihydrous
 - (iii) USA: granulation sizes of citric acid, sodium citrate, and potassium citrate
 - b. Persulphate
 - (i) India: ammonium persulphate, potassium persulphate and sodium persulphate
 - (ii) USA: ammonium persulphate, potassium persulphate and sodium persulphate
 - (iii) EC: ammonium persulphate, potassium persulphate, sodium persulphate and potassium monopersulphate
 - c. Pet film
 - (i) USA: Only plain film, excluding metalised films
 - (ii) EC, India: Included metalised films and base pet film
 - d. PTFE
 - (i) India: PTFE in suspension and emulsion grades
 - (ii) EC: PTFE containing not more than 3 % of other monomer unit than tetrafluoroethylene, without fillers, in the form of powder or pellets, with the exclusion of micronised material (i.e., powder form PTFE only)
 - e. Insulator
 - (i) India: Electric Insulator
 - (ii) USA: station post insulator (which is only a part of product under consideration considered by India)
 - f. Solar Cell
 - (i) India: Crystalline modules and thin film
 - (ii) USA: Crystalline modules
 - (iii) EC: Crystalline modules
 - g. Acrylic Fibre
 - (i) Italy: Below 1.5 denier
 - (ii) Belarus: All denier
 - (iii) Japan, Portugal, Spain and Italy: 1.5 denier to 8 denier
 - (iv) Taiwan: All denier
 - (v) Mexico: 1.5 denier to 8 denier
 - (vi) Turkey, Hungary and European Union: 1.5 denier to 8 denier
 - (vii) USA, Thailand and Korea RP: All deniers
 - (viii) UK, Germany, Brazil, Bulgaria: All deniers
 - (ix) Egypt: All deniers

- m. The Indian Authority as well as other authorities have considered wide scope of product under consideration at various instances. The reference has been made to an investigation by the European Commission concerning Broad spectrum Antibiotics wherein the commission had considered certain broad-spectrum antibiotics, namely amoxicillin trihydrate, ampicillin trihydrate and cefalexin, presented in bulk within the PUC. Indian authority in a safeguard investigation concerning seamless pipes has considered Tubes, Pipes and Hollow Profiles, seamless of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel) whether hot finished or cold drawn or cold rolled, of external diameter not exceeding 273.1 mm (Outer Diameter) within the PUC. The European Commission has considered 28 products within the families of flat products, long products and tubes etc. of steel products in EC Safeguard steel investigation.
- n. Even China has recently initiated investigations on Phthalocyanine Pigments from India, wherein the scope of the product under consideration is defined as “Phthalocyanine is an organic compound with four isoindoleline structural plane macrocyclic molecules, whether refined or not pigmented, after refining and/or pigmenting, Phthalocyanine has bright colour, strong colouring power, excellent weather resistance, heat resistance, solvent resistance, acid resistance and alkali resistance, and is insoluble in conventional organic solvents, thereby including both intermediate and processed product.
- o. O Ester and O Acid is consumed only in the production of Ofloxacin. There is no other independent usage of O Acid and O Ester;
- p. The market for O Acid and Ofloxacin is common and these are used in pharmaceutical products. O Ester, O Acid and Ofloxacin are part of a continuous chain of production, and their end-use markets are essentially the same.
- q. Ofloxacin belongs to a class of drugs called quinolone antibiotics. The major part of Ofloxacin's structure is quinolone moiety. This chemical/structure moiety is majorly present Ofloxacin acid. Functionally & physically both the molecules are similar in nature.



Structure of Ofloxacin

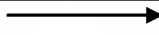
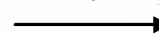


Structure of Ofloxacin O acid

- r. The domestic industry has its own experience of earlier investigations concerning products produced by the applicant such as Metronidazole and 2-Methyl (5) Nitro Imidazole (2 MNI); Diclofenac Sodium (DFS) and Indolinone (1-(2,6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE); Ofloxacin, O-Acid and O-Ester, wherein narrow scope resulted in no protection at all.
- s. The Designated Authority was faced with similar situation in the past and has considered products at different stages of production as one product. Some of the examples are (a) Anti-dumping investigation concerning imports of "Chlorinated Polyvinyl Chloride (CPVC) Resin- whether or not further processed into compound", originating in or exported from China PR and Korea RP; (b) Anti-Dumping Investigations concerning imports of Compact Fluorescent lamps originating in or exported from China PR, Vietnam and Sri Lanka; (c) Anti-Dumping Investigation concerning imports of Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates, originating in or exported from Malaysia, China PR, Chinese Taipei and USA.
- t. There are no known differences in the subject goods produced by the Indian industry and the subject goods exported from the subject country. The subject goods produced by the Indian industry and imported from the subject country are comparable in terms of technical characteristics, their similar end uses, their technical and commercial substitutability and tariff classification. The two are technically and commercially substitutable.

C.3. Examination by the Authority

9. The submissions made by the domestic industry and the other interested parties with regard to the product under consideration and like article related issues have been examined below.
10. The product under consideration for the purpose of present investigation is “Ofloxacin and its intermediates including O-Acid or Ofloxacin Acid and O-Ester or Ofloxacin Ester”.
11. Ofloxacin falls under Chapter 29 and 30 of the Customs Tariff Act, 1975. Ofloxacin comes under HS code 30042034 However, the PUC has been imported also under various other HS Codes namely 29419030, 29419060, 29152990, 29163990, 29189900, 29411090, 29349900, 29419090, 29420090.
12. Ofloxacin is used to treat certain infections including bronchitis, pneumonia, and infection of the skin, bladder, urinary tract, reproductive organs, and prostate. Ofloxacin is in a class of antibiotics called fluoroquinolones and works by killing bacteria that cause infections.
13. The scope of the product under consideration includes O Acid and O Ester. Various interested parties have objected to the inclusion of intermediates with Ofloxacin. It is noted that the scope of the ‘product concerned’ determination can have a significant impact on the outcome of the case. A wide scope of the product under consideration can lead to the protection to the domestic industry which is uncalled for and may lead to complications in the conduct of the investigation. At the same time, a narrow scope of the product under consideration may fail to give requisite relief to the domestic industry and can also result in circumvention of the measures imposed/ duties levied. The Authority has thus carefully considered arguments raised by the various interested parties and has examined the scope of the product under consideration.
14. There is no specific provision in the WTO Anti-Dumping Agreement which provides for the parameters for determination of the product under consideration. The WTO case law jurisprudence also does not provide clear guidance for determining the delineation or the parameters of the ‘product under consideration’. The Indian authority as well as the authorities in other jurisdictions have considered physical, technical and chemical characteristics of the product, its main use and applications, degree of interchangeability, consumer perception, distribution channels, manufacturing process, cost of production etc as the parameters to define the scope of the product under consideration.
15. It is noted that O Acid is used as an intermediate for the manufacture of Ofloxacin and O-Ester is the penultimate stage product for the production of O-Acid. Duties earlier levied on O Acid was circumvented by imports of O ester which had not been a traded product until then.
16. The production process of Ofloxacin and its intermediates observed during the onsite visit and is provided below:

Reaction Step I- Acylation			
2,3,4,5 Tetra Fluro Benzoyl Chloride (TFBCl)	N,N -Dimethyl Amino Benzoyl Chloride Ethyl Acrylate	 (Toluene/TEA)	Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2- (2,3,4,5-tetra fluro benzoyl) acrylate (Product A)
2,3,4,5Tetrafluro benzoyl chloride reacts with N, N -Dimethyl Amino ethyl acrylate to form Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2-(2,3,4,5-tetra fluro benzoyl) acrylate (Product A) in presence of Triethylamine (TEA) & Toluene.			
Reaction Step II – Amination			
Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2-(2,3,4,5-tetra fluro benzoyl) acrylate (Product A)	DL-2-Amino-1- + propanol (DL-Alaninol)	 (Toluene/TEA)	Ethyl-2-(2,3,4,5-tetrafluro benzoyl)-3-(1-hydroxy prop-2-ylamino) acrylate (Product B)

Ethyl(2Z)-3-(dimethyl amine)-2-(2,3,4,5-tetra fluoro benzoyl) acrylate (Product A) reacts with DL-2-amino-1-propanol to form Ethyl-2-(2,3,4,5-tetrafluoro benzoyl)-3-(1-hydroxy prop-2-ylamino) acrylate (Product B).			
Reaction Step III – Cyclization			
Ethyl-2-(2,3,4,5-tetrafluoro benzoyl)-3-(1-hydroxy prop-2-ylamino) acrylate (Product B)	+ KF	(DMF) →	Ethyl- 9,10-Difluoro-3-methyl-7-Oxo-2,3-dihydro-7H-(1,4)Oxazino (2,3,4ij)quinoline-6-carboxylate (Ofloxacin Ester)
Product B is cyclised at higher temperature to form ethyl -9,10-difluoro-3-methyl-7-oxo-2,3-dihydro-7H(1,4)oxazino(2,3,4-ij)quinoline-6-carboxylate (Ofloxacin ester).			
Reaction Step IV- Hydrolysis			
Ethyl- 9,10-Difluoro-3-methyl-7-Oxo-2,3-dihydro-7H-(1,4)Oxazino (2,3,4ij)quinoline-6-carboxylate (Ofloxacin Ester)	+ Caustic Flake	(Acetic Acid) →	9,10-Difluoro-2,3Dihydro-3-Methyl-7-oxo-7H-Pyrido-(1,2,3-de)-1,4-benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Acid)
Ofloxacin ester is hydrolyzed in presence of caustic flakes & precipitated with acetic acid to form Ofloxacin Acid .			
Reaction Step V-Condensation			
9,10-Difluoro-2,3Dihydro-3-Methyl-7-oxo-7H-Pyrido-(1,2,3-de)-1,4-benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Acid)	+ N-methyl Piperazine	Water/Methanol/Caustic flakes →	Ofloxacin
Ofloxacin acid is condensed with N-methyl piperazine in presence of water and Ofloxacin isolated by using methanol.			

17. The Authority notes following from above description:

- The production process up to the stage of ofloxacin ester is the same for O Ester, O Acid and Ofloxacin.
- The production activity is quite elaborate up to the stage of O ester, which includes Reaction Steps (I) Acylation, (II) Amination (III) Cyclization and (IV) Hydrolysis.
- Manufacturing of O Acid from O ester is a single step hydrolysis reaction without addition of any raw material.
- Manufacturing of Ofloxacin from Ofloxacin acid is single step condensation reaction. Only two raw materials and one solvent, namely O- Acid, N –Methyl pipeazine & Solvent Methanol, is used during synthesis of Ofloxacin.

- e. Conversion of O Acid to Ofloxacin is a single pot reaction, i.e., all process operations /operational steps are carried out in single reactor such as condensation reaction, Distillation, Crystallization & feeding to centrifuge for product isolation.
18. The Authority has also examined the value addition at each stage in the manufacture of ofloxacin. It is seen that value addition, from O Ester to O Acid is less than 0-10 % and value addition from O Acid to Ofloxacin is around 10-20%. M/s Infinity Laboratories has argued that the value addition from O Acid to Ofloxacin is 35-45%. The Authority examined and verified the information provided by the domestic industry and Infinity Laboratory. It is noted that the process involved from O-Acid to Ofloxacin is a single step process. Conversion of O Acid to Ofloxacin is a single pot reaction, i.e., all process operations such as condensation reaction, distillation, crystallization & feeding to centrifuge for product isolation are carried out in single reactor. The value addition from O-Acid to Ofloxacin is not significant. Examination of information provided by M/s Infinity Laboratory in its Appendix 2 and 6 of the Importer Questionnaire Response also shows that the value addition from O Acid to Ofloxacin is only around 0-10%. Thus, information on record in respect to both, the applicant domestic producer and the importer shows that the value addition is in the range of 5-15%.
19. Thus, considering process and value addition described as above, it is noted that Ofloxacin is commercially manufactured without any substantial process activities after the stage of O ester.
20. In term of chemical properties, it is noted that Ofloxacin belongs to a class of drugs called quinolone antibiotics. Major part of Ofloxacin's structure is quinolone moiety. This chemical/structure moiety is present in Ofloxacin acid. Functionally & physically both the molecules are similar in nature.
21. The Authority further notes that Ofloxacin Acid ("O-Acid") is an intermediate product which eventually is to be converted into Ofloxacin and there is no other independent uses of O-Acid and O-Ester. O-Acid and O-Ester cannot be used as it is, and it has to be compulsorily processed into Ofloxacin for making it usable, a fact that has not been disputed by any parties. The market for Ofloxacin and its intermediates is the same i.e. pharmaceutical sector.
22. It is also noted from the submission on record that a lot of Ofloxacin manufacturers in India are importing O-Acid and converting the same into Ofloxacin. In view of this, exclusion of O-Acid from the purview of the levy of anti-dumping duty is likely to lead to export of intermediate from the subject country, thereby nullifying the very purpose of the entire exercise of anti-dumping investigation and subsequent imposition of anti-dumping duty on import of Ofloxacin.
23. There have been various past investigations, some of which are mentioned below, wherein an intermediate product was included within the scope of the product under investigation:
- Anti-Dumping investigation concerning imports of Flat Rolled Products of Stainless Steel originating in or exported from China PR, Korea RP, EU, Japan, Taiwan, Indonesia, USA, Thailand, South Africa, UAE, Hong Kong, Singapore, Mexico, Vietnam and Malaysia – Final Findings vide Notification No. 6/12/2019-DGTR dated 23rd December 2020. The Authority included hot rolled flat product and cold rolled flat product within the scope of product under consideration when cold rolled flat product is a further processed product of hot rolled flat product.
 - Anti-dumping investigation concerning imports of "Chlorinated Polyvinyl Chloride (CPVC) Resin- whether or not further processed into compound", originating in or exported from China PR and Korea RP. – Final Findings vide Notification No. 6/3/2019-DGTR dated 19th February 2020. The Authority had included both CPVC resin, which is a penultimate stage product, and CPVC compound, which is the finished product, within the scope of product under consideration.
 - Anti-Dumping Investigations concerning imports of Compact Fluorescent lamps originating in or exported from China PR, Vietnam and Sri Lanka. – Final Findings vide Notification No. 14/1/2007-DGAD dated 27th February 2009. The Authority included sealed glass tubular shells which were nothing but incomplete compact fluorescent lamps within the scope of product under consideration, i.e, compact fluorescent lamps.
 - Anti-dumping Investigation concerning import of Glass Fibre and articles thereof originating in or exported from China PR. - Final findings vide Notification No. 14/28/2009-DGAD dated 6th January 2011. The Authority included Roving, CS, CSM all within one scope of product under consideration, when roving is further processed to form CSM.

- e. Anti-Dumping Investigation concerning imports of Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates, originating in or exported from Malaysia, China PR, Chinese Taipei and USA, Notification No. 14/5/2012-DGAD dated 22nd May 2014. The Authority included both cells and modules within the scope of product under consideration wherein module was a value added product
 - f. Countervailing Duty/Anti-subsidy investigation concerning imports of certain Hot Rolled and Cold Rolled Stainless Steel Flat Products, originating in or exported from the People's Republic of China. Final Findings vide Notification No 14/18/2015-DGAD dated 04th July 2017. The Authority included Hot rolled flat product and cold rolled flat product within the scope of product under consideration when cold rolled flat product is a further processed product of hot rolled flat product.
 - g. Anti-dumping investigations on imports of 'Peroxosulphates' (also known as 'Persulphates') originating in or exported from Taiwan, Turkey and USA. – Final findings vide Notification No. 14/9/2012-DGAD dated 04th March 2014. The Authority included potassium persulphate, sodium persulphate and ammonium persulphate within scope of product under consideration wherein ammonium persulphate is further processed to form sodium persulphate and potassium persulphate.
24. Considering practices followed by the investigating authorities of other WTO member countries and the past investigations carried out in India it is noted that a product in its intermediate form, or a semi-finished form can be included within the scope of the product under consideration after due examination of following criterion among others:
- a. Whether there is no independent use of the intermediate product
 - b. Whether significant proportion of investment is made upto the intermediate stage only.
 - c. Whether manufacturing process involved from the stage of intermediate product to final product is incremental.
 - d. Whether there exists possibility of circumvention of measures,
 - e. Whether intermediate and end products have similar physical and chemical characteristics.
25. Thus, in view of the examination hereinabove, the Authority holds that the scope of the product under consideration in the present investigation includes Ofloxacin and its intermediates including O-Acid and O-Ester.
26. With regard to like article, Rule 2(d) of the Rules provides as under:
- "Like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*
27. With regards to the submission made by the interested parties that certain parties have imported from specific companies in China as the domestic industry does not have similar approval, the Authority notes that the domestic industry has demonstrated that its product has been approved by various major pharmaceutical companies and it has been regularly supplying to them. There is nothing on record to prove that the imported product and the domestically produced product are different products.
28. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from the subject country and the subject goods produced by the Indian industry. The subject goods produced by the domestic industry is comparable to the product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The Authority thus holds that the subject goods produced by the applicant domestic industry is like article to the product under consideration, in accordance with the AD Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

D.1. Submissions made by the other interested parties

29. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to the scope and standing of the domestic industry:
- The applicant has given false declaration regarding no imports of O-Acid after July 2017. As per market intelligence, Aarti drugs has been importing O-Acid through other traders.
 - There are no merchant sales of O-Acid by Aarti Drugs even after three years of imposition of anti-dumping duty, hence, Aarti Drugs cannot be considered as the domestic industry for O-Acid.
 - Aarti drugs cannot be considered domestic industry for, O-Acid/ O-Ester as it has never sold these, and only produce for captive consumption.

D.2. Submissions made by the Domestic Industry

30. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to the scope and standing of the domestic industry:
- The application has been filed by M/s Aarti Drugs Limited. The product under consideration is produced also by a number of other producers in India who merely transform O Acid into Ofloxacin. These companies source their O Acid from China PR. These companies who are importing O-Acid products cannot be treated as eligible domestic producers as they are importing one of the forms of the product under consideration. Imports of O Acid which goes into production of Ofloxacin is already covered under imports and consequently in the Indian consumption. Thus, inclusion of sale of ofloxacin produced from imported O Acid will lead to double counting and will consequently lead to inappropriate quantification of demand.
 - Applicant did not include production of those producers who are producing Ofloxacin from imported O-Acid. Further, the applicant has considered production of Ofloxacin from TFBCCL (2,3,4,5-Tetra Fluoro Benzoyl Chloride, the key raw material which is involved in production of the subject goods and does not have any other known use in India, for determination of the total Indian production.
 - The applicant has not made any imports since July 2017 until the POI. Post cessation of duties import prices declined so significantly that captively consuming O Acid is becoming unviable. The domestic industry imported 40 tons post POI at price even below the level of cost of production of the applicant.
 - The domestic industry has made significant efforts to sell O-Acid. In fact, even when there are only 5 consumers of the product, the domestic industry aggressively offered the product to these consumers through individual communication as well as series of advertisements. However, these consumers opted to look for ways out to circumvent duties.
 - The applicant accounts for more than 50% of the total production of the subject goods in India. The production by the applicant companies constitutes "a major proportion" of the total Indian production and is thus eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) and that the application satisfies the requirement of standing under Rule 5(3) of the Rules.

D.3. Examination by the Authority

31. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers".

32. The application has been filed by M/s Aarti Drugs Limited. The applicant is not related to any importer or exporter of the subject goods in the subject country, nor have they imported subject goods from the subject country during the POI. As regards the argument that the domestic industry has

imported subject goods, the Authority notes that the domestic industry did not import the subject goods during the POI. As regards the argument that the applicant has imported the subject goods from subject country, the Authority notes that the imports were made post the period of investigation of the present case. The Authority further notes that it is the imports made during the POI that is relevant to consider the eligibility of the domestic producer in terms of Rule 2(b) as it is these imports that become relevant to examine nexus of such imports on the dumping and injury alleged. Thus, the Authority considers the applicant as an eligible domestic producer in terms of Rule 2(b).

33. There are various other producers of the subject goods as listed below:
- a. Infinity Laboratories Private Limited
 - b. Srinu Pharmaceuticals Private Limited
 - c. Sreepathi Pharmaceuticals Limited
 - d. Neuland Laboratories Limited
 - e. Biotavia Labs Private Limited
 - f. Om Pharmaceutical Industries
34. However, all the other producers are largely importing O Acid, i.e, a form of product under consideration. The Authority has determined standing after excluding Ofloxacin produced from imported O Acid.
35. The Authority notes that the production of those producers who are buying O-Acid either from the foreign or domestic suppliers for producing Ofloxacin is not required to be taken into account to determine total Indian production. The producers who are importing O-Acid and manufacturing Ofloxacin from imported O-Acid are in any case are importer of the product under consideration and hence such production cannot be treated as eligible Indian production for determination of eligibility as domestic industry. Further, production of those producers who are buying O-Acid from the Indian suppliers and selling Ofloxacin in the market is already included in the production of O-Acid and hence it cannot be included to prevent double counting.
36. Thus, in view of the above, the total domestic production has been determined on the basis of consumption of O Acid produced captively and TFBCL (basic raw material) and its conversion factor to Ofloxacin. Based on the information on record, it is noted that the applicant accounts for around 85-95% of the total domestic production. Further, it is also noted that even if production of Ofloxacin produced out of imported O Acid is included, the production by the applicant will still constitute “a major proportion” of such total Indian production.
37. In view of the above, the Authority holds that M/s Aarti Drugs Limited constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3).

E. ISSUES OF CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions made by the other interested parties

38. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to issues of confidentiality:
- a. The non-confidential version of the petition does not allow for a reasonable understanding of the allegations contained therein.
 - b. The domestic industry has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition. In response to Section-VI (Costing Information) of the petition, the domestic industry has not furnished any information at all.
 - c. The petitioner has claimed excessive confidentiality in respect of Annual Reports in contravention of the Trade Notice 01/2013 dated 9th December 2013 which mandates the petitioner to provide annual reports and balance sheets.
 - d. All entities engaged in the production and export of subject goods to India have filed the questionnaire response. As a result, the value chain is complete and individual margins should be determined.

- e. All foreign producers/exporters have filed the response as per the Trade Notice No. 10/2018. The complete information has been filed concerning affiliation, sales, and export of subject goods to India.
- f. The parameters such as inventory, R&D expense, cost of sales, PBIT, interest finance cost etc. have not been provided as they are not required to be provided as per the new questionnaire format. The respondents have also clearly disclosed regarding engagement of related party in the production and sales of the PUC.

E.2. Submissions made by the Domestic Industry

39. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to issues of confidentiality:
- a. Excessive confidentiality has been claimed by all the producers/exporters in blatant contravention of the Trade Notice issued vide notification no. 10/2018 dated 7th September 2018.
 - b. The domestic industry is prevented from defending its interests before the Authority, in as much as the responding exporters have failed to disclose relevant information in the non-confidential version of the responses.
 - c. The various relevant information have been either claimed confidential or not given in a proper format to allow reasonable understanding. These are:
 - i. Performance parameters
 - ii. Name of related or unrelated producers
 - iii. Exporters or traders forming channel of distribution
 - iv. Adjustments to normal value and export price
 - v. Raw material or utility purchased from related parties, details of supplies, fair market thereof, etc.
 - vi. Corporate structure / list of companies engaged in production, sale or purchase of product under consideration
 - vii. Financial or contractual links and joint ventures
 - viii. Manufacturing process
 - ix. Raw materials used
 - d. The Applicant has provided non-confidential summary of the requisite annexures and entire Section VI does not have single line reply. Further, requisite information has been shared with DGTR and annual reports are publicly available.

E.3. Examination by the Authority

40. Various submissions made by the applicant as well as other interested parties during the course of the investigation with regard to confidentiality, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined below.
41. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:
- “Confidential Information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and subrule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*
- a. *The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarisation is not possible.*

- b. *Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*"
42. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. With regard to the other interested parties claim of excess confidentiality in respect of Annual reports by the domestic industry it is noted that the applicant has not claimed its annual report as confidential in its confidentiality reasoning statement. It was however noticed that the copy of the annual report claimed to have been enclosed in the non-confidential version of the application was not actually enclosed. But subsequently, on being pointed out, the relevant link was provided to all the interested parties for access to the annual report. In any case, the information contained in the annual report is available in the public domain.
43. The Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
44. A list of all interested parties was uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

F.1. Submissions made by the other interested parties

45. Following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:
- The HSN codes for Levofloxacin O Acid, Ofloxacin O Acid, Ofloxacin, Levofloxacin, Levo O-Ester, O- Ester are similar and the import data may as well have included these. The material imported at high seas, by export-oriented units, special economic zones may as well be included in the import data.
 - The applicant cannot cater to the entire domestic demand in India. The applicant themselves bought Ofloxacin from Infinity.
 - The samples for O-Acid given by Aarti Drugs Limited has failed as per the specifications given by them.
 - The dependence on China will not reduce by imposition of duties on O-Acid/O-ester. There are number of raw materials which will still be imported from China such as Tetra Fluro Benzoyl Chloride (TFBC), Acrylatel, Di-Alanino, DMF etc.
 - The production of ofloxacin from imported O-Acid will require imports of only 4 raw materials whereas production of Ofloxacin through the process adopted by the applicant requires import of 9 raw materials from China.
 - Inner Mongolia Yuan Hong Fine Chemical Co. Ltd. is not only the largest producer of O-acid currently but also the largest manufacturer of Tetra Fluro Benzoyl Chloride (TFBC). The loss from O-acid will result in the substantial increase in the prices of Tetra Fluro Benzoyl Chloride (TFBC). Another manufacturer in China has also increased TFBC prices. The Tetra Fluro Benzoyl Chloride (TFBC) prices have increased almost 20% since the news of initiation of anti-dumping investigation.
 - Despite giving so many benefits the PLI for Ofloxacin failed on account of major reason being no current availability of raw materials in India. No applicant has received approval for PLI scheme for Ofloxacin as they are unable to fulfill the requirement of 70% cost price to be indigenous in India.

F.2. Submissions made by the Domestic Industry

46. Following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:
- The arguments on value addition is false and misleading. The Authority has earlier determined that the cost of O-Acid account for 85% of total cost of Ofloxacin, further, the value addition is in the range of 0-10%.

- b. The DGCI&S import data has been segregated based on chemical names such as “Ofloxacin; Ofloxacin Q-Acid; Ofloxacin IP; Ofloxacin IP/USP; Ofloxacin Ester”.
- c. The applicant has sufficient capacity to cater the demand. The applicant has not purchased Ofloxacin from any party. M/s. Pinnacle Life Science Pvt Ltd, a wholly owned subsidiary of the applicant, which operates independently in all aspects of running its business, has purchased *** tons of Ofloxacin from Infinity.
- d. Analysis of control samples shows that they were as per the specifications and in line with ones submitted for approval. Impurities known & un-known in Ofloxacin acid are within limits and comply with end product pharmacopeia specifications.
- e. The dependence on China will reduce after imposition of antidumping duty as the applicant has the technology for manufacturing TFBC and have plans to manufacture it in-house, NMP is now available locally, DL-Alaninol is being imported from Germany. Thus, the only material for which the Indian producers will have to depend on China is Acrylate.
- f. The Authority should emphasise on the value addition as against the number of items. The total raw material cost was Rs. ***lacs during the POI, whereas the value on account of other raw materials was only Rs. *** lacs.
- g. Indiscriminate increase in TBFC prices on account of anti-dumping investigation on O-Acid is the biggest justification for imposition of antidumping duty. Not only it shows monopolistic approach, but also a threat, and a fact that the Chinese producers’ prices are not cost driven, but opportunity driven.
- h. M/s. Sreepathi Pharmaceuticals Limited and M/s. Global Pharma Healthcare Private Limited has applied for benefit under PLI scheme and the same has been considered and accepted.
- i. The applicant produces over 80 products but have sought relief through trade remedial measures for only 3 products.

F.3. Examination by the Authority

47. The Authority has noted all the miscellaneous submissions by all the interested parties and has examined the submissions as follows:
 - a. With regard to the submission that import data may have included products other than the PUC due to similar HSN codes, the Authority notes that transaction wise import data from DGCI&S has been segregated based on product description and such segregated import data of product under consideration have been considered for the purpose of present investigation.
 - b. With regard to the submission that the applicant cannot cater to the Indian demand, the Authority has examined the capacity available with the applicant and it is noted that the applicant has sufficient capacity to cater the entire Indian demand. Besides, there is another producer also which has started production of the subject goods. In any case, demand supply gap does not justify dumping. Imposition of anti-dumping duty is only to ensure imports at fair prices and not prevent import per se.
 - c. With regards to the submission made by some interested parties that none of the Indian Industry have received approval under PLI scheme due to non-fulfilment of local content requirement implying thereby that the producers in India are dependent on imported raw material from China, the Authority notes that the antidumping investigation is to prevent dumping of the subject goods and it is immaterial to the investigation whether or not the applicant is dependent on China for some of the raw materials. In any case, it should be endeavoured to curb dumping of the raw materials to make the country more self-reliant, especially in pharmaceutical sector.

G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

48. As per Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:
 - i *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when destined for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

- ii *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*
- comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

G.1. Submissions made by the other interested parties

49. The interested parties have submitted as follows with regard to normal value, export price and dumping margin:
- The average normal value, export price and non-injurious price for the 3 PUCs are imprecise and unrepresentative. Different review investigations would have allowed objective examination and a representative finding of each product separately.
 - The export price of O-Acid cannot be compared with the normal value and NIP of Ofloxacin as the cost of O-Acid is lower than Ofloxacin.
 - China should not be treated as NME after 11th December 2016 as per Section 15 of China's accession protocol. The normal value should be calculated in accordance with Article 2 of Anti-dumping agreement. The Authority at the very least should apply the data on costs and prices provided by the company in their respective responses, for the determination of the normal value.
 - The domestic industry has failed to provide any evidence concerning the deductions in the export price.

G.2. Submissions made by the domestic industry

50. The domestic industry has submitted as follows with regard to normal value, export price and dumping margin:
- The Authority should follow para 1 to 6 of Annexure I to the rules for determination of normal value only if the responding Chinese are able to demonstrate that their costs and prices can be adopted. The Authority should follow para 7 of Annexure I to the rules for determination of normal value for Chinese producers.
 - The domestic industry has not been able to gather information on prices of subject goods in market economy third country or prices from such a third country to any other country, including India as there is no other country apart from India and China PR which produces the subject goods.
 - Normal value has been calculated based on price actually payable in India with due adjustments.
 - The dumping margin of the imports from the subject country is substantial.
 - In view of difference in cost and price of Ofloxacin and its intermediates, the normal value, export price and dumping margins can be determined separately. However, thereafter, the Authority should determine weighted average dumping margin for the product under consideration, considering the law and past established practice.

G.3. Examination by the Authority

51. The Authority had sent questionnaire to the known producer/exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have co-operated in the investigation by filing the prescribed questionnaire responses:

- a. M/s Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)
- b. M/s China Sinopharm International Corporation (Exporter)
- c. M/s Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation (Exporter)
- d. M/s Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)
- e. M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. (Producer)
- f. M/s Zhejiang Medicines and Health Products Import and Export Co., Ltd (Exporter)
- g. M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd (Producer)

A.1 Determination of Normal Value

52. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: "Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

- (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
- (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

53. It is noted that while, the provisions contained in Article 15(a)(ii) have expired on 11.12.2016, the provisions under Article 2.2.1.1 of the WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the India's Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the

market economy status. It is noted that since neither of the responding producer and the exporter from China PR have submitted supplementary questionnaire response, the normal value computation is required to be done as per provision of para 7 of Annexure I of the Rules.

54. The Authority also notes the existing jurisprudence on constructing the normal value in case of a non-market economy contained in the Supreme Court judgement in Shenyang Mastsushita S. Battery Co. Ltd. vs M/s Exide Industries Ltd. (Civil Appeal No. 617112003 dated 2312/2005), Guwahati High Court in M/s Century Plyboards (I) Ltd & Anr.-vs- Union of India & tur. (W.P No. 6568/2017 dated 411012018) and CESTAT, Principal Bench, New Delhi in Apollo Tyres Ltd, vs Union of India (Appeal No. C1768,600,601,773,769/2005-AD-dated91912005), Kuitun Jinjiang Chemical Industry Co. Ltd. vs Union of India (Appeal no. 52291 of 2019 dated 5th August 2020). These judgements provide directions regarding implementation of para 7 of annexure 1 to AD Rules with respect to the choice of an appropriate option, and associated obligations thereof.
55. As none of the producers from China PR have filed the Supplementary Questionnaire response, the normal value has been determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Rules. Para 7 lays down hierarchy for determination of normal value and provides that normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to any other country, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin.
56. During the course of investigation, the Authority considered submissions by interested parties to determine an appropriate methodology for determination of normal value. The domestic industry has submitted that it was not able to gather information on prices of subject goods in market economy third country or prices from such a third country to any other country, including India as there is hardly any country apart from India and China PR which produces the subject goods.
57. The Authority is, therefore, constrained to construct the normal value for China PR on the basis of the cost of production of domestic industry, selling, general and administrative expenses based on experience of domestic industry and reasonable profit margin. The constructed normal value so determined for Chinese producers/exporters is mentioned in the dumping margin table.

A.2 Determination of export price

i. M/s. Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd, M/s. China Sinopharm International Corporation, and M/s. Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation

58. M/s Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd (“Anhui Bio Compounds”) is the producer and have exported the subject goods to India through M/s. China Sinopharm International Corporation, and M/s. Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation. M/s. China Sinopharm International Corporation has also exported through M/s. Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation. All the three companies, namely, M/s. Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd, M/s. China Sinopharm International Corporation, and M/s. Sinopharm Healthcare Technology (Henan) Corporation have provided the relevant information in the prescribed exporters questionnaire format.
59. It is noted that during the POI, M/s Anhui Bio compounds Pharmaceutical Co., Ltd has produced and exported *** MT of subject goods (O-Acid) to unrelated customers in India. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

ii. M/s. Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd.

60. M/s Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd. is the producer and have exported the Ofloxacin to India directly during POI. It is noted that the exporter has sent only one consignment of ***MT during POI. Further, the unit price of Ofloxacin exported by M/s Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd is found to be much higher as compared to the export price of the Ofloxacin exported by other producer(s) during the relevant period. The exporter has made no submission either with regard to the volume or price, or appropriateness of the same for determination of dumping margin. The Authority notes that the exporter is under obligation to establish the appropriateness of the export price, particularly in situations involving such low volumes and high invoice price. Considering these factors, the Authority considers that it would not be appropriate to grant individual dumping margin to the producer.

iii. M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd., and M/s. Zhejiang Medicines and Health Products Import and Export Co., Ltd

61. M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. is the producer and have exported the subject goods to India through M/s. Zhejiang Medicines and Health Products Import and Export Co., Ltd. Both companies, namely, M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd., and M/s. Zhejiang Medicines and Health Products Import and Export Co., Ltd have provided the relevant information in the prescribed exporters questionnaire format.
62. It is noted that during the POI, M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. has produced and exported *** MT of subject goods (O-Acid) to unrelated customers in India. All these exports were made to unrelated customers in India. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed by the Authority, wherever applicable. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

iv. M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd

63. M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd is the producer and have exported the subject goods (Ofloxacin) made out of purchased O-Acid to India directly. M/s. Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd has provided the relevant information in the prescribed exporters questionnaire format.
64. The response was not accepted at the stage of disclosure of essential facts. However, the exporter provided relevant documents and information, post issuance of disclosure statement. The Authority has therefore evaluated the information provided by the exporter in its questionnaire response and also the information submitted after issuance of disclosure statement, and has accepted the same after making appropriate adjustments. It is noted that the company purchases O-Acid from market, produces Ofloxacin and sells the same in the market. Further, adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, and bank charges have been claimed by the producer/exporter and the same have been allowed by the Authority, wherever applicable. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below:

Dumping Margin Table

S.No	Producer	NEP USD/kg	NV USD/kg	DM	DM%	Range
1.	M/s Anhui Biocompounds Pharmaceutical Co., Ltd.	***	***	***	***	25-35
2.	M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
3.	M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd	***	***	***	***	0-10
4.	All Others	***	***	***	***	30-40

H. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

H.1. Submissions made by the other interested parties

65. The following submissions were made by the other interested parties with regard to injury and causal link:
- The injury calculations should be done separately as Ofloxacin, O-Acid and O-Ester are not substitute for each other.
 - O-Acid produced by Aarti Drugs is not comparable to Chinese O-Acid. Further, unlike Ofloxacin there is no set parameters to test O-Acid. The proper comparison requires the determination of specification for O-Acid.

- c. The applicant has made profits of Rs. 175 crores in FY 2019-20 and Rs. 338 crores in FY 2020-21 as per their balance sheets. The profits increased by 93% whereas increase in revenue is just 15%.
- d. The price of O-Acid is relatively lower than the price of Ofloxacin. The comparison of the import price of O-Acid with Net Sales Realization and NIP of Ofloxacin will show positive price undercutting and price underselling. However, such comparison is not fair.
- e. The domestic industry cannot seek duties on O Acid and cannot claim material injury due to imports of O-Acid as the domestic industry has not made any merchant sales of O-Acid.
- f. There are significant imports of O-Acid as the domestic industry is producing the same solely for captive consumption. The volume of Ofloxacin imported into India are insignificant and cannot cause any alleged injury to the domestic industry.
- g. The import volume from the subject country declined significantly in the POI. The performance of the domestic industry in sales volume, market share, capacity, and production of domestic industry indicate that they are not suffering from any injury due to imports from China PR.
- h. Rising inventories cannot be considered as indicative of injury as it is only an expected outcome of the increase in sales of the domestic industry.
- i. Price undercutting was the lowest in the injury period and landed price was highest during the POI.
- j. There is no volume effect of the subject imports.
- k. Negative price undercutting shows that the domestic industry is selling their goods at a price lower than the import price.
- l. The domestic industry is not selling O-Acid/Ester in the market. Transfer pricing for captive consumption must have been taken, which can be manipulated to invent injury. There is no price injury.
- m. There is a need to examine non-attributive factors to ascertain causal link.
- n. The imports were necessary to meet the Indian demand as the domestic industry was not selling O-Acid in open market to kill the competition in the downstream product namely Ofloxacin.
- o. The claim that if anti-dumping duty is imposed on Ofloxacin and not on O Acid or Ester then Ofloxacin will become unviable is wrong as Infinity is manufacturing Ofloxacin after importing O Acid and still earning and competing with all manufacturers over the world and is facing no issues and has even reduced the Chinese Ofloxacin dependence in India by providing it at competitive price.
- p. The Authority has not even found prima facie evidence regarding threat of material injury after examining the petition filed by the domestic industry. Therefore, claim of domestic industry regarding threat of material injury is redundant.

H.2. Submissions made by the Domestic Industry

66. The following submissions were made by the domestic industry with regard to the injury and causal link:
- a. The injury examination should be undertaken in the light of the fact of existence of duties in place for major part of the injury period. While duty on Acid (and Ester) was applicable till July 2020, duty on Ofloxacin was applicable till March 2021. Material injury and further threat of material injury is visible if comparison is made between POI and preceding year when there were no duties in force on O Acid.
 - b. The anti-dumping duty was on imports of the O-Acid from the subject country since July 2017 and since March 2018 on Ofloxacin. The duty was in force till July 2020 on O Acid and duties on Ofloxacin was present for the complete POI. Immediately after expiry of duty on O-Acid, the subject imports have increased by 20% in 2019-20 in comparison to the previous year and further increased by another 80% in the POI since 2019-20.
 - c. The month wise import summary clearly shows the significant increase in imports of O-Acid immediately after expiry of the anti-dumping duty on O-Acid. Imports have increased in both absolute as well as in relation to production and consumption.

- d. The landed price of imports of O Acid is not only below the selling price of the domestic industry but also below the level of cost of production of the domestic industry. Import price of Ofloxacin is also below the selling price of the domestic industry. Imports are, thus, significantly undercutting the domestic prices.
- e. The undercutting was negative with duties in force, as soon as duties lapsed on O Acid, the price undercutting became positive. Major imports in the POI are of O Acid. The cost of sales increased throughout the injury period whereas the selling price increased till 2019-20 and then declined in the POI. With imposition of anti-dumping duty earlier, the domestic industry was able to increase the selling price. However, with cessation of duties on O Acid, in the POI, imports increased at dumped prices and the domestic industry was unable to increase its prices to the level of increase in cost of sales.
- f. The monthly selling price of O-Acid declined and in the same time period, the price of Ofloxacin also declined. The decline in import price of O Acid has had a direct bearing on the prices of Ofloxacin, leading to decline in the selling price of Ofloxacin in the domestic market. Since the domestic industry had to compete with these lower selling price of Ofloxacin, it was forced to reduce the prices during the POI.
- g. Production, sales, capacity utilization, market share in demand have declined in the POI as compared to the previous year.
- h. The domestic industry has lost significant sale volume in the POI just after expiry of duty on O-Acid. The sales volume went down from *** MT in 2019-20 to *** MT in the POI. Thus, increase in inventory is a factor of injury to the domestic industry.
- i. The decline in import price of O Acid led to decline in the selling price of Ofloxacin in the domestic market. Since the domestic industry had to compete with these lower selling price of Ofloxacin, it was forced to reduce the prices during the POI.
- j. The captive sales price has been taken into account for calculating selling price of the domestic industry. The applicant transfers the O Acid on costs. Further, the applicant has also made some sales of O Acid and information on such sales has also been provided.
- k. There are no imports of the subject goods from other countries. Further, the demand has also not undergone substantial change.
- l. The cost of sales increased throughout the injury period whereas the selling price increased till 2019-20 and then declined in the POI. The decline in import price of O Acid has had a direct bearing on the prices of Ofloxacin.
- m. Production, capacity utilization and sales have increased till 2019-20 and significantly declined thereafter in the POI.
- n. The market share of the domestic industry increased from the base year to 2019-20, however, declined significantly in the POI. The market share of the subject country increased significantly in the POI, by almost 70% in comparison to 2019-20.
- o. The performance of the domestic industry improved with the imposition of duties. However, with cessation of duties on O Acid in the POI, profitability, cash profit, PBIT and ROI of the domestic industry, which improved till 2019-20 declined drastically in the POI.
- p. The inventories increased throughout the injury period and increased by more than 800% in the POI when compared with the base year.
- q. Growth in most parameters such as production, sales, profits and inventories of the domestic industry was negative in the POI.
- r. The domestic industry has added capacity during the injury period and now they are not able to fully utilize the same. This would affect its ability to raise any further capital investments.
- s. There is significant difference between the prices offered by the domestic industry and the foreign producers. The domestic industry lost sales opportunity despite sufficient demand in India, which is a direct consequence of dumped imports from the subject country.

- t. Increase in losses, negative return on capital employed and cash losses are directly a result of dumped imports;
- u. Production and sales have declined despite increase in demand and unutilized capacity due to presence of dumped imports.
- v. The opposing interested parties have given mere statements without evidence to claim inferior quality of product. The domestic industry is the major producer of Ofloxacin and the O Acid for the same has been produced in-house. This in itself guarantees the quality of the product.
- w. There is no direct correlation between revenue and profitability. Profit figures have been quoted on gross level from the annual reports and is not based on the performance of the subject goods alone.
- x. The comparison for the purpose of price undercutting, underselling and dumping margin is being done separately having regard to the cost of the product types.
- y. O-Acid is being substantially imported into India as the antidumping duty ceased to exist on O Acid since July 2020. The volume of Ofloxacin imported into India is low because of existence of anti-dumping duty till March 2021.
- z. Injury to the domestic industry is very clear when seen with background of anti-dumping duties earlier imposed and also persistent presence of Chinese dumped products at various stages.
- aa. With imposition of duty on O Acid, the exporters started circumventing by dumping O Ester. Thereafter, as soon as the duties ceased, O Acid imports started coming at low price depressing the prices of the domestic industry. This movement of imports without duty and the corresponding effect on the domestic industry clearly shows the injurious effect of imports on the domestic industry.
- bb. China accounts for 68% of India's imports of active pharmaceutical ingredients (API) and close to 100% of inputs for certain drugs. This overdependence became a big problem earlier this year, when many Chinese drug factories were closed due to the Covid19 pandemic. Prices shot up and India had to temporarily restrict exports of dozens of ingredients and drugs that use them, including some common antibiotics.

H.3. Examination by the Authority

- 67. The Authority has examined the arguments and counterarguments of the interested parties with regard to the injury to the domestic industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the submissions made by the interested parties.
- 68. Rule 11 of the Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve an examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...*". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or to prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.
- 69. The Authority has taken note of various submissions made by the domestic industry and other interested parties on injury and causal link and has analyzed the same considering the facts on record and the applicable laws. The injury analysis made below *ipso facto* addresses submissions made by the domestic industry and the other interested parties.
- 70. Definitive antidumping duties were imposed on Ofloxacin through Notification dated 15th March 2018 and on O Acid through Notification No. 12th March 2018, and the duties were in place only for 3 years. Imposition of duties on O-Acid led to circumvention by the producers by way of imports of O-Ester, a penultimate stage product. Thus, antidumping duties imposed on O Acid was also extended to O Ester. The duties on O Acid and O Ester lapsed in July 2020. The injury examination hereinunder has been undertaken by taking this background into consideration.

71. It is also noted that the despite the POI covering Apr-Jun 20 quarter affected by COVID19 pandemic, the domestic industry, unlike other industries, did not get adversely impacted on account of the pandemic due to the applicant domestic industry coming under the “essential industry” category and consequently not having to undergo shut down during the COVID period. It is thus noted that there was no material effect of COVID 19 pandemic on the performance of the domestic industry.

I. Assessment of Demand/Apparent consumption

72. For the purpose of the present investigation, the Authority has defined demand or apparent consumption of the product concerned in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Demand in India	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>118</i>	<i>165</i>	<i>137</i>
Sales of other Indian producer(s)	MT	-	-	-	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	-	-	<i>100</i>
Imports from Subject Country China	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>29</i>	<i>21</i>	<i>37</i>
Imports from other Countries	MT	-	-	-	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	-	-	-
Total Indian Demand	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>66</i>	<i>81</i>	<i>88</i>

73. It is noted that the demand for the product under consideration has declined in 2018-19 but has increased consistently thereafter throughout the injury period. However, demand during the POI was still below that in the base year.

II. Volume effect of dumped imports

74. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S. The import volumes of the subject goods from subject country and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Imports from Subject Country	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>28</i>	<i>20</i>	<i>37</i>
Imports of					
a. Ofloxacin	MT	***	***	***	***
b. O Acid	MT	***	***	***	***
c. O Acid Ester	MT	***	***	-	-
Other Imports	MT	-	-	-	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	-	-	<i>100</i>
Subject Imports in relation to					

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Indian Production	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	24	12	23
Consumption	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	43	25	42

75. It is seen that imports from subject country, in absolute terms, has seen a declining trend till 2019-20 and then increased significantly in the POI. Imports in relation to production and consumption also declined till 2019-20 and then increased significantly in the POI. It is noted that antidumping duties were earlier in force on subject goods from the subject country since March 2018. While the antidumping duties on intermediates, O Acid and O-ester lapsed in July 2020, the duty on Ofloxacin was in force till March 2021.
76. Subject imports in both absolute terms and relative terms have declined with imposition of duties, however, with expiry of the duty on O Acid, the imports have once again increased significantly. Quarterly movement in the import data of O Acid in the POI can be seen below:

Imports from China (MT)		
Quarter	Volume in MT	Trend
Q1 April-June 2020	***	100
Q2 July-Sept 2020	***	3100
Q3 Oct-Dec 2020	***	4800
Q4 Jan-Mar 2021	***	7200

III. Price Effect of the Dumped Imports

77. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed price of imports from the subject countries with the net sales realization of the domestic industry for the subject goods.

a) Price Undercutting

78. To determine price undercutting, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

Particulars	Units	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Selling price	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	129	137	136
Landed price	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	114	131	147
Price undercutting	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	216	170	73
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	0-20	20-40	20-40	0-20

79. It is seen that landed price of imports is below selling price of the domestic industry throughout the injury period and are thus undercutting the prices of the domestic industry.
80. Further, considering that the imports are largely of O Acid, the Authority has also determined undercutting after adding the value addition from O Acid to Ofloxacin to the landed price of imports of O Acid and comparing it with the selling price of Ofloxacin.

Particulars	UOM	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Constructed Landed Price of Ofloxacin	Rs/Kg	***	-	***	***
Indexed		100	0	117	138
Selling Price of Ofloxacin	Rs/Kg	***	***	***	***
Indexed		100	129	137	136
Price Undercutting	Rs/Kg	***	***	***	***
Indexed		100	0	1,258	6
Price Undercutting	%	***	-	***	***
Price Undercutting Range		0-10	-	10-20	0-10

81. It is seen that the imports are undercutting the prices of the domestic industry

b) Price Suppression and Depression

82. In order to determine whether the effect of imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred, the information given by the domestic industry for the changes in the costs and prices over the injury period has been compared with the landed value.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of Sales	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	123	130	141
Selling Price	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	129	137	136
Landed price (Weighted average of all forms of PUC)	₹/kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	114	131	147

83. It is seen that both, cost of sales and selling price both increased initially from 2017-18 to 2019-20. The cost of sales increased in POI as well, however, selling price of the domestic industry declined. It is noted that the landed price of the imports has been below the level of even cost of sales of the domestic industry.
84. The domestic industry has submitted that domestic selling price of Ofloxacin is linked to the import price of O Acid. They further submitted that post cessation of duty on O-Acid, the imports of O-Acid increased at dumped price and that the increase in imports of O-Acid at dumped prices also had its effect on the price of Ofloxacin in the domestic market as is noted from the table below. For the purpose, the Authority has considered the value addition from O-Acid to Ofloxacin:

Imports-O Acid	Landed price of O Acid (Rs/kg)	Constructed Ofloxacin price	Selling price of Ofloxacin (Rs/kg)
Apr-20	-	-	***
May-20	***	***	***
Jun-20	-	-	***
Jul-20	-	-	***
Aug-20	***	***	***
Sep-20	***	***	***
Oct-20	***	***	***
Nov-20	***	***	***
Dec-20	***	***	***
Jan-21	***	***	***
Feb-21	***	***	***
Mar-21	-	-	-

85. Thus, it is seen that the landed prices of O Acid have adversely affected the prices of Ofloxacin in the domestic market.

IV. Economic Parameters of the Domestic Industry

86. Annexure II to the Rules provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

a) Capacity, production, capacity utilization and sales

87. The performance of the domestic industry with regards to capacity, production, capacity utilization and sales is as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>165</i>	<i>137</i>
Capacity utilization	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>165</i>	<i>137</i>
Domestic sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>118</i>	<i>165</i>	<i>137</i>

88. It is noted that production, sales and capacity utilisation have also increased till 2019-20, however, immediately with expiry of duty on O acid, these parameters declined despite increase in demand.

89. Various interested parties have contended that the applicant industry does not have sufficient capacity to cater the demand in the country. However, it is noted that the domestic industry has not been able to utilise its capacities to the optimum level and significant share of the capacity with the domestic industry is still lying unutilised.

b) Market Share

90. Market share of the domestic industry and other Indian producers is as below:

Particulars	Units	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Domestic industry	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	178	202	155
Indian producers as a whole	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	178	202	180
Subject country imports	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	43	25	42

91. It is seen that the market share of the domestic industry and that of Indian domestic industry as a whole, increased after the imposition of anti-dumping duty till 2019-20, however, the same declined significantly soon after the expiry of the duty on one form of the product under consideration, i.e., O-Acid. The market share of China which had declined to ***% in 2019-20 has increased to ***% in the POI.

c) Inventories

92. Inventory with the domestic industry over the injury period are as below:

Particulars	Units	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Average inventory	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	260	541	871

93. The average inventory level with the domestic industry has increased significantly throughout the injury period.

d) Profitability, cash profits and return on capital employed

94. Profitability, return on capital employed and cash profits of the domestic industry over the injury period is as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of Sales	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	123	130	141
Selling Price	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	129	137	136
Profit/Loss	₹/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	370	400	-45
PBIT	₹ Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	278	395	10
Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	307	459	8
ROI	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	227	268	7

95. It is seen that:

- i. The cost of sales and selling price increased initially till 2019-20. However, in POI, selling price has declined despite increase in cost of sales.
- ii. The profit/Loss, profit before interest and tax, cash profit and ROI also increased till 2019-20, however, all factors declined significantly in the POI corresponding to increase in imports once again in the POI.

96. It is noted that the domestic industry was materially injured by the dumped imports and anti-dumping duties on ADD got imposed in 2018. The performance of the domestic industry improved with the imposition of duties. However, with cessation of duties on O Acid, all parameters have shown significant decline.

e) Employment, Wages and Productivity

97. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
No. of employees	No.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>102</i>	<i>102</i>
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>165</i>	<i>137</i>
Productivity per employee	MT/No	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>116</i>	<i>162</i>	<i>134</i>
Wages	₹ Lakhs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>119</i>	<i>243</i>	<i>401</i>

98. It is seen that the level of employment has remained almost the same despite increase in capacity. Productivity per day has increased consistently but again declined in the POI. Wages paid has increased throughout the injury period.

f) Growth

99. The trend of volume and profit parameters of the domestic industry are as under:

Growth	Units	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Production	%	-	17	41	-17
Domestic Sales	%	-	18	40	-17
Profits	%	-	335	52	(109)
Cash Profit - Rs. Lacs	%	-	207	49	-98
Return on Capital Employed	%	-	125	18	-97

100. It is noted that the growth of the domestic industry has been positive and has also increased in respect of volume parameters till 2019-20, however, the same declined significantly in the POI. The price parameters have also registered negative growth in the POI.

g) Ability to Raise Capital Investments

101. The Authority notes that domestic industry is incurring significant losses in the POI.

h) Magnitude of Dumping Margin

102. It is noted that the subject goods are being dumped into India and the dumping margin is positive and significant.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

103. The Authority has determined the NIP for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating injury margin. For determining the NIP, the best utilisation of the raw materials, utilities and capacities by the domestic industry over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the PUC was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

104. Based on the landed price and NIP determined as above, the injury margin for producers and exporters as determined by the Authority and the same is provided in the table below:

Injury Margin Table

S.No	Producer	LV USD/kg	NIP USD/kg	IM	IM %	Range
1.	M/s Anhui Biocompounds Pharmaceutical Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20
2.	M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20
3.	M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd.	***	***	***	***	0-10
4.	All others	***	***	***	***	20-30

J. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

105. As per the Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than dumped imports which at the same time are causing injury to the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, development in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry:

a. Volume and value of imports not sold at dumping prices

106. Imports of product under consideration are only from the subject country.

b. Contraction in demand or changes in the pattern of consumption

107. There is increase in demand in the POI.

c. Pattern of change in consumption

108. The pattern of consumption for the product under consideration has not undergone any change.

d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

109. There is no trade restrictive practice.

e. Developments in Technology

110. Technology for production of the product under consideration has not undergone any change.

f. Export Performance of the domestic industry

111. Injury examination has been conducted for the domestic operations of the domestic industry.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**Submissions made by the other interested parties**

112. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to the Indian industry's interest:
- The applicant cannot cater to the entire domestic demand in India. The applicant themselves bought Ofloxacin from Infinity.
 - The dependence on China will not reduce by imposition of duties on O-Acid/O-ester. There are number of raw materials which will still be imported from China such as TFBC, Acrylatel, Di-Alanino, DMF etc.
 - In absence of imports, sole producer would monopolize the market, however, it will not be able to meet the demand of the domestic market. As a result, the petitioner could manipulate the price of the product.
 - The generic medicine business will suffer the most due to increase in prices of API as even marginal increase can cause direct impact on cost of final strip. For example, Ofloxacin Table 200mg sold by Jan Aushadhi centre costs Rs. 13 and with discount the price charged to end consumer is Rs. 11.5. Any increase will have to be paid by the end consumer only. Further, increase of 10-15% at manufacturer level will lead to 25-30% increase for MSME companies.
 - After imposition of anti-dumping duties on Ciprofloxacin on an application by Aarti Drugs and Godavari Drugs, the prices increased by 25%. This increase was in light of increase in the prices of other raw material imported from China, as producers in China tried to compensate ADD on ciprofloxacin. In the current case, there will be only one player and the situation will be severe.
 - The application of duty will not be in public interest.

Submissions made by the domestic industry

113. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the Indian industry's interest:
- The domestic industry submits that Ofloxacin acid is produced only in India and China. Thus, if the domestic industry is not protected the consumers will be completely dependent on just one source, i.e., China.
 - The Domestic Industry has created huge capacity and has been consistently manufacturing the product under consideration for more than two decades.
 - The effect of anti-dumping measures on public interest must be studied from the perspective of interests of different set of parties. The impact of anti-dumping duty on end consumers for end product -Toflox 200mg Tablet is a meagre Rs. 1.41 per strip.
 - The increase in prices of Ciprofloxacin was due to increase of raw material prices in China. This highlights the issue regarding overdependence on China PR for crucial raw materials.
 - The product under consideration is a class of antibiotics that is crucial in the treatment of various diseases. The country cannot depend upon Chinese imports solely for the requirements of the subject goods.
 - China has been exporting the subject goods to India at dumped prices causing injury to the domestic industry. Thus, it is important to impose anti-dumping duty in order to discourage the dumped import of the subject goods.
 - With no demand-supply gap and no reliance on imports, the Indian industry is a totally Atmanirbhar Industry.
 - There are several producers of subject goods in the country. Hence, the product will be available at competitive market price and there is no scope of exploitation of users or creation of a monopolistic situation in the industry.
 - India is heavily relying on China for imports of APIs medicines. If there will be any breakdown of supplies from China, India will find it difficult to find an alternate source of APIs. Therefore, Indian pharmaceutical market should reduce dependence on China and focus on domestic manufacturing.

- j. The domestic industry also noted that Government of India is also promoting domestic manufacturing of critical Key Starting Materials (KSMs)/Drug Intermediates (DIs) and Active Pharmaceutical Ingredients (APIs) in order to reduce import dependence in critical APIs and thus promote self-reliance.
- k. The Chinese government is heavily promoting API industry in China by providing them various subsidies, incentives and have also established special R&D parks to encourage the development of new products and processes in the pharmaceutical sector. Therefore, duties need to imposed in order to provide level playing field to the Indian industry.
- l. In case of Penicillin G, there were many producers in India. Earlier it was noticed that there were huge imports of Penicillin G from China. The domestic industry requested anti-dumping duties but duties were not imposed. Thus, this led to a situation where there is no producer of Penicillin G in the country.
- m. M/s. Infinity Laboratories in the oral hearing claimed that their performance gets impacted because of duties in force and ofloxacin covers more than half of the firms' operation. However, publicly available information indicates that ROI for the said company was significant when the duties were in force.

Examination by the Authority

114. The Authority examined whether the imposition of the anti-dumping duty on imports of the product under investigation would be against the larger public interest. This determination is based on consideration of information on record and interests of various parties, including domestic industry, importers and consumers of the product.
115. The Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, consumers and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide relevant information with regard to the present investigation, including possible effect of ADD on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries, ability of the domestic industry to switch sources, effect of ADD on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by imposition of ADD etc. The Authority notes that only M/s Infinity Laboratories Pvt. Ltd filed questionnaire response. The Authority notes that none of the interested parties including the said importer/consumer have shown with quantified information that the imposition of ADD shall have significant adverse effect either on the consumers or the public at large. On the contrary, the applicant has provided quantified information of the impact of duty on the subject goods. Based on the calculations provided by the domestic industry, it is seen that the impact of average duties on the end product would be minimal.
116. It had been contended that there is a demand and supply gap which necessitates the imports. From the information on record, it was seen that there exists no demand and supply gap and thus the imposition of duty will not impact the availability of the product to the end users.
117. The presence of healthy domestic industry is ultimately in the interest of the users. The recent experience in the Covid-19 period has also shown that the public at large is likely to suffer, if indigenous producers of API are not sufficiently available in the domestic market.
118. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market. which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
119. Fair competition in the Indian market will in no case be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of antidumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

L. POST DISCLOSURE COMMENTS**Submissions made by other interested parties**

120. Following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The rejection of Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd EQR on this ground is completely incorrect because the company has filed complete and accurate information within the timeline stipulated by the DGTR. There is no misreporting of data by Apeloa.
- b. The Authority cannot reject East Asia response outrightly merely because of selling at higher prices. Factors determining high price by East Asia includes the quality of the product, which is good and stable, sales volume is relatively small. Further, East-Asia is exporting their goods at a high price consistently to the third countries as well.
- c. O-Acid & O-Ester shall be excluded from the scope of product under consideration. However, in case, the Authority still decides to take the same into consideration, the Authority is requested to do separate injury analysis for the three products i.e., Ofloxacin, O-Acid and O-Ester as O Acid and Ester are not sold by domestic industry in the domestic market.
- d. The name of the producer Anhui Biocompounds Pharmaceutical Co., Ltd. has not been recorded correctly in the disclosure statement.
- e. The Authority has not provided trend/indexed figures for volume and landed price Ofloxacin, O-Acid and O-Ester separately.
- f. The Authority has erroneously clubbed 3 product types, Ofloxacin, O-Acid and O-Ester as one PUC. If the Authority would have conducted separate examination to examine the effects of import of Ofloxacin, O-Acid and O-Ester, it would have been clear that there cannot be any recommendation for imposition of anti-dumping duty on O-Ester and Ofloxacin.
- g. Ofloxacin is imported into India in low volumes in 2019-20 and in the POI. Import price of Ofloxacin into India is much higher than import price of O-Acid into India.
- h. Standalone producers of Ofloxacin should not be excluded from the scope of domestic industry. The Authority has observed that these other producers are largely importing O Acid, i.e., a form of product under consideration. Consequently, the Authority has determined standing of the domestic industry after excluding these other producers, who are mainly producers of Ofloxacin
- i. There is consistent improvement in performance of the domestic industry even after combining Ofloxacin, O-Acid and O-Ester for the purpose of injury examination. Thus, based on the objective examination of economic parameters of the domestic industry, it can be reasonably concluded that the domestic industry is not suffering material injury
- j. The sales of the domestic industry solely constitute sales of final product, Ofloxacin. The imports from the subject country primarily constitute imports of O-Acid. The price of intermediate product O-Acid imported from China PR will certainly be lower than the domestic selling price of the final product Ofloxacin by the domestic industry.
- k. The Authority has information of actual import price of Ofloxacin imported from China PR. Examination of actual import price of Ofloxacin from China PR will indicate that it is in fact higher than Non-Injurious Price and Net Selling Price of the domestic industry and accordingly there is no price effect on the domestic industry due to imports of Ofloxacin.
- l. The Authority cannot assess existence of material injury to the domestic industry qua O-Acid. Instead, the Authority should assess whether qua O-Acid, there is material retardation to the establishment of domestic industry.
- m. For the remaining product type/s not exported by the producer/exporter in China PR, the Authority should specifically note that such producer/exporter will be entitled for new shipper review in accordance with Rule 22 of the Anti-dumping Rules.
- n. The Authority should exclude quarter of April 2020-June 2020 affected by complete lockdown. Exclusion of quarter of April 2020-June 2020 will show further improvement in performance of the domestic industry in the POI.

Submissions made by the Domestic Industry

121. Following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The non-injurious price determined is too low resulting into insufficient injury margin.
- b. The volume and value for O-Acid considered for production of Ofloxacin is unduly low. The petitioner apprehends that the Authority has applied consumption factor for production of a O-Acid for Ofloxacin which is unnecessary for the reason that the consumption volume reported is for the quantity of Ofloxacin produced.
- c. The Authority should impose anti-dumping duties on imports of the subject goods from the subject country, in the form of fixed quantum of duties.

Examination by the Authority

122. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the interested parties and notes that most of the comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the final findings. The issues raised for the first time in the post-disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below.

- a. As regards the argument that response filed by Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd should not be rejected on account of low volume, the Authority notes that the quantity exported by the said producer is extremely low and their volume of sales can by no means be treated as commercial quantity. Further, the questionnaire response filed by other producers and information provided by the domestic industry shows that the price at which the subject goods have been sold by Zhejiang East-Asia is materially higher than that of other exporters. The producer has contended that it has exported the subject goods to third countries also at a higher and comparable price. However, in support of their contention they have selectively furnished details only in respect of export quantity of ***MT as against their total exports of *** MT to third countries. The details provided for third country exports are thus extremely insufficient and cannot be taken as a reliable evidence.
- b. The response of Zhejiang Apelo Kangyu Pharmaceutical Co was not accepted at the stage of disclosure of essential facts. However, the exporter provided relevant documents and information, post issuance of disclosure statement. The Authority has therefore evaluated the information provided by the exporter in its questionnaire response and also the information submitted after issuance of disclosure statement, and has accepted the same after making appropriate adjustments.
- c. As regards the argument that stand alone producers of Ofloxacin should be considered while determining standing, the Authority considers that standing is required to be determined in respect of product under consideration as a whole. Further, those domestic producers who are importer of the product in any of its form cannot be treated as eligible domestic industry unless these interested parties participate and establish their eligibility. In the instant case, none of these Ofloxacin producers, barring M/s Infinity Laboratories Ltd have filed response. The questionnaire response filed by M/s Infinity Laboratories Ltd has been examined and it is seen that the company has produced Ofloxacin from imported O-Acid. Thus, the company is de-facto importer of the product for the entirety of its production of Ofloxacin. Other domestic producers of Ofloxacin have preferred non-cooperation. In any case, even if production by such other producers is included in domestic production, the production by the applicant still constitutes “a major proportion” in Indian production and the petitioner constitutes the domestic industry for the present purposes.
- d. As regards the argument that the Authority should have undertaken separate analysis of the product types, it is noted the Authority has already determined that the product under consideration is Ofloxacin and its intermediates, O Acid and O Ester. Having determined the scope of the product under consideration, the injury is examined for such product under consideration. In so far as apple-to-apple comparison is concerned, the Authority has ensured the same by determining margins separately for Ofloxacin and O Acid imported from the subject country.

- e. As regards the argument that comparison of Ofloxacin prices would show no injury, it is seen that the injury margin and dumping margin determined for ofloxacin separately is positive and significant from the subject country. The volume of import of Ofloxacin is low in view of the duties in force during the relevant period. The Authority has found change in import pattern between O Acid, O Acid Ester and Ofloxacin with changing anti-dumping duty position.
- f. As regards the argument that the non-injurious price determined is low, it is noted that the NIP has been determined as per Annexure III of the AD rules and the consistent practice of the Authority.

M. CONCLUSIONS

123. Having regard to the contentions raised, the information provided, and the submissions made by the interested parties and the available before the Authority, as recorded in the above findings, the Authority concludes that:

- a. The product under consideration is Ofloxacin and its intermediates O Acid and O Ester. Ofloxacin and its intermediates constitute one product under consideration. O Ester is a prior stage product of O Acid and the duties on O Acid were circumvented by import of O Ester. Thus, despite no imports of O ester from China, it is necessary to include the same within the scope of the product under consideration.
- b. The product produced by the domestic industry is like article to the product under consideration imported from the subject country.
- c. The applicant constitutes “domestic industry” within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5. Response filed by M/s Zhejiang East-Asia Pharmaceutical Co., Ltd was found insufficient for determination of individual dumping margin, and accordingly the Authority has not determined individual dumping margin for this producer.
- d. Dumping margin has been determined for all other responding producers/exporters based on the questionnaire response filed by them, after making appropriate adjustments.
- e. Based on information on record, the normal value, export price and the dumping margin for the subject goods have been determined which is found to be positive and significant.
- f. The domestic industry has suffered material injury as established by increase in subject imports in absolute and relative terms in the POI as compared to the previous year with cessation of duties on O Acid. It is noted that the imports have increased with the cessation of duties on O Acid. It is also seen that the volume of imports has switched between O Acid, O Acid ester and Ofloxacin depending on the presence or absence of ADD. The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry. The price undercutting has caused price depression in the POI. While production, sales, capacity utilization and market share have declined, inventories have increased in the POI. Market share of the domestic industry declined in the POI with market share of the subject imports increasing. Performance of the domestic industry was improving in respect of profit/loss, profit before interest, cash profit and ROI till 2019-20. However, the performance declined significantly in the POI in respect of these parameters with the increase in imports once again in the POI. The injury margin determined is positive and significant. Having regard to the information on record, analysis hereinabove and the AD rules, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.
- g. The investigation has shown that other possible factors of injury have not caused material injury to the domestic industry. Further, the investigation has not shown existence of any other factor that could have caused injury to the domestic industry. Nor the interested parties have established with relevant information and evidence that injury to the domestic industry is due to some other factors.
- h. Changes in the import pattern between the three forms of the product, price undercutting leading to suppressing/depressing effect on the prices in the domestic market, and consequent adverse impact of the same on various economic parameters relating to the domestic industry demonstrates that subject imports have caused injury to the domestic industry.

- i. Despite issuing questionnaires for users for quantification of the impact of ADD and to ascertain on how imposition of ADD will adversely impact them, none of the users have provided relevant information. The interested parties have not established possible adverse impact of ADD on the user industry with verifiable information. Non-imposition of antidumping duty will adversely impact the indigenous production of the product concerned. The impact of antidumping duty on the end users is miniscule. Despite ADD on the product in the past, there is no evidence on record to show any adverse effect of duty either on immediate consumers or public at large. The Authority thus considers that imposition of proposed anti-dumping duty will be in the public interest.

N. Recommendations

124. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that imposition of Anti-Dumping is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country.
125. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to lesser of margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty for a period of five (5) years equal to the amount indicated in Column 7 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods originating in or exported from China PR.

DUTY TABLE

S.No.	Heading/ Sub- heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer/exporter	Amount (US\$/kg)
1	2	3	4	5	6	7
1	30042034 29419030 29419060 29152990 29163990 29189900 29349900 29411090 29419090 29420090	O-Acid or Ofloxacin Acid, O-Ester, Ofloxacin or any of its synonym.	China PR	Any country including China PR	M/s Anhui Biocompounds Pharmaceutical Co., Ltd	5.02
2	-do-	- do -	China PR	Any country including China PR	M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd.	4.55
3	-do-	- do -	China PR	Any country including China PR	M/s Zhejiang Apeloa Kangyu Pharmaceutical Co., Ltd	0.53
4	-do-	- do -	China PR	Any country including China PR	Any producer other than specified at serial number 1 to 3 above.	7.03

5	-do-	- do -	Any country other than China PR	China PR	Any company	7.03
---	------	--------	---------------------------------	----------	-------------	------

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC.

O. FURTHER PROCEDURE

126. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

ANANT SWARUP, Designated Authority